एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन - 10

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंता को दूर करने के लिए तैयार - 10

यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले- संशोधनों से बेहतर हुई अमेरिका की शांति योजना - 11

जीत के लिए कोहली-रोहित पर देश की नजर, दोनों ने विश्व कप के लिए अपना दावा किया पुख्ता- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 12:26 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 3 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 9, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

कारोबारियों को जीएसटी व स्टांप ड्यूटी पर छूट, हर मंडल में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

योगी कैबिनेट की 20 प्रस्तावों पर मुहर, निजी अस्पताल प्रोत्साहन नीति पुनर्परीक्षण के लिए वापस

- अयोध्या में आधुनिक मंदिर संग्रहालय कानपुर व बरेली में पेयजल सुधार परियोजनाओं को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में विकास, पर्यटन, औद्योगिक निवेश, दिव्यांग कल्याण, शहरी पेयजल, खेल और सामाजिक पुनर्वास से जुड़े 20 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। निजी अस्पताल प्रोत्साहन नीति का प्रस्ताव पुनर्परीक्षण के लिए वापस भेजा गया।

लोक भवन में दो घंटे चली मंत्रिपरिषद बैठक में कुल 21 प्रस्ताव रखे गए। सबसे बड़ा निर्णय हर मंडल में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र स्थापित करने का रहा। अयोध्या में आधुनिक मंदिर संग्रहालय, वाराणसी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और कानपुर व बरेली में पेयजल सुधार परियोजनाओं को मंजूरी मिली। कारोबारियों को जीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर छूट से 3 हजार करोड़ के निवेश का रास्ता साफ हुआ।

वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 18 मंडल मुख्यालयों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने की अनुमति दी गई। इन केंद्रों पर सर्वे, पहचान, प्रमाणपत्र, नैदानिक सेवाएं, कृत्रिम अंग, प्रशिक्षण व उपकरण वितरण जैसी सभी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी। अयोध्या को वैश्विक सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कैबिनेट ने 52.102 एकड़ में वर्ल्ड-क्लास मंदिर संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया। यह परियोजना टाटा सन्स के सीसीआर फंड से बनेगी, इसी के द्वारा चलाई जाएगी। संग्रहालय का दायरा बढ़ाते हुए 27.102 एकड़ अतिरिक्त भूमि निःशुल्क हस्तांतरित किए जाने को मंजूरी दी गई। मंदिर प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण के बाद अयोध्या में रोज दो से चार लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, ऐसे में यह संग्रहालय एक नया वैश्विक आकर्षण बनेगा।

लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

बरेली और कानपुर को 582.74 करोड़ रुपये की सौगात

शहरी पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अमृत–2.0 के तहत बरेली और कानपुर की 582.74 करोड़ रुपये की दो मेगा जल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बरेली में 92% आबादी तथा कानपुर के ईस्ट–साउथ जोन के 33 वार्ड लाभान्वित होंगे।

3000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को रफ्तार

उद्योग क्षेत्र में एसजीएसटी–स्टांप ड्यूटी में छूट के तहत मेरठ की पसवारा पेपर्स को 65.67 लाख रुपये का लाभ स्वीकृत किया गया। शाहजहांपुर और मथुरा की औद्योगिक इकाइयों को भी प्रोत्साहन लाभ मंजूर हुए। इससे 3000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों को गति मिलेगी।

यह हैं कैबिनेट के प्रमुख फैसले

1. हर मंडल में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी)
2. अयोध्या में 52.102 एकड़ में वर्ल्ड-क्लास मंदिर संग्रहालय
3. खिलाड़ियों के प्रशिक्षण/प्रतियोगिता/यात्रा को 'ड्यूटी' माना जाएगा
4. वाराणसी सिगरा स्टेडियम साई को सौंपकर राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र
5. बरेली पेयजल पुनर्गठन परियोजना के लिए 265.95 करोड़ रुपये
6. कानपुर ईस्ट–साउथ जोन पेयजल पाइपलाइन विस्तार के लिए 316.78 करोड़
7. एसडीएसटी–स्टांप ड्यूटी में छूट, तीन औद्योगिक इकाइयों को लाभ
8. 3000 करोड़ से अधिक के औद्योगिक निवेश को हरी झंडी
9. चंदौली में 29.67 किमी 4-लेन सड़क के लिए 4.91 अरब रुपये
10. कानपुर में 45,000 वर्गमीटर भूमि मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल हेतु
11. अमेठी में 70.885 हेक्टेयर औद्योगिक पार्क
12. जेल मैनुअल–2022 में संशोधन–जातिगत भेदभाव पर सख्त प्रावधान
13. पेंशन अध्यादेश को अधिनियम में परिवर्तित करने का निर्णय
14. उद्योगों पर प्रदूषण शुल्क/नियम संशोधन
15. इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति–2005 एवं 2014 में संशोधन–रुकी परियोजनाएं पूरी होंगी
16. शहरी विकास विभाग की भूमि आवंटन योजनाएं
17. नगर निकाय अधोसंरचना सुधार योजनाएं
18. राजस्व/प्रशासनिक नियम परिवर्तन
19. परिवहन व सड़क सुरक्षा संशोधन प्रस्ताव
20. स्वास्थ्य ढांचे विस्तार हेतु भूमि/अनुमोदन स्वीकृत

देश के नागरिक गरीबी से जूझ रहे, घुसपैठियों के लिए क्या रेड कार्पेट बिछाए जाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने देश में रह रहे रोहिंग्या के कानूनी दर्जे पर मंगलवार को तीखा सवाल करते हुए पूछा कि क्या घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाना चाहिए जबकि देश के अपने नागरिक गरीबी से जूझ रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता रीता मनचंदा की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए ये तीखी टिप्पणियां कीं। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि यहां अधिकारियों की हिरासत से कुछ रोहिंग्या लापता हो गए हैं। अब मामले की सुनवाई 16 दिसंबर को होगी।

याचिका में अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि मई में दिल्ली पुलिस ने कुछ रोहिंग्या को पकड़ा था, वे कहां हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर उनके पास भारत में रहने का कानूनी दर्जा नहीं है तो वे घुसपैठिए हैं। उत्तर भारत में हमारी सीमा बहुत संवेदनशील है। अगर कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उनका यह कहकर स्वागत करेंगे कि हम उन्हें सभी सुविधाएं देना चाहते हैं? न्यायालय ने कहा कि उन्हें वापस भेजने में क्या समस्या है? सीजेआई ने कहा कि हमारे देश में भी गरीब लोग हैं। वे नागरिक हैं। क्या वे कुछ लाभों और सुविधाओं के हकदार नहीं हैं? उन पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता? पीठ ने कहा कि भारत ऐसा देश है जहां बहुत से गरीब लोग हैं और हमें उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

- रोहिंग्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने की तीखी टिप्पणी अगली सुनवाई 16 को

सीजेआई ने कहा-क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित होने के हकदार

सीजेआई ने कहा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं? अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार प्राप्त हैं? दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और घुसपैठिए हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्यों की कार्रवाई उचित थी। अगर रोहिंग्या को घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत में रखा जा सकता है या उन्हें उचित शर्तों के साथ जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

हर बुधवार को सुनवाई

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया है। उन पर हर बुधवार को सुनवाई तय करेगा। पीठ ने संकेत दिया कि जो लोग अवैध रूप से दाखिल हुए हैं और उन्हें निर्वासित करने की सरकार की जिम्मेदारी के प्रश्न पर वह केवल सिद्धांत निर्धारित कर सकती है।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

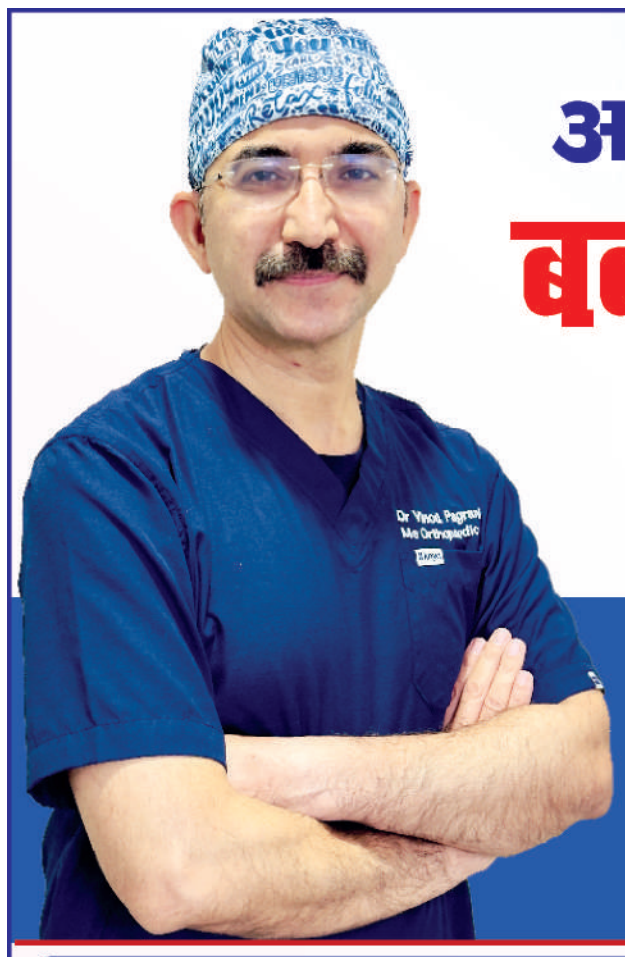

अब नहीं रहेगा – जोड़ों का दर्द

बदलवाएं घुटना व कूल्हा

☑ हाई फ्लैक्स घुटना प्रत्यारोपण
☑ लार्ज हैड कूल्हा प्रत्यारोपण

डॉ. विनोद पागरानी
एम.एस. (हड्डी एवं जोड़ रोग)
आर्थोस्कोपी, ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट एवं स्पाइनल सर्जन

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत
घुटने व कूल्हे का
निःशुल्क ऑपरेशन

अत्याधुनिक विधि से घुटने (परिया) के जोड़ का बदलना (प्रत्योरोपण)–TKR

- यदि आप घुटने के तेज दर्द के कारण रोजमर्रा के जरूरी कार्य करने में असमर्थ हैं।
- घुटने एवं टांगों में टेढ़ापन आ गया है।
- घुटने में चाल बहुत ही कम है।
- तमाम दवाओं व इन्जैक्शनों के बाद भी घुटने का दर्द नहीं जा रहा है।

कूल्हा प्रत्योरोपण THR

- खून का दौरान बन्द होने के कारण कूल्हे के जोड़ का सूखना (AVN)।
- चोट के कारण कूल्हे की कटोरी एवं बॉल के टूटने पर।
- टी.बी. के कारण कूल्हे के जोड़ के खराब होने पर।

24 घण्टे इमरजेन्सी

ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन विधि से जोड़ों की जाँच व इलाज)
चोट के कारण घुटने के अन्दर का माँस फटना व नस टूटना
(ACL, PCL, MENISCUS INJURY)
का दूरबीन विधि से जाँच व ऑपरेशन
पुरानी गलत जुड़ी हड्डी का इलाज

आई.सी.यू. व वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध

खुशलोक हॉस्पिटल
(मुरलैक्स एंटरप्राइजेज़ प्रोईवेट लिमिटेड का एक उपक्रम)
Leading you to blossoming health
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

नंबर लगवायें: +91-7088105001
+91-9720600111, +91-7302302222
सिन्धी मार्केट, निकट पुलिस चौकी, मॉडल टाउन स्टेडियम रोड, बरेली।
PHONE No. 0581-250800/700 HELPLINE No. 7500875003

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

किशोरी ने डांटने पर खाया जहर, मौत : संभल, असमोली के एक गांव में सोमवार की रात बरात देखने गई किशोरी के देर रात घर लौटने पर परिजनों ने डांट दिया। नाराज किशोरी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। देर रात किशोरी घर लौटी तो परिजनों ने फटकार लगाई। जिससे नाराज होकर किशोरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। मंगलवार की दोपहर उसने दम तोड़ दिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11522/142सी0 (ई0 टेण्डर)–3/25 दिनांक: 22.11.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 05.12.2025 से दिनांक 25.12.2025 की अपरान्ह 12:30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत			धनराशि धरोहर (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
			अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	5 वर्ष अनुरक्षण की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0 लाख में)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	थरिया परौर मार्ग (अन्य जिला मार्ग) का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य।	निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	3472.76	83.24	3556.00	50.00	2725.00	12 माह	ए (मार्ग कार्य हेतु)

2–निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-241651 दिनांक 28.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पुलिस कस्टडी से लापता युवक न्यायिक व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश पुलिस की तीखी आलोचना करते हुए वर्ष 2018 से पुलिस हिरासत से एक युवक के गायब रहने को न्यायिक व्यवस्था का पूरी तरह से मज़ाक करार दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यदि बंदी समाप्त कर दिया गया है, तो जिम्मेदारी केवल एक निचले स्तर के अधिकारी पर नहीं थोपी जा सकती और ऐसी स्थिति में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जा सकता।

मामले के अनुसार शिव कुमार को कथित तौर पर सितंबर 2018 में एक अपहरण मामले में पुलिस ने उठाया था और वह तब से लापता है। कोर्ट ने कठोर शब्दों में कहा कि बंदी को अदालत में पेश करो या सबूत दो कि वह अब इस दुनिया में नहीं है या देश से बाहर चला गया है।

धर्मांतरण के बाद भी अनुसूचित जाति का दर्जा बनाये रखना धोखाधड़ी

हाईकोर्ट ने सभी डीएम को ऐसे मामलों की पहचान और रोकथाम के दिए निर्देश

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की संपूर्ण प्रशासनिक मशीनरी को निर्देश दिया है कि राज्य में जिन एससी/एसटी वर्ग के व्यक्तियों ने ईसाई धर्म अपना लिया है, वे अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित लाभ प्राप्त न कर सकें। कोर्ट ने ऐसे कृत्य को संविधान के साथ धोखाधड़ी करार देते हुए सभी जिलाधिकारियों को ऐसे मामलों की पहचान और रोकथाम के लिए चार महीने की सख्त समय सीमा निर्धारित की है। यह निर्देश न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकलपीठ ने जितेंद्र साहनी द्वारा दाखिल याचिका खारिज करते हुए पारित किए।

याची के विरुद्ध हिंदू देवी-देवताओं का उपहास करने और शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोप में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। याची ने तर्क दिया कि उन्होंने केवल अपनी भूमि पर ईसा मसीह के वचनों का प्रचार करने की अनुमति मांगी थी और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

हालांकि राज्य की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि स्वयं आवेदक ने हलफनामे में अपना धर्म हिंदू बताया है, जबकि पुलिस जांच में यह पाया गया कि वे मूलतः केवट समुदाय से थे, बाद में ईसाई धर्म

अपना चुके हैं और पादरी के रूप में कार्य कर रहे हैं। गवाह के बयान में आरोप लगाया गया कि याची गरीब लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रहे थे और हिंदू देवी-देवताओं के विरुद्ध गंदी, अपमानजनक और बेतुकी भाषा का उपयोग कर लोगों को ईसाई धर्म अपनाने को प्रेरित कर रहे थे।

गवाह के अनुसार याची ने ग्रामीणों से कहा कि हजारों देवी-देवता हैं, किसी के आठ हाथ, किसी के चार, कोई सूंड वाला है,कोई चूहे पर बैठता है, कोई मोर पर, कोई भांग पीता है, कोई गांजा-ऐसे धर्म को क्यों मानते हो? कोर्ट ने माना कि हलफनामे में धर्म छिपाने का प्रयास गंभीर है और भविष्य में न्यायालय के समक्ष ऐसे भ्रामक हलफनामे दाखिल न हों, इसके लिए कठोर प्रशासनिक कार्यवाही आवश्यक है। कोर्ट ने याची को यथोचित मंच पर आरोपमुक्ति के लिए याचिका दाखिल करने की स्वतंत्रता दी, साथ ही राज्य को चार महीने की अवधि में कार्रवाई कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने कई निर्देश दिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गोला गोकर्णनाथ-खीरी

पत्रांक: 514/न.पा.परि.गोला/2025-26 दिनांक 02.12.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गोला गोकर्णनाथ-खीरी अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र / वरासत / अन्य के आधार पर निम्न प्रकार परिवर्तन करना चाहती हैं अत: नगर पालिका परिषद अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित में जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वह व्यक्ति लिखित आपत्ति मय, साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते हैं निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा और तद्नुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी। विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.	मोहल्ला	वार्ड सं.	भूमि भवन का विवरण	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति के स्वामी/विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	आधार
1.	मुन्नूगंज	9	आवासीय मकान	श्री लल्लाराम पुत्र दीनदयाल	श्री रवि कुमार पुत्र लल्लाराम व रेखा देवी पत्नी नीरज वर्मा	दान-पत्र
2.	मुन्नूगंज	9	आवासीय मकान	श्री रवि कुमार पुत्र लल्लाराम	श्रीमती रेखा देवी पत्नी नीरज वर्मा	दान-पत्र
3.	मुन्नूगंज	23	भू-भाग	श्री विजय कुमार राठी पुत्र निर्मल चन्द्र राठी	श्री आशीष कुमार गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता	विक्रय-पत्र
4.	कुम्हारन टोला	4	आवासीय मकान	श्री सियाराम पुत्र नंगू शाह	श्रीमती मंजू देवी पत्नी महेश कुमार	विक्रय-पत्र
5.	मुन्नूगंज	12	मकान पक्का	श्री मैथलीशरण शुक्ला पुत्र ऋषि लाल शुक्ल	श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ल व ज्ञानेन्द्र कुमार शुक्ल पुत्रगण स्व. मैथलीशरण शुक्ल	वसीयत
6.	मिल वार्ड	18	आवासीय प्लाट	श्री चरनजीत सिंह लाम्बा पुत्र जगदीश सिंह लाम्बा वहैसियत मुख्तायरेआम जगदीश सिंह लाम्बा पुत्र अवतार सिंह लाम्बा	श्री राकेश कुमार वर्मा पुत्र बांकेलाल वर्मा	विक्रय-पत्र
7.	मुन्नूगंज	21	आवासीय मकान	श्रीमती सावित्री देवी पत्नी मुरारी सिंह	श्रीमती अरूणा गुप्ता पत्नी स्व. दिनेश कुमार गुप्ता	विक्रय-पत्र
8.	पश्चिमी दीक्षिताना	11	मकान पक्का	श्री अली अहमद पुत्र अली रजा	श्रीमती रेशमा पत्नी स्व. अली अहमद	वरासत
9.	पूर्वी दीक्षिताना	13	भू,भाग	श्री सुधर सिंह पुत्र श्री जैराम	श्रीमती मिथलेश पत्नी विजय कुमार	विक्रय-पत्र
10.	कुम्हारन टोला	1	मकान पक्का	श्री निर्मल सिंह पुत्र स्वरूप सिंह	श्री हरजीत सिंह पुत्र निर्मल सिंह	दान-पत्र
11.	गोकर्ण वार्ड	19	मकान पक्का दो मंजिल	श्री वसन्त कुमार मिश्रा पुत्र बाबूराम मिश्रा	श्री सन्तोष कुमार मिश्र पुत्र स्व. बाबूराम मिश्र	वसीयत
12.	मिल वार्ड	18	आवासीय प्लाट	श्री चरनजीत सिंह लाम्बा पुत्र जगदीश सिंह लाम्बा वहैसियत मुख्यतायरेआम जगदीश सिंह लाम्बा पुत्र अवतार सिंह लाम्बा	श्रीमती रागिनी वर्मा पत्नी राकेश वर्मा	विक्रय-पत्र
13.	पश्चिमी दीक्षिताना	14	आवासीय भवन	श्री रामगोपाल राठौर पुत्र श्यामलाल राठौर	श्रीमती सरोजनी पत्नी ऋषि कुमार गुप्ता	विक्रय-पत्र
14.	कुम्हारन टोला	20	मकान पक्का	श्री हरिवंश पुत्र गड़ामल लाल	श्रीमती विमला रानी पत्नी स्व. हरिवंश व श्रीमती पूजा अजमानी पुत्री स्व. हरिवंश	वरासत
15.	मुन्नूगंज	23	भू-भाग	श्री मोहम्मद अशफाक पुत्र घसीटे	श्री नसीर खां पुत्र वजीर खां	विक्रय-पत्र
16.	मुन्नूगंज	23	भू-भाग	श्री मो. नसीर खां पुत्र वजीर खां	श्री मोहम्मद शकील, मो. शाहीद खान, अब्दुल वाहीद पुत्रगण स्व. मो. नसीर खां	वरासत
17.	मुन्नूगंज	12	भू-भाग	श्री दीपक वर्मा पुत्र सुरेन्द्र कुमार	श्रीमती सुमन देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार	विक्रय-पत्र
18.	पश्चिमी दीक्षिताना	16	मकान पक्का	श्रीमती विमलेश कुमारी विश्वकर्मा पत्नी स्व. प्रेमचन्द्र	श्री धमेन्द्र कुमार, दिलीप कुमार पुत्रगण स्व. प्रेमचन्द्र	वरासत
19.	पश्चिमी दीक्षिताना	14	मकान पक्का दो मंजिल	श्री कामता भारथी पुत्र स्व. चेतराम भारथी	श्री सचिन भारती उर्फ भीखम भारती पुत्र कामता भारती	वसीयत
20.	मुन्नूगंज	21	भू-भाग/भवन	श्रीमती शान्ती देवी पत्नी ब्रम्हादीन	श्री राहुल मिश्रा पुत्र संजय कुमार मिश्रा	विक्रय पत्र
21.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्री सुशील कुमार अग्रवाल पुत्र रतन लाल अग्रवाल	श्री राजवीर सिंह बाठ पुत्र स्व. कश्मीर सिंह	विक्रय पत्र
22.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लीाट	श्री राजवीर सिंह वाठ पुत्र स्व. कश्मीर सिंह	श्रीमती पूजा आनन्द पत्नी मुकेश कुमार आनन्द	विक्रय पत्र
23.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्री गौरव गुप्ता पुत्र फूलचन्द्र गुप्ता	श्रीमती सन्ध्या गुप्ता पत्नी विजय गुप्ता	विक्रय पत्र
24.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्री सरदूल सिंह, सुखवीर सिंह, बलकार सिंह पुत्रगण पाल सिंह	श्रीमती संगीता गुप्ता पत्नी राजीव कुमार गुप्ता	विक्रय पत्र
25.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्रीमती संगीता गुप्ता पत्नी राजीव कुमार गुप्ता	श्रीमती रेखा गुप्ता पत्नी सुधीर कुमार गुप्ता	विक्रय पत्र
26.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्रीमती रेखा गुप्ता पत्नी सुधीर कुमार गुप्ता	श्री प्रेमप्रकाश गुप्ता पुत्र रामनिवास गुप्ता	विक्रय पत्र
27.	मुन्नूगंज	23	भू-भाग	श्रीमती सुमिता पुरवार पत्नी राकेश कुमार पुरवार	श्री पंकज कुमार पुत्र छेदालाल	विक्रय पत्र
28.	कुम्हारन टोला	1	मकान पक्का	श्री वनवारी लाल वर्मा पुत्र हीरालाल वर्मा	श्री योगेश कन्नौजिया पुत्र स्व. वनवारी लाल वर्मा व निशा देवी पत्नी स्व. महेश कुमार वर्मा व नैमिष पटेल पुत्र स्व. महेश कुमार वर्मा	वरासत
29.	कुम्हारन टोला	1	मकान पक्का	श्रीमती राजकुमारी पत्नी स्व. वनवारी लाल	श्री योगेश कनौजिया पुत्र स्व. वनवारी लाल वर्मा व निशा देवी पत्नी स्व. महेश कुमार वर्मा व नैमिष पटेल पुत्र स्व. महेश कुमार वर्मा	वरासत
30.	मुन्नूगंज	9	मकान पक्का	श्रीमती लीलावती पत्नी स्व. दयाराम जायसवाल	श्री रामचन्द्र जायसवाल पुत्र स्व. दयाराम जायसवाल	वसीयत
31.	पूर्वी दीक्षिताना	13	मकान पक्का तीन मंजिल	श्री वनवारी लाल वर्मा पुत्र हीरालाल वर्मा	श्री योगेश कनौजिया पुत्र स्व. वनवारी लाल वर्मा व निशा देवी पत्नी स्व. महेश कुमार वर्मा व नैमिष पटेल पुत्र स्व. महेश कुमार वर्मा	वरासत
32.	पूर्वी दीक्षिताना	13	मकान पक्का तीन मंजिला	श्रीमती राजकुमार पत्नी स्व. वनवारी लाल	श्री योगेश कनौजिया पुत्र स्व. वनवारी लाल वर्मा व निशा देवी पत्नी स्व. महेश कुमार वर्मा व नैमिष पटेल पुत्र स्व. महेश कुमार वर्मा	वरासत
33.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्री अतुल आनन्द पुत्र स्व. ओमप्रकाश आनन्द	श्रीमती प्रभनीर कोर पत्नी तेजवीर सिंह	विक्रय-पत्र
34.	मुन्नूगंज	12	आवासीय प्लाट	श्रीमती प्रभनीर कौर पत्नी तेजवीर सिंह	श्रीमती संतोष वर्मा पत्नी स्व. राजपाल वर्मा	विक्रय पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
गोला गोकर्णनाथ-खीरी

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
गोला गोकर्णनाथ-खीरी

अब जातियों के आधार पर नहीं होगा काम का बंटवारा

अमृत विचार, लखनऊ : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मंगलवार को यूपी के जेल नियमों में संशोधन के प्रस्ताव को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। अब जेल में काम का बंटवारा जाति के आधार पर नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के क्रम में राज्य कैबिनेट ने जेल मैनुअल में प्रथम संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी, जिसके तहत जेलों में बंदियों से अब जाति आधारित काम नहीं लिया जा सकेगा। साथ ही, बंदियों से जुड़े अभिलेखों में जाति का उल्लेख नहीं होगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सुकन्या शांथा बनाम भारत संघ एवं अन्य रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान जेल मैनुअल में बदलाव करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया कि वे ऐसे सभी संदर्भों को हटाएं जो जाति, समुदाय, धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा था कि जेल की व्यवस्था संविधान में निहित समानता, गरिमा और भेदभाव रहित हो।

खाद्य प्रसंस्करण के प्रशिक्षण पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : जिलों में स्थापित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्रों और सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों पर युवक-युवतियों व कृषकों खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र का प्रशिक्षण दिया जाता है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा जिलों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रशिक्षण कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम मे मंगलवार को विभाग द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह प्रभावी कार्ययोजना व रूपरेखा तैयार कर इच्छित नवयुवकों, नवयुवतियों व किसानों को बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण दिलाया जाए।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल चोला मण्डपम इन्वेस्टमेन्ट फाईनेंस एण्ड कम्पनी लि. शाखा बरेली से मोहम्मद इब्राहिम पुत्र मोहम्मद यासीन नि. मोहल्ला कटरा ब्रह्मपुर बदायूं एक किता दुकान रकबई 23.56 वर्ग मी. वाकै मो. बाजार पुराना मौसूमा मो. रमरेजान जिला बदायूं को द्वारा बैनामा जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 01.03.1997 ई. को बही सं. 1 जिल्द सं. 1399 में नं. 984 पर स.र, बदायूं में हुई है इकरारी चन्द्र प्रकाश वैश्य से क्रय की थी जिसको बंधक रखकर आपकी शाखा से लोन रहे हैं हक सम्पत्ति के बाबत एक पूर्व मूल इकरारनामा जो चन्द्र प्रकाश वैश्य ने मो. इब्राहिम के हक में निष्पादित किया था जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 28.10.1996 ई. को बही सं. 1 जिल्द 1336 के पृष्ठ 3-12 में नं 6695 पर स.र. बदायूं में हुई है जो कहीं खो गया है जिसके खोने की सूचना दिनांक 01.12.2025 को ई-थाना पर दर्ज कराई जा चुकी है।

अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस की सामान्य कार्यावधि में इस प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल चोला मण्डपम इन्वेस्टमेन्ट फाईनेंस एण्ड कम्पनी लि. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है। उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

अमिताभ भन्ज
एडवोकोट
चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना
सिविल कोर्ट, बरेली
सूचीबद्ध अधिवक्ता
चोला मण्डपम इन्वेस्टमेन्ट फाईनेंस एण्ड कम्पनी लि. शाखा बरेली।

बाई बैक पॉलिसी से खाली भूमि पर फिर लगेंगे उद्योग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मंगलवार को पिकप भवन में हुई उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्षों से खाली और निष्प्रयोज्य पड़ी औद्योगिक भूमि पर दोबारा उद्योग स्थापित करने के लिए बाई बैक पॉलिसी तैयार की जाए। अधिकारियों ने बताया कि इसका ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है और नीति जल्द अंतिम रूप लेगी।

बैठक में मंत्री नंदी ने कहा कि उद्योगों के संचालन और निवेश को बढ़ाने के लिए जीरो एरर नीति अपनाई जाए और न्यूनतम समय में अधिकतम परिणाम देने की दिशा में काम हो। बैठक में फैक्ट्री पंजीकरण, डेटा प्रणाली सुधार, औद्योगिक इकाइयों के संचालन में तेजी, औद्योगिक सर्वेक्षण की प्रगति, भूमि उपलब्धता, लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और औद्योगिक पार्कों के विकास की समीक्षा की गई।

बैठक करते मंत्री नंद गोपाल नंदी।

- **मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश**

मंत्री ने निवेशकों के लिए भूमि उपलब्धता और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी समेत अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सारीपुर वि.खं. बिथरी चैनपुर (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी पंजीकृत फर्मों आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2025-26 में पन्द्रहवां वित्त पंचम राज्य वित्त आयोग आर.जी.एस.ए./ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत एस.बी.एम. (जी) ग्राम निधि 6 मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से सी.सी. रोड नवीन निर्माण, नई नाली निर्माण एवं मरम्मत खडंजा नव निर्माण एवं मरम्मत, मिट्टी कार्य, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्य, इन्टरलॉकिंग कार्य, फर्नीचर क्रय कार्य, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट स्थापना, अनुरक्षण, सोलर पैनल क्रय इन्वर्टर बैटरी क्रय, हैण्डपम्प रिबोर अनुरक्षण, हाम पाइप क्रय, सीएससी केंद्र निर्माण, गौशाला निर्माण, अमृत सरोवर, वॉल पेंटिंग, दिव्यांग शौचालय निर्माण, स्कूल शौचालय मरम्मत, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण मरम्मत, ई-रिक्शा क्रय, पंचायत भवन निर्माण मरम्मत, सोकपिट कम्पोस्ट पिट, वर्मी कम्पोस्ट, आर.आर.सी. सेन्टर निर्माण, सामुदायिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अन्त्येष्टि स्थल निर्माण, वृक्षारोपण, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पंचायत भवन की बाउन्ड्रीवॉल, खाद के पक्के गडडों का निर्माण कार्य, अनुरक्षण सहित कार्य कराये जाने है। उक्त कार्यों के लिये सामग्री क्रय हेतु इसमें प्रथम श्रेणी ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, मोरंग, रेता, बजरी, सरिया, जाली, टाइल्स, इन्टरल श्वकिंग इंट, पाइप टॉटी, स्टेशनरी, कम्प्यूटर प्रिंटर कुर्सी मेज, सी.सी.टी.वी. कैमरा, दरी, अल्मारी, प्रचार-प्रसार बोर्ड व पटान हेतु मिट्टी, सैनेटाइजर, फॉगिंग कार्य, सफाई किट व ठेली, स्प्रे मशीन, मास्क क्रय एवं पी.पी.ई. किट एवं अन्य सामग्रियों की आपूर्ति के लिये सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 05.12.2025 को पंचायत कार्यालय पर 11.00 बजे आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन 2:00 बजे खोली जायेंगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

आशा देवी-प्रधान देवेंद्र सिंह-सचिव

रोजगार मेला 6 को 1500 पदों पर भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पीएम इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 6 दिसम्बर 2025 को राजकीय आईटीआई अलीगंज, लखनऊ में विशेष रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में 29 कंपनियां भाग लेंगी तथा 1500 से अधिक रिक्त पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इनमें पीएम इंटर्नशिप योजना के 512 प्रशिक्षार्थियों को भी आमंत्रित किया गया है।

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर
NOTICE FOR INVITATION OF TENDER

पत्रांक: 683/PRO/नि.वि./न.नि.शाह./2025-26 दिनांक: 02.12.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम, शाहजहांपुर द्वारा राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत 02 निर्माण कार्यों की द्वितीयबार/तृतीयबार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है । ई-निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की जायेगी। कार्य की समस्त नियम व शर्ते वेबसाइट पर उपलब्ध है जिनका अवलोकन करने उपरान्त ही निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। बिना कारण बताये टेण्डर को स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा। उक्त निविदा के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की सूचना वेबसाइट पर अपलोड कर दी जायेगी।

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	03.12.2025- (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	03.12.2025- (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अंतिम तिथि/समय	11.12.2025- (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	11.12.2025- (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल www.etender.up.nic.in पर किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, शाहजहांपुर

आयुर्वेदिक कॉलेज को दान में मिली जमीन

लखनऊ: प्रयागराज स्थित राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, हरीपुरमरों को दान में मिली जमीन पर अब अस्पताल के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने जमीन को विभाग के नाम स्थानांतरित करने की मंजूरी दी है।

एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन - 10

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंताों को दूर करने के लिए तैयार - 10

यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले- संशोधनों से बेहतर हुई अमेरिका की शांति योजना - 11

जीत के लिए कोहली-रोहित पर देश की नजर, दोनों ने विश्व कप के लिए अपना दावा किया पुख्ता - 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 12:26 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 3 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 9, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बम की धमकी के बाद विमान को मुंबई में उतारा गया

मुंबई/हैदराबाद। कुवैत से हैदराबाद आने वाली इंडिगो की एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद मार्ग परिवर्तित करते हुए मुंबई में मंगलवार को आपातकाल स्थिति में उतारा गया। सूत्र ने बताया कि इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई1234 के लिए पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। हैदराबाद हवाई अड्डे को मंगलवार सुबह छह बजकर 33 मिनट पर इस विमान के लिए बम की धमकी से संबंधित ईमेल प्राप्त होने के कारण इसका मार्ग परिवर्तित कर दिया गया था। बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) हैदराबाद हवाई अड्डे पर पहुंची और इसे गंभीर खतरा घोषित किया।

10.42 करोड़ की 45,984 ई-सिगरेट जब्त, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने तूतीकोरिन में 10.42 करोड़ रुपये मूल्य की 45,984 ई-सिगरेट जब्त कीं और तस्करी के इस गिरोह में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्रालय ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी कि ई-सिगरेट की तस्करी में शामिल एक गिरोह तूतीकोरिन बंदरगाह के रास्ते छाते की आड़ में चीन से ई-सिगरेट से भरे एक कंटेनर को भारत में आयात करने की साजिश रच रहा है, जिसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर कंटेनर को रोक लिया। जांच के दौरान कुछ डिब्बों में छाते भरे हुए पाए गए जबकि एक बड़े हिस्से में उनके पीछे छिपी ई-सिगरेट बरामद की गईं।

मुरादाबाद में 10वीं के छात्र ने शिक्षक पर किया चाकू से हमला

मुरादाबाद। यहां के जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में 10वीं में पढ़ने वाले एक छात्र ने शिक्षक को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस घायल शिक्षक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर छात्र की तलाश कर रही है। मंगलवार सुबह 9:20 बजे भौतिक विज्ञान के शिक्षक अरुण कुमार त्यागी कॉलेज पहुंचे तो गेट पर छात्र ने पीछे से चाकू से वार कर दिया। हालांकि उस समय शिक्षक को अहसास नहीं हुआ। स्कूल के चौकीदार रामनरेश ने देख लिया। हाथ में खून लगा तो वह चौंक गए।

गतिरोध खत्म...बनी सहमति, 8 को वंदे मातरम् व चुनाव सुधार पर चर्चा 9 को

नई दिल्ली, एजेंसी

शीतकालीन सत्र

- **सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी**

सरकार ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा से जुड़ी विपक्ष की मांग को मंगलवार को स्वीकार कर लिया, जिससे शीतकालीन सत्र के शुरुआती दो दिनों से जारी गतिरोध के खत्म होने के आसार हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 साल पूरा होने के विषय पर सोमवार को तथा चुनावों सुधारों के मुद्दे पर मंगलवार एवं बुधवार को चर्चा होगी। इस बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भी बैठक हुई, जिसमें इन विषयों पर चर्चा कराने पर मुहर लगाई गई। यह भी तय किया गया कि आगामी सोमवार को सदन में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सोमवार आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा और मंगलवार नौ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधार पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है। बीएसी की बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने संवाददाताओं से कहा, बीएसी की बैठक के बाद वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा के बारे में फैसला किया गया। सोमवार को वंदे मातरम पर चर्चा होगी और इस चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री करेंगे। इसके बाद मंगलवार और बुधवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी तथा जरूरत पड़ने पर समय बढ़ाया जा सकता है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में सोमवार और मंगलवार को गतिरोध की स्थिति बनी रही। विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई।

मणिपुर जीएसटी विधेयक संसद से मंजूर

संसद ने मंगलवार को मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी जो इस संबंध में लाए गए अध्यादेश की जगह लेगा। उच्च सदन ने वित्त मंत्री सीतारमण के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा ने एक दिन पहले ही इस विधेयक को मंजूरी दी थी।

सरकार भारत टैक्सी एप करेगी लॉन्च

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संसद को बताया सरकार जल्द भारत टैक्सी एप लॉन्च करेगी, जिसका उद्देश्य देश के वाणिज्यिक वाहन चालकों को निजी कंपनियों पर निर्भरता से मुक्त करना है। एप से अनुकूल यात्रा के लिए मोबाइल फोन पर बुकिंग, पारदर्शी किराया, वाहन ट्रैकिंग, बहुभाषी इंटरफेस व अन्स सेवाएं शामिल हैं।

आजम खान के करीबियों के दो बरातघर ध्वस्त, हंगामा

सूफी टोला में एवान-ए-फरहत व गुड लाइफ बरातघर पर गरजे बुलडोजर

- **देर शाम तक जारी रही कार्रवाई पुलिस छावनी में तब्दील रहा इलाका**
- **बीडीए ने 14 साल पुराने ध्वस्तीकरण के आदेश का हवाला दे की कार्रवाई**

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सपा नेता आजम खां के करीबियों सरफराज वली खान और राशिद खान के दो बरातघरों को बरेली विकास प्राधिकरण की टीम ने मंगलवार को ध्वस्त कर दिया। बीडीए ने 14 साल पहले जारी ध्वस्तीकरण के आदेश का हवाला देते हुए कार्रवाई की है। इस दौरान भारी विरोध और हंगामे के बीच ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रही। बरातघर स्वामियों ने भी बीडीए की कार्रवाई पर एतराज जताया, लेकिन पुलिस ने सभी को समझाकर हटा दिया।

बीडीए ने मंगलवार को सूफी टोला स्थित सरफराज वली खान के गुड मैरिज और राशिद खान के एवान-ए-फरहत बरातघर के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आखिरकार मंगलवार को दोपहर में शुरू कर दी। बीडीए की टीम न पहुंचने से दोनों बरातघरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सोमवार को नहीं शुरू हो सकी थी। अवैध निर्माण के रूप में चिह्नित सूफीटोला में स्थित दोनों बरातघरों के बाहर मंगलवार को सुबह 10 बजे से भारी पुलिस फोर्स जुटना आरंभ हो गई थी, लेकिन बरेली विकास प्राधिकरण की टीम दो बुलडोजर के साथ दोपहर करीब एक बजे पहुंची। बुलडोजर को देखते ही बरातघर के ऊपर बने आवासों से महिलाएं बाहर निकलकर कार्रवाई का विरोध करने लगीं, जबकि कुछ महिलाएं बुलडोजर के आगे खड़ी हो गईं और बीडीए पर कार्रवाई को लेकर गंभीर आरोप भी लगाए। महिला पुलिस कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने पर महिलाओं को पड़ोस के आवास में भेजा गया। इसके बाद भी महिलाएं और युवक छत पर खड़े होकर कार्रवाई रोकने की गुहार लगाते रहे। विरोध के बावजूद दोपहर करीब दो बजे दोनों बुलडोजर एवान फरहत बरातघर के अंदर प्रवेश कर गए और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। जो कि देर शाम पांच बजे तक भी जारी रही। इस मौके पर बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार, सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव भी लगातार मौके पर मोर्चा संभाले रहे।

पुराना शहर सूफी टोला में एवान-ए-फरहत बरातघर को ध्वस्त करते बीडीए के बुल्डोजर।

एवान ए फरहत और गुड लाइफ मैरिज हाल का प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत नहीं कराया गया है। इसके चलते पूर्व में नोटिस भी जारी किया गया है। नियमानुसार दोनों बरातघरों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है।

– दीपक कुमार
संयुक्त सचिव बीडीए।

अक्टूबर 2011 में हुआ था ध्वस्तीकरण आदेश

बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार के अनुसार अक्टूबर 2011 में इन दोनों बरातघरों को अवैध करार देते हुए बीडीए ने नोटिस जारी कर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था, लेकिन 14 साल बीतने के बाद अब अचानक कार्रवाई होने से इलाके के लोगों ने कार्रवाई पर सवालिया निशान भी लगाए।

सेवानिवृत्ति भ्रष्ट आचरण के लिए सुरक्षा कवच नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

- **कहा, भ्रष्टाचार के मामले में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जांच के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता**

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी विभागों में बढ़ती सुविधा व पक्षपात आधारित भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने के लिए नियमों को और कठोर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी जांच के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने सेवानिवृत्त जेई विपिन चंद्र वर्मा की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया।

दरअसल याची के खिलाफ एक मौजूदा विधायक के रिश्तेदार द्वारा दाखिल शिकायत के आधार पर सेवानिवृत्ति के बाद उनके खिलाफ जांच शुरू की गई थी, जिसे वर्तमान याचिका में चुनौती दी गई थी। याची 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुए थे। उनके खिलाफ वर्ष 2015–2022 की अवधि में अनियमितताओं को लेकर सितंबर 2025 में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस से पहले अप्रैल 2025 में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके आधार पर जिला मजिस्ट्रेट ने जांच की। याची ने तर्क दिया गया कि शिकायत राजनीतिक रूप से प्रेरित है। साथ ही सेवा समाप्त होने के बाद नियोक्ता–कर्मचारी संबंध नहीं रहता। इसलिए उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया जाना चाहिए। इसके अलावा सिविल सेवा विनियमन के विनियमन 351-ए के अनुसार चार वर्ष से पूर्व घटित घटनाओं पर विभागीय जांच नहीं चल सकती। हालांकि राज्य ने तर्क दिया कि 23 अगस्त 2025 की जांच रिपोर्ट में वर्ष 2022 से संबंधित अनियमितताएं स्पष्ट पाई गईं। जो चार वर्ष की सीमा अवधि के भीतर आती हैं, इसलिए जांच वैध है। अंत में कोर्ट ने पाया कि कार्यवाही वैध और समय-सीमा के भीतर है।

जनप्रतिनिधि की हर शिकायत को राजनीति से प्रेरित नहीं कह सकते

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधि द्वारा की गई हर शिकायत को राजनीति से प्रेरित नहीं कहा जा सकता। आरोप केवल इस आधार पर नहीं नज़रअंदाज़ किए जा सकते कि शिकायत विधायक या उसके रिश्तेदार द्वारा की गई है।

आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अधिवक्ताओं के पेशे में बने रहने पर हाईकोर्ट चिंतित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अधिवक्ताओं द्वारा प्रैक्टिस करने और अपने पेशे में बने रहने पर गंभीर चिंता जताई है। इस संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत प्रदेश के पुलिस महानिदेशक व पुलिस महानिदेशक (अभियोजन) को राज्य में पंजीकृत अधिवक्ताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विस्तृत डाटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने मोहम्मद कफील की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने ऐसी स्थिति पर विशेष चिंता जताई कि कई जिलों में गंभीर आपराधिक आरोप झेल रहे अधिवक्ता न केवल प्रैक्टिस कर रहे हैं, बल्कि जिला बार एसोसिएशनों में प्रभावशाली पदों पर भी बैठे हुए हैं। कोर्ट ने अपनी विशेष टिप्पणी में कहा कि एक अधिवक्ता का पूर्ववृत्त निस्संदेह व्यक्तिगत और व्यावसायिक ईमानदारी दोनों पर प्रभाव डालता है।

संचार साथी एप को जब चाहें, फोन से कर सकते हैं डिलीट : संचार मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- **गोपनीयता संबंधी आशंकाओं के बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया स्पष्ट**

नए स्मार्टफोन में सरकारी एप संचार साथी को अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के निर्देश पर उठी गोपनीयता संबंधी आशंकाओं के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि उपभोक्ता चाहें तो इस एप को मोबाइल से हटा सकते हैं और पंजीकरण न किए जाने तक यह सक्रिय नहीं होगा। सिंधिया ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को धोखाधड़ी और मोबाइल चोरी की घटनाओं से बचाने के लिए उपलब्ध साधनों की जानकारी देना है। अगर आप इसे हटाना चाहें, तो हटा दें।

सरकार ने 28 नवंबर को फोन विनिर्माता कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे सभी नए फोन में 'संचार साथी' को इंस्टॉल करके बिक्री के लिए जारी करें और उसकी कार्यक्षमता सीमित न होने दें। इसके साथ ही पहले से इस्तेमाल हो रहे फोन में भी इसे सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये भेजने को कहा गया है। एप पर आए इस आदेश के बाद विपक्ष ने इसे जासूसी करने वाला एप बताते हुए सरकार पर ग्राहकों की गोपनीयता भंग करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे अनिवार्य किए जाने की आलोचना करते हुए कहा, लोगों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे सरकार की निगरानी के बिना निजी संदेश भेज सकें।

अनिवार्यता पर एप्पल सैमसंग करेंगी बात

नई दिल्ली। अग्रणी फोन विनिर्माता एप्पल एवं सैमसंग संचार साथी एप को मोबाइल फोन में अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने संबंधी सरकारी आदेश पर सरकार से चर्चा करेंगी। दूरसंचार विभाग के निर्देश में कहा है कि 90 दिनों के भीतर सभी नए मोबाइल फोन में इस एप को इंस्टॉल करना होगा। यह देश के भीतर विनिर्मित या बाहर से आयातित सभी फोन पर लागू होगा। वहीं मौजूदा फोन या अनबिके फोन में एप को सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये इंस्टॉल करने को कहा गया है।

एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कफ सिरप तस्करी मामला

- **अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद आलोक ने कोर्ट में सरेंडर की डाली थी अर्जी**

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी गिरोह का तीसरा मुख्य आरोपी एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप की टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित मॉल के पास से दबोचा।

सात दिन पहले हुए अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद आलोक ने कोर्ट में सरेंडर की अर्जी डाल चुका था। एसटीएफ ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। आलोक जौनपुर के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह का करीबी है। एसटीएफ एएसपी के मुताबिक पकड़ा गया आलोक कफ सिरप तस्करी गिरोह का तीसरा मुख्य आरोपी है। वह मूलतः चंदौली के बलुआ स्थित कैथी का रहने वाला है। लखनऊ में वह काफी लंबे समय से ऐशबाग के मालवीयनगर राजेंद्रनगर में रहता था। उसने हाल ही में अपना मकान सुशांत गोल्फ सिटी में बनवाया है। जांच में सामने आया कि इस गिरोह ने कफ सिरप तस्करी के माध्यम से दो हजार करोड़ का काला कारोबार किया।

काशी-तमिल संगमम शुरू

काशी तमिल संगमम 4.0 का शुभारंभ मंगलवार को नमो घाट पर हुआ। कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलासनाथन शामिल हुए। इस दौरान वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को सीएम योगी ने सम्मानित किया। साथ ही पुस्तक का विमोचन किया।

एक्सपायर सर्टिफिकेट पर एयर इंडिया ने उड़ाया विमान, जांच शुरू

नई दिल्ली। एक्सपायर सर्टिफिकेट पर विमान उड़ाने के एक मामले में डीजीसीए ने जांच शुरू कर दी है। डीजीसीए ने बताया कि आमतौर पर टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया हर साल अपने विमानों की जांच के बाद उनके लिए एआरसी जारी करती है। लेकिन, साल 2024 में विस्तारा के अधिग्रहण के समय यह तय हुआ था कि विस्तारा से आने वाले सभी 70 विमानों को पहले साल में एआरसी डीजीसीए द्वारा जारी किया जाएगा। 69 विमानों को जांच के बाद डीजीसीए ने एआरसी जारी कर दिया जबकि एक विमान के बारे में आवेदन दिया कि उसे इंजन बदलने के लिए ग्राउंड किया।

बदलाव केंद्र सरकार ने आदेश किए जारी, देशभर के राजभवन अब कहलाएंगे लोकभवन

पीएमओ का नाम अब सेवा तीर्थ, केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर को अब 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन होगा, जबकि देश भर के राजभवन अब लोकभवन कहलाएंगे। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बन रहे परिसर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इसे पहले 'एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव' के रूप में जाना जाता था।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा निर्माणाधीन परिसर में मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और 'इंडिया हाउस' के कार्यालय भी शामिल होंगे, जो आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थल होगा। अधिकारियों ने बताया कि 'सेवा तीर्थ' एक ऐसा कार्यस्थल होगा, जिसे सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जहां राष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूप लेंगी। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक संस्थान एक शांत लेकिन गहन बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक शासन का विचार 'सत्ता' से 'सेवा' और 'अधिकार' से 'उत्तरदायित्व' की ओर बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। राज्यों के राज्यपालों के आधिकारिक आवास 'राजभवन' का भी नाम भी बदलकर 'लोक भवन' रखा जा रहा है। केन्द्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन है, जो एक विशाल प्रशासनिक केंद्र है, जिसका निर्माण इस विचार के इर्द-गिर्द किया गया है कि सार्वजनिक सेवा एक प्रतिबद्धता है। ये बदलाव एक गहरे वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। भारतीय लोकतंत्र सत्ता की बजाय जिम्मेदारी और पद की बजाय सेवा को चुन रहा है। नामों में बदलाव मानसिकता में भी बदलाव है।

नाम कल्याण का बोध न कि विशिष्टता का

अधिकारियों के मुताबिक यह नाम कल्याण का बोध कराता है न कि विशिष्टता का। यह प्रत्येक निर्वाचित सरकार के भविष्य के कार्यों की याद दिलाता है। सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक वृक्षों से घिरे मार्ग के पूर्ववर्ती नाम 'राजपथ' को बदलकर 'कर्त्तव्य पथ' किया था। प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास का नाम 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया था।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,3 दिसंबर 2025

बरेली देहात

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
- सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज
- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा।
- छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध
- नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन
- बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज
- वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास,
निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

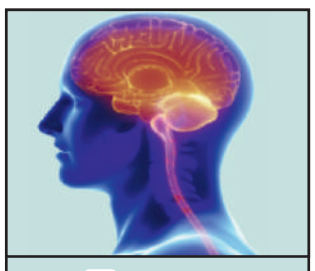

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक

लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

न्यूज ब्रीफ

ट्रांसफार्मर का तेल चोरी, सिंचाई ठप

ननवाबगंज / हाफिजगंज, अमृत विचार ग्राम फैजुल्लापुर निवासी देवेश गंगवार के खेत पर लगे ट्रांसफार्मर को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोरों ने ट्यूबवेल पर लगे ट्रांसफार्मर का तेल निकालकर फरार हो गये। ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे खेत की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई और सिंचाई बाधित हो गई है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सोलंकी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दबंगों ने युवक को पीटा रिपोर्ट दर्ज

क्योलड़िया, अमृत विचार : घर के बाहर टहल रहे युवक को दबंगों ने लाठी से पीट दिया। इससे युवक जख्मी हो गया है। घायल को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीडित के भाई ने नामजद तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के गांव मौजम नगला ठाकुर दास के देवेंद्र कुमार रात लगभग आठ बजे घर के बाहर टहल रहे थे। तभी आरोपी मुकेश और निवेश ने पुरानी रंजिश के चलते अचानक गाली गलौज करते हुए लाठी से हमला कर पीटना शुरू कर दिया जिससे पीड़ित के खुली चोट आई। चिलाने कि आवाज सुन पीड़ित का भाई जमुना प्रसाद तथा गांव के ग्रामीण बचाने दौड़ पड़े गांव वालों को आता देख दोनों आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए।

97 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

मीरगंज, अमृत विचार : वाहन चेकिंग के दौरान थाना पुलिस ने बाइक पर आ रहे तस्कर के पास से 97 ग्राम स्मैक बरामद की उसे हिरासत में लिया और जेल भेज दिया है। सोमवार रात को उपनिरीक्षक उपनिरीक्षक पंकज कुमार अपने हमराह हेड कांस्टेवल अनुज मलिक, व दीपक कुमार एवं कांस्टेवल अमित व रजत मलिक के साथ सिरौली चौराहे पर वाहन चैकिंग कर रहे थे कि इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर टीम फ्लाईओवर के पास नगरिया सादात गांव को जाने वाले मार्ग पर पहुंची। वहां एक तस्कर इलयास पुत्र खान मोहम्मद निवासी ग्राम सनइया थाना सीबीगंज को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से 97 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत करते हुए उसे जेल भेज दिया।

पेड़ से टकराकर बस खाई में गिरी, आधा दर्जन यात्री घायल

सुबह शाहजहांपुर से बरेली आ रही थी रोडवेज की बस, फतेहगंज पूर्वी में हुआ हादसा

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी फरीदपुर

अमृत विचार : हाईवे पर शुक्रवार की सुबह रोडवेज बस पेड़ से टकराकर बस खाई में चली गई जिससे उसमें सवार करीब आधा दर्जन यात्री चोटिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए फरीदपुर के सरकारी अस्पताल भेजा जहां सभी प्राथमिक उपचार के बाद गंतव्य को चले गये। बस को खाई से निकालते समय हाईवे पर जाम के हालात बन गए। एआरएम ने कहा कि बस पेड़ से टकराई थी उसका एक्सल नहीं टूटा था। घायलों में कैंट डाकघर में तैनात कर्मचारी की नाक पर चोट आई है। परिजन उन्हें फरीदपुर से तिलहर ले गये। वहीं उनका इलाज चल रहा है।

मंगलवार सुबह करीब सात बजे रोडवेज बस संख्या यूपी 78 एल एन 9423 शाहजहांपुर से बरेली की ओर आ रही थी। पचौमी में द्वारकेश चीनी मिल के समीप अचानक बस का एक्सल टूट जाने से बस अनियंत्रित हो गई और खाई में चली गई। लेकिन किसी यात्री के गंभीर चोट नहीं आई। बस के गिर जाने की सूचना पर थाना प्रभारी संतोष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सभी घायल यात्रियों को फरीदपुर सीएचसी भेजा गया। वहां से घायल ताराचंद मेहता व लक्ष्मी देवी की हालत

बस को खाई से निकालते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

कृष्ण बहादुर की नाक में चोट आई।

सुधीर के दोनों पैर के घुटने चोटिल हुए।

मुन्नी देवी का सिर और जबड़ा टूटा।

● घायल यात्री प्राथमिक उपचार के बाद गंतव्य के अस्पतालों में इलाज को भर्ती

गंभीर देखते हुए उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उन्होंने भर्ती होने से इंकार कर दिया।

इसके अलावा मुन्नी देवी पत्नी संतोष कुमार वर्मा निवासी मोहल्ला मुगलान थाना कटरा बरेली में एक अस्पताल में वार्ड ब्वाय पद पर तैनात हैं। वह भी हादसे का शिकार हुई हैं। जिनके दांत टूट गए। उनके बेटे ने बताया उनका जबड़ा भी हिल गया। अन्नपूर्णा पत्नी जगत निवासी मनफूल कॉलोनी अजीजगंज थाना कोतवाली शाहजहांपुर, सुधीर पुत्र अनिल निवासी सरोरा उत्तरी थाना सेहरामऊ दक्षिणी शाहजहांपुर तारा नारायण पुत्र

बस का एक्सेल नहीं टूटा था, मौके पर फोरमैन के साथ जाकर मैने भी जांच पड़ताल की तो पता चला की बस के पेड़ से टकराने के बाद स्टेयरिंग का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था।
प्रियांशु पाठक, प्रभारी एआरएम बरेली डिपो

अमर नाथ निवासी पोन्टा साहेब हिमाचल प्रदेश, अभिषेक मेहता पुत्र ताराचंद मेहता निवासी पोन्टा साहेब हिमाचल प्रदेश ,कृष्ण बहादुर पुत्र जंगबहादुर निवासी रूजारी तिलहर शाहजहांपुर यात्री शामिल थे।

फरीदपुर अस्पताल से प्राथमिक उपचार मिलने के बाद सभी यात्री अपने गंतव्य को रवाना हो गए। घायल यात्रियों को अस्पताल भिजवाने के बाद पुलिस ने खाई में गिरी बस को निकलवाया सुबह क्रेन से बस निकालने के दौरान हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। काफी देर तक वाहनों का जमावड़ा लग गया। पुलिस के प्रयास के बाद यह जाम खुलवाया गया।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

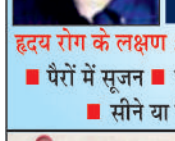

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

बीमारी से परेशान रेल कर्मी फंदे पर लटका

सरकारी आवास में जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : देवरनियां रेलवे स्टेशन में कार्यरत एक सफाई कर्मचारी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सरकारी आवास में उसका शव लटका मिला। पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने भी मौका मुआयना किया। मृतक अपनी बीमारी को लेकर परेशान था।

कोतवाली देवरनियां क्षेत्र के कस्बा रिछा निवासी हंसाराम पुत्र मदनलाल (52) देवरनियां रेलवे स्टेशन पर 2013 से सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात थे। यहीं सरकारी आवास में परिवार के साथ रहते थे। उनके चार लडकियों में एक की शादी हो चुकी है और दो लड़कों के अलावा उनकी पत्नी हैं। हंसाराम सरकारी भवन से सटे छोटे से कमरे मे सोते थे। परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे मे सोते थे।

मंगलवार सुबह हंसाराम की पत्नी जब कमरे में गई तो वह फंदे से लटके थे। स्टेशन मास्टर की सूचना पर चंद कदम पर स्थित कोतवाली से देवरनियां पुलिस काफी देर बाद मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजन ने बताया कि हंसाराम तीन माह से बीमारी से ग्रस्त थे। कुछ लोग कर्ज में होने की बात भी कह रहे हैं।

दीपक की लौ से लगी आग, नकदी-सामान राख

आग से जला बेड और सामान। ● अमृत विचार

आंवला, अमृत विचार : दीपक की लौ से घर में आग लग गयी। जिससे घर में रखी नकदी समेत सारा सामान जलकर राख हो गया।

देवपुर गांव निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि उसका परिवार घेर में था। सोमवार की रात करीब 8:30 बजे उसका छोटा भाई ओमवीर घर में दीपक जलाकर घेर में आ गया। किसी तरह दीपक की लौ से घर में आग लग गयी। मोहल्ले के लोगों की सूचना पर वह लोग घर पर पहुंचे। परिजनों ने मोहल्ले वालों की मदद से आग पर काबू पाया। परंतु तब तक उसका बैड, बैड की दराज में रखे 90 हजार रुपये, चांदी की तगडी, रजाई गद्दे, कपडे आदि सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहंचे हल्का लेखपाल ने मौका मुआयना करके आग से हुई छति की रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम एल.आई.सी. पालिसी सं. 214665414 में Virendra Kumar अंकित है। उक्त नाम मेरा घरेलू नाम है। जबकि मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम Ashok Kumar अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में मुझे Ashok Kumar नाम से ही जाना जायेगा। **अशोक कुमार पुत्र राम नारायन निवासी ग्राम रहमत नगर पोस्ट मुर्तिहा तह. लखीमपुर जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री मान्या गंगवार जिसकी उम्र 23 वर्ष है मैं अपनी पुत्री को उसकी गलत संगत व चाल चलन ठीक न होने पर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है व सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में मुझे अपनी पुत्री से किसी भी तरह का कोई लेना-देना नहीं है वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **सरिता रानी पत्नी स्व. अरविंद कुमार निवासी मोहल्ला बख्तावर लाल कस्बा व थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व से मेरा नाम इसरार हुसेन (Israr Husain) पुत्र इश्तयाक हुसेन (Isntayaka Husain) जोकि गलत है जबकि सही नाम इसरार हुसेन (Israr Husen) पुत्र इश्तयाक हुसेन (Ishtayak Husen) है। आधार कार्ड व अन्य इस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। **इसरार हुसेन पुत्र इश्तयाक हुसेन निवासी मो. काजीटोला कस्बा व थाना जहानाबाद जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने पुत्र मो. यासीन व उसकी पत्नी शबाना बी को बेदखल कर दिया था अब उनके अच्छे आचरण के कारण मैं उनकी बेदखली समाप्त करता हूँ और भविष्य में वह मेरे साथ रहेंगे और मेरे उत्तराधिकारी होंगे। **इब्राहीम खां पुत्र नबी बक्श निवासी परतापुर चौधरी, इज्जतनगर, बरेली।**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

डीआईजी ने थाने में महिला हेल्प डेस्क देखी

शेरगढ़, अमृत विचार : सराफ लूटकांड के मामले में मंगलवार को शेरगढ़ थाने पहुंचे डीआईजी अजय साहनी ने महिला हेल्प डेस्क का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम मिशन शक्ति का हाल जाना और मिशन शक्ति संबंधी समस्त अभिलेखों को देखकर जरूरी निर्देश दिए।

बहन ने भाई समेत 6 पर दर्ज कराई रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : मोबाइल पर पति को गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक महिला ने अपने भाई समेत 6 लोगों के खिलाफ सोमवार को कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के लाल फाटक निवासी रंजना चोपड़ा पत्नी राकेश चोपड़ा ने बताया, कि 1 दिसंबर को सुबह उनका भाई दीपक उर्फ दीपू निवासी 8/आरए बाजार पति को फोन करके गली दे रहा था। विरोध करने पर जान से मारने की धमकियां देने लगा। महिला का आरोप है, कि भाई की पत्नी ममता देवी, साला पप्पू, नीरज व धीरज, सास मुन्नी देवी उसके भाई को उसके पति को प्रताड़ित करने के लिए उकसाते हुए सहयोग करते हैं। परेशान होकर महिला ने सोमवार देर रात कैंट थाने में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बैंक खाते से उड़ाए 50 हजार, रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : एक व्यक्ति ने धोखाधड़ी करके 50 हजार रुपये निकाल लिए। पीडित ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रसूला गांव निवासी राहुल सिंह ने बताया कि उनका एक खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा आंवला में है। बीती 15 नवम्बर को किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर उनके खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। राहुल सिंह ने बताया कि 19 नवम्बर को जब उन्होंने खाते का स्टेटमेंट चेक किया, तब उन्हें रकम की निकासी का पता चला। इसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साइबर क्राइम टीम ने जांच के दौरान जिस खाते में रकम ट्रांसफर हुई, उसे फ्रीज कर दिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

सराफ से लूट में मुकदमा, डीआईजी पहुंचे

लूटकांड के खुलासे के लिए एसओजी को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई, सराफ से ली घटना की जानकारी

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र में सर्राफा व्यापारी सुभाष रस्तोगी से हुई आठ लाख की लूटकांड की वारदात के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मंगलवार को डीआईजी अजय साहनी और एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का बारीकी से मुआयना किया। अधिकारियों ने पीड़ित सर्राफ से दुकान बंद करके घर लौटने से लेकर लूट को अंजाम दिए जाने तक के हर पल की जानकारी ली। मौके पर शेरगढ़ व शाही पुलिस, एसओजी टीम, एलआईओ तथा सीओ बहेड़ी डॉ. अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे।

घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी अजय साहनी ने सराफ से ली जानकारी।

इससे पहले एसओजी टीम ने शाही स्थित पीड़ित सुभाष रस्तोगी के घर पहुंचकर उनसे लंबी पूछताछ की। टीम ने कई फोटो दिखाकर बदमाशों की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सर्राफ ने साफ कहा कि इनमें से कोई भी लुटेरा नहीं था। ज्ञात हो कि सोमवार शाम को नगरिया सोबरनी की चौधरी मार्केट से दुकान बंद कर लौट रहे सर्राफ को कुड़का गांव के ईंट भट्टा के पास दो बाइकों पर आए छह बदमाशों ने घेर लिया था। तीन बदमाश आगे से बाइक रोक कर खड़े हो गए, जबकि बाकी तीन ने फायरिंग करते हुए सर्राफ पर बटों से हमला किया और सोने–चांदी के जेवरात तथा करीब 27 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। बदमाशों की दहशत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फरार होते समय भी उन्होंने फायरिंग की। पुलिस को मौके से एक जिंदा कारतूस मिला था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी दक्षिणी ने भी सोमवार देर रात घटनास्थल पहुंचकर मुआयना किया था। मंगलवार सुबह डीआईजी और अन्य अधिकारियों ने फिर मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम को समझा और जांच को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लूटकांड के खुलासे के लिए कई टीमों का गठन कर दिया गया है और एसओजी को भी विशेष जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही लुटेरों को कानून के कटघरे में लाया जाएगा।

पीड़ित सुभाष रस्तोगी ने बताया कि 40 साल पहले राजनीति के तहत उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें वे बरी हो चुके हैं और इसके बाद आज तक उन पर कोई आरोप या मुकदमा नहीं लगा। उन्होंने कहा कि लूट के दौरान तीन बदमाश बाइक रोककर सामने खड़े थे और बाकी तीन ने हमला कर लूटपाट की।

शेरगढ़ पहुंचे डीआईजी साहनी ने क्षेत्र के सर्राफा व्यापारियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें हमेशा सुचारू रखने पर जोर देते हुए कहा कि थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। पुलिस ने व्यापारियों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की सलाह दी।

व्हाट्सएप लिंक भेजकर खाते से उड़ाए 5.54 लाख रुपये

संवाददाता, नवाबगंज / हाफिजगंज

- एफडी तोड़ी, चार ट्रांजेक्शन में साफ किए लाखों, शाम तक करंट अकाउंट भी खाली

अमृत विचार: क्षेत्र में साइबर ठगी का अब तक का सबसे बड़ा मामला सामने आया है। ग्राम बकैनिया निवासी सरताज पुत्र अली अहमद, जो कारचोबी (कढ़ाई) का व्यवसाय करते हैं, उनके साथ साइबर ठगों ने मिनटों में लाखों की रकम साफ कर दी। पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार बीते दिन दोपहर लगभग 1 बजे उनके व्हाट्सएप पर आरटीओ चालान नाम से एक लिंक एप भेजा गया।

सरताज जैसे ही लिंक पर क्लिक करते हैं, मोबाइल हैंग होने के साथ ही पूरा सिस्टम हैक हो जाता है। इसी बीच एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आती है। कॉलर खुद को आपकी गाड़ी का चालान चेक करने वाला बताकर सरताज को बातों में उलझाता है, और देखते ही देखते बैंक अकाउंट पर पूरा कंट्रोल हासिल कर लेता है।

इसके बाद शुरू होती है लूट की असली कहानी। ठगों ने सरताज की बैंक में जमा साढ़े नौ लाख की एफडी तोड़कर चार बार में कुल चार लाख रुपए निकाल लिए। उसी बैंक के करंट अकाउंट से भी शाम तक एक लाख पांच हजार रुपए उड़ा लिए। कुल 5,54,998 रुपए की साइबर चोरी से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सरताज ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी अरुण प्रवीण सोलंकी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से कॉलर की लोकेशन ट्रेस करने और लेनदेन की पूरी चेन खंगालने के निर्देश दिए हैं।

एसआईआर अभियान को बताया साजिश

नवाबगंज, अमृत विचार : मंगलवार को रिछौला किफायतुल्ला गांव में एक कार्यक्रम में पहुंचे बहेड़ी विधायक अताउररहमान ने एसआईआर अभियान पर सवाल उठाते हुए इसे जनता और कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव डालने वाला कहा है। इसकी जटिल प्रक्रिया की वजह से ही जिले में बीएलओ की मौत हो चुकी है और प्रदेश में कई बीएलओ इसका शिकार हुए हैं। आरोप लगाया कि सरकार बिना पर्याप्त तैयारी और संसाधन उपलब्ध कराए कर्मचारियों व आम जनता पर अनावश्यक दबाव डाला है। इसमें सुधार की जरूरत है।

उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार, नगर पंचायत सेथल के चेयरमैन शानू, शारिक खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पिपौली गांव में खेत में धूप सेंकता मिला अजगर

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : गांव पिपौली के जंगल में एक तालाब के किनारे एक अजगर धूप सेंकता देखकर ग्रामीण भयभीत हो गये। अजगर को देखने के लिए तमाम ग्रामीण जंगल पहुंच गये। अजगर मिलने की सूचना वन विभाग को भी दी गई। लेकिन कोई अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

थाना क्षेत्र के गांव पिपौली के जंगल में मंगलवार को तालाब के किनारे एक खेत में 8 से 10 फीट का अजगर कुंडली मारे बैठा था। खेत पर गए किसान ने अजगर को तालाब किनारे एक खेत में बैठे देखा देखा। देखते ही देखते अजगर होने की सूचना आग की तरह गांव में फैल गई। सूचना के बाद वन कर्मियों का इंतजार करने के बाद अंधेरा होने पर ग्रामीण भयभीत मन से घर लौट गये।

खेत में कुंडली मारे बैठा अजगर।

12 फिट लंबा अजगर दिखने से खलबली

मीरगंज : गूला गांव में सोमवार को करीब दो बजे के आसपास खेत के पास एक अजगर दिखाई देने से हड़कंप मच गया।इस दौरान ग्रामीण और बच्चे इकट्ठा हो गए। गांव अजय मौर्य ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम गांव के जंगल में पहुंची।टीम ने उसे पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया।

श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी से भड़का आक्रोश, मुकदमा

नवाबगंज, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम बुखारपुर निवासी राहुल ने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट से श्रीराम के चित्र पर अशोभनीय टिप्पणी पोस्ट कर दी। पोस्ट देखते ही हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों में जबर्दस्त आक्रोश फैल गया। हिंदू संगठनों ने थाना नवाबगंज में लिखित शिकायत दी। जिस पर कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भगवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : नगर के स्टेशन रोड पर होने वाली सात दिन की भागवत कथा से पूर्व मंगलवार को महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।। कलश यात्रा के दौरान नगर की बिलपुर कालोनी के पूर्व प्रधान सुधीर मिश्रा, पवन राज मिश्रा, अरविंद गुप्ता, रामसेवक शर्मा, हनू मिश्रा, अरुण मिश्रा आदि रहे।

बिजली बिल जमा कराने के नाम पर 40 हजार ठगे

संवाददाता, नवाबगंज

- फोन पे के जरिये 40 हजार ले लिए, बिल ठीक नहीं कराया

अमृत विचार : बिजली बिल में छूट की योजना को शुरु हुए एक दिन भी नहीं बीता है कि बिजली ठग सक्रिय हो गये हैं। लोगों के बिल कम कराने के नाम पर भोले ग्रामीणों को ठगने का सिलसिला शुरु हो गया है। मंगलवार को बिजली बिल सही कराने के नाम पर महिला से 40 हजार रुपये ठगे के बाद भी उसका बिल नहीं बनवाया गया तो महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

ग्राम मुड़िया तेली निवासी ग़ालिब हुसैन ने बताया कि उसका परिचित अमित कुमार निवासी ग्राम बार नवादा थाना जहानाबाद जिला पीलीभीत अक्सर उसकी नगर पालिका स्थित दुकान पर आता-जाता था। विश्वास का फायदा उठाते हुए अमित ने ग़ालिब से कहा कि उसकी बिजलीघर में अच्छी जान-पहचान है और वह कम पैसे लेकर अधिक बिजली बिल जमा करा सकता है।

इसी भरोसे में ग़ालिब ने अपने रिश्तेदार का 51 हजार रुपये का बिल मात्र 40,हजार रुपय में जमा कराने को कहा। आरोप है कि अमित कुमार ने फोन पे के माध्यम से किस्तों में 40,000 रुपए ले लिए, लेकिन बिल जमा नहीं किया।

बिल की रसीद न देने पर जब ग़ालिब ने पैसे वापस मांगे तो अमित कुमार आग-बबूला हो गया और कहा कि न बिल जमा करूंगा, न ही पैसा दूंगा।

पीड़ित के अनुसार फोन पर जान से मारने की धमकी भी दी। बातचीत की रिकॉर्डिंग ग़ालिब ने सुरक्षित कर रखी है।

कार व दस लाख न मिलने पर घर से निकाला, 9 पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : पिछले साल हुई शादी के बाद दहेज के लिए प्रताड़ित हो रही महिला ने एसएसपी से मिलकर ससुरालवालों की शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

थाना क्षेत्र कांधरपुर निवासी स्नेहा पुत्री रूप राम ने बताया, कि उसकी शादी 30 सितंबर 2024 को चनेहटी निवासी प्रदीप कुमार के साथ हुई थी। पति प्रदीप कुमार, ससुर राम कुमार, जेठ देवदत्त, ननद सोनी सागर, बबीता कुमारी, सुमन, चचिया सास नन्ही देवी, चचिया ससुर सत्यपाल, देवर विवेक कुमार सिंह एक राय होकर मायके से 10 लाख रूपए नकद तथा बोलेरो कार लाने का दबाव बनाने लगे। एक बार तो महिला के मुंह पर पति ने तिकया रखकर मारने का प्रयास किया। कैंट पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

न्यूज डायरी

दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील स्तरीय दिव्यांग बच्चों के खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चे भी खुश हुए। राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज में हुई प्रतियोगिता में मीरगंज और फतेहगंज के ब्लॉक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें साधारण दौड़, कुर्सी दौड़, कला ,रस्साकसी और अन्य प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें साधारण दौड़ में माही फर्स्ट, राधिका सेकंड एवं ताहिरा थर्ड रहीं। कला प्रतियोगिता में प्रथम निशि रहीं। कुर्सी दौड़ में राधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में फतेहगंज के बीईओ भानु शंकर गंगवार एवं मीरगंज के बीईओ अवनीश कुमार द्वारा विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान स्पेशल एजुकेटर ललित मोहन, डा. रोहिताश गंगवार, रूप बसंत एवं राम यादव उपस्थित रहे।

टैलेन्ट हंट में एलएलबी का जलवा

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री मैवेरिक्स क्लब द्वारा आयोजित टैलेंट हंट कम्पटीशन के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में एलएलबी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस आधार पर उसे विजेता घोषित किया गया। जबकि बीटेक, एमबीए को रनरअप घोषित किया गया। म्यूजिक, सिंगिंग, डांस परफार्मेंस पर आधारित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतिभागियों के जजमेण्ट के लिये सिने जगत से आये सपना पाण्डेय, सुमैरा नूरी एवं ज्योति कश्यप के पैनल ने राजश्री लॉ कॉलेज के छात्र राजू को विनर घोषित करते हुये बीटेक से वेदान्त एवं स्नेहा के साथ एमबीए स्टार को रनरअप के ताज से नवाजा। परफार्मेंस के आधार पर चयनित छात्र-छात्राओं को राजश्री संस्थान द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कम्पटीशन के लिये जुटने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डीन डॉ0 साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, निदेशक प्रो0 पंकज शर्मा, प्रो. अनिल कुमार, धरमबीर सिंह एवं अभिषेक यादव का सहयोग रहा।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में प्रदर्शन जारी

मीरगंज, अमृत विचार : विकास खंड मुख्यालय पर ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों का प्रदेशव्यापी क्रमिक सत्याग्रह आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। सचिवों ने दाहिनी भुजा पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। सचिव गजेंद्र वर्मा, सुशील कुमार, एम. अनस, योगेश कुमार, विशाल कुमार का कहना है कि उन्हें बिना अतिरिक्त संसाधन के निजी मोबाइल और इंटरनेट से काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान प्रदर्शनी लगाई

मीरगंज, अमृत विचार : मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एस. के. सिंह के मार्गदर्शन में चित्रकला विभाग द्वारा शैक्षिक भ्रमण में प्रदर्शनी एवं फोटोग्राफी कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. विजय लक्ष्मी पांडे, डॉ. अपूर्वा, विकास पांडे, अमर सिंह सहित महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय कला, प्रकृति एवं दृश्यावलोकन से रचनात्मक अभिव्यक्ति, कलात्मक दृष्टि एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, जिससे उनकी सृजनात्मक क्षमता एवं कलात्मक कौशल में अभिवृद्धि हो सके।

5 तक बंद रहेगी भटौरा क्रांसिग, राहगीर परेशान

भिटौरा क्रासिंग पर काम करते मजूदर। ● अमृत विचार

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : भिटौरा क्रांसिग मंगलवार से शुक्रवार तक बंद हो गई है। इससे पहले दिन सड़क यातयात से निकलने वाले राहगीर परेशान हुए। उन्हें पांच किमी का चक्कर लगाकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। फतेहगंज-शाही रोड स्थित क्रांसिग पर रेलवे लाइन की मरम्मत और फाटक के दोनों तरफ इंटर लॉकिंग ईट बिछाने का काम किया जाएगा। इस वजह से फाटक को पांच दिसंबर तक बंद किया गया है।

ब्लॉक टास्क फोर्स की हुई बैठक

भमोरा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भमोरा पर टीकाकरण उत्सव के अंतर्गत टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे बीडीओ हरिश्चंद्र कुमार की अध्यक्षता में चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विवेक कुमार ने बताया कि सोमवार से कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान छोटे सभी बच्चे व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाएगा। इस मौके पर मनीष अग्रवाल, नागेंद्र, हर्षित अग्रवाल, नीरज कुमार सक्सेना, मीना कुमारी उपस्थित रहे

200 रुपये की खातिर नाबालिग करंट से झुलसा

नवाबगंज, अमृत विचार: शादी समारोह में बैंड बाजे के साथ गया 14 वर्षीय करन पुत्र महेन्द्र पाल 12 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। बारात देशनगर से गाँव विसनपुर जा रही थी। इसी दौरान बैंड की ठेली हाईटेंशन लाइन में उलझ गई। करन उसे सुलझाने लगा तो अचानक बिजली का तेज करंट फैल गया, जिससे वह बुरी तरह झुलसकर गिर पड़ा।

घायल करन को नगर के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बरेली रेफर कर दिया। बरेली के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज जारी है। करन नगर के सरकारी स्कूल में कक्षा 9 का छात्र है और चार बहनों का इकलौता भाई है। करन के पिता ने बताया कि वह 200 रुपए के लालच में बैंड वालों के साथ चला गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बैंड का सामान हिरासत में ले लिया, बैंड स्वामी उपचार के लिए अस्पताल में मौजूद है। पुलिस को तहरीर नहीं मिली है।

खुरपका और तेज बुखार से पशुओं की मौत

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : क्षेत्र में पशुओं में खुरपका और बुखार की बीमारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। पिछले पांच दिनों में करीब 36 से अधिक पशुओं की मौत हो चुकी है। जिससे गांव के पशुपालकों में हड़कंप मचा हुआ है। पशुपालक गांव में तेजी से फैल रही इस बीमारी से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जता रहे हैं।

रामनगर ब्लॉक के गांव कसूमुराह निवासी पशुपालक वीरेन्द्र पाल ने बताया कि बीते एक सप्ताह से यहां खुरपका की बीमारी फैल रही है। अब पशुओं को तेज बुखार आ रहा है। जब तक चिकित्सक को बुलाया जाता है, तबतक पशु की मौत हो जा रही है। इस बीमारी के कारण गांव के 36 से ज्यादा पशुओं की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बीते 5 दिनों में बनवारी लाल, नरेश सिंह, सत्यप्रकाश प्रजापति, अनोखे कश्यप, शेर मोहम्मद, फरियाद अली, फारुख अली, भानु प्रकाश पाल आदि के पशुओं की मौत हो चुकी है।

रामनगर पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. पूर्णाचंद्र पटवाल ने बताया कि खुरपका की शिकायत मिली है, लेकिन पशुओं की मौत की आधिकारिक सूचना अभी तक नहीं मिली बुधवार को टीम भेजकर स्थिति की जांच की जाएगी ताकि मौत के कारणों को स्पष्ट किया जा सके और उचित उपचार योजना बनाई जा सके।

खुरपका एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है जो खुर वाले पशुओं को प्रभावित करता है। इस रोग के लक्षणों में तेज बुखार, मुंह और खुरों में निशान या छाले, लंगड़ापन और दूध उत्पादन में गिरावट शामिल हैं। समय पर टीकाकरण और संक्रमित पशुओं को अलग रखना इस बीमारी को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है। पशुपालकों से अपील की गई है कि यदि उनके पशुओं में खुरपका के लक्षण नजर आए तो वे तुरंत पशु चिकित्सालय या मोबाइल वेटनरी यूनिट से संपर्क करें और विभाग द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान में भाग लें, ताकि बीमारी को नियंत्रण किया जा सके और नुकसान से बचा जा सके।

2% अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क पर निर्णय के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- स्थानीय निकाय निदेशक के समक्ष करना होगा दाखिल

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली) द्वारा दाखिल याचिका का निस्तारण करते हुए निर्देश दिया है कि याची अगर तीन सप्ताह के भीतर स्थानीय निकाय निदेशक (लखनऊ) के समक्ष प्रतिनिधित्व दाखिल करता है, तो निदेशक उसे 8 सप्ताह में निर्णय कर भुगतान संबंधी कार्रवाई पर आदेश पारित करेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने नगर पालिका परिषद और अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि राज्य स्वयं स्वीकार करता है कि 2 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क स्थानीय निकायों को दिया जाना है, इसलिए नगर पालिका परिषद को सक्षम प्राधिकरण से निर्णय प्राप्त करने का अधिकार है। नगर पालिका परिषद के अधिवक्ता ने तर्क देते हुए कहा कि राज्य सरकार 2 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क वसूल रही है, इसका लाभ स्थानीय निकायों को दिया जाना है। निदेशक, स्थानीय निकाय, लखनऊ द्वारा विभिन्न आदेश जारी किए गए हैं और उसमें याचिकाकर्ता का नाम और राशि निर्दिष्ट है, परंतु अब तक राशि जारी नहीं की गई है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में कई बार अनुरोध किया, पर कोई परिणाम नहीं मिला।

राज्य की ओर से दाखिल प्रत्युत्तर हलफनामे में कहा गया कि इस शुल्क के वितरण की प्रक्रिया सरकारी आदेश दिनांक 13.09.2013, 24.09.2014 तथा 06.05.2016 के अनुसार होगी और भुगतान की अनुमोदन-स्वीकृति संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा दी जाती है न कि स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग द्वारा।

राज्य ने यह भी बताया कि यदि भुगतान लंबित है तो नगर पालिका परिषद संबंधित प्रशासनिक विभाग जैसे स्थानीय निकाय विभाग से संपर्क करे।

कोर्ट ने कहा कि परिषद जब आदेश की सत्यापित प्रति के साथ नया प्रतिनिधित्व दाखिल करेगी, तो निदेशक 8 सप्ताह के भीतर निर्णय लेंगे।

तेरहवीं संस्कार

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी वेद प्रकाश पटेल का स्वर्गवास दिनांक 26.11.2025 को हो गया था। उनकी तेरहवीं दिनांक 08.12.2025 दिन सोमवार को निज निवास ग्राम बोझिया (संसारपुर) में दोपहर 1 बजे होगी।

शोकाकुल परिवार

जगरानी देवी (माता), पार्वती वर्मा (पत्नी)
अजय पटेल व डॉ. विजय पटेल (पुत्र), अलका पटेल (पुत्रवधू),
डॉ. प्रमोद वर्मा, मानस पटेल (दामाद)
मंजुला वर्मा, गायत्री वर्मा (पुत्री) मो0-9450050547

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शादी की रात घर से निकला दूल्हा तीन दिन बाद हरिद्वार में मिला

मेरठ,एजेंसी : जिले के सरधना क्षेत्र में शादी की पहली रात ही मानसिक तनाव के कारण घर से निकल गये एक दूल्हे को पुलिस ने तीन दिन बाद हरिद्वार से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि सरधना थानाक्षेत्र के ऊंचापुर का 26 वर्षीय मोहसिन उर्फ मोनू 27 नवंबर की रात सुहागरात से पहले बल्ब लेने का बहाना बनाकर घर से निकला था लेकिन नहीं लौटा जिसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में वह रात में गंगनहर के पास घूमता दिखाई दिया था, जिसके बाद आशंका जताई गई कि उसने कोई आत्मघाती कदम न उठा लिया हो। हालांकि, उसका कोई पता नहीं चल सका।

महिला पर जानलेवा हमला करने वाला तेंदुआ पिंजरे में कैद

बहराइच, एजेंसी : जिले में करीब छह दिन पहले उमरी दहलो गांव में एक महिला पर जानलेवा हमला करने वाला नर तेंदुआ मंगलवार सुबह वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। प्रभागीय वन अधिकारी राम सिंह यादव ने मंगलवार को बताया कि आबादी वाले क्षेत्र में आठ नवम्बर से विचरण कर रहे एक तेंदुए ने गत 26 नवम्बर की शाम उमरी दहलो गांव में शांति देवी (55) पर हमला कर उसे घायल किया था तथा अस्पताल में इलाज के दौरान इस महिला की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि इस हमले के बाद तेंदुए को पकड़ने की कवायद जारी थी तथा सोमवार रात पिंजरे में शिकार के तौर पर बकरी को बांधकर उसे महसी तहसील के कारीपुरवा गांव में लगाया गया था एवं इसी बकरी के लालच में तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया।

कैबिनेट के फैसले :मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी 5000 सीटें

बरेली-कानपुर में पेयजल परियोजनाओं को हरी झंडी, 582.74 करोड़ से लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में मेडिकल शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट बैठक में मेडिकल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर एमबीबीएस, बीडीएस, बीएमएस आदि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कुल लगभग 5000 सीटें बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दी गई। ये सीटें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के मानकों के अनुरूप बढ़ाई जाएंगी और विभाग ने इस वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

सरकार का कहना है कि सीटें बढ़ने से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक अवसर उपलब्ध होंगे और भविष्य में चिकित्सा सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। कैबिनेट का निर्णय प्रक्रिया प्रारंभ करने से संबंधित है, कोई अंतिम सीट संख्या या जगह अभी निर्धारित नहीं की गई है। उधर, यूपी कैबिनेट ने शहरी पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन-अमृत 2.0 के तहत बरेली और कानपुर नगर निगम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और नेटवर्क विस्तार के लिए कुल 582.74 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। दोनों योजनाएं शहरों की बड़ी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होंगी। इससे लाखों लोगों को फायदा होगा।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

बरेली नगर निगम में पेयजल प्रणाली को नए सिरे से विकसित करने के लिए फेज-1 पुनर्गठन परियोजना को व्यय वित्त समिति से 26,595.46 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 8,530.96 लाख, राज्य सरकार का 14,504.95 लाख और नगर निगम का अंश 2,559.55 लाख शामिल है। परियोजना के पूरा होने पर बरेली में लगभग 92% आबादी, यानी करीब 9 लाख लोग, नियमित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से कवर हो जाएंगे।

कानपुर नगर निगम क्षेत्र के ईस्ट और साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट में 100 प्रतिशत आबादी तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए पाइपलाइन विस्तार परियोजना को 31,678.88 लाख की मंजूरी मिली है। इसमें केंद्र सरकार का योगदान 7,610.32 लाख, राज्य सरकार का 18,264.77 लाख और नगर निगम का हिस्सा 4,566.19 लाख है। परियोजना से कानपुर शहर के 33 वार्डों को सीधा लाभ मिलेगा और ईस्ट-साउथ जोन की पूरी आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। जलजनित रोगों में भी कमी आने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र को मुफ्त में दी जमीन

योगी कैबिनेट ने बागपत में अंतरराष्ट्रीय स्तर का योग एवं आरोग्य केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस केंद्र का निर्माण पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर किया जाएगा। सरकार इसके लिए आवश्यक भूमि को निशुल्क उपलब्ध कराएगी। प्रस्ताव का उद्देश्य योग, प्राकृतिक चिकित्सा और वेलनेस को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है। केंद्र में योग प्रशिक्षण, स्वास्थ्य पुनर्वास, शोध, आधुनिक सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप वेलनेस सेवाएं विकसित की जाएंगी। सरकार का दावा है कि इससे बागपत क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार और स्वास्थ्य अवसंरचना को नई दिशा मिलेगी।

प्रतियोगिताओं और शिविरों की पूरी अवधि मानी जाएगी ड्यूटी, खिलाड़ियों को राहत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता और सरकारी नौकरी प्राप्त खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, प्रशिक्षण शिविरों तथा संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि को 'ड्यूटी' माना जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने ब्रीफिंग में बताया कि मौजूदा 'अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022' में अवकाश अथवा अनुमति का स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब नई प्रणाली लागू होने के बाद नियुक्त खिलाड़ी जब भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, प्रशिक्षण शिविर या किसी आधिकारिक खेल गतिविधि में शामिल होंगे, उसे नियमित ड्यूटी माना जाएगा। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी सम्मिलित रहेगा।

खन्ना के अनुसार, मंत्रिमंडल ने वाराणसी के सिगरा इलाके में निर्माणाधीन डॉक्टर सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम के संचालन, के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के साथ हुए समझौते को भी मंजूरी दे दी है।

डीडीआरसी के जर्जर ढांचे को संसाधनों से लैस करेगी प्रदेश सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लेते हुए राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) खोलने को मंजूरी दी गई है। लेकिन वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं, लेकिन कतिपय समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। अब सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, ताकि दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी नैदानिक सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

38 जिलों में बदहाली से जूझ रहे थे केंद्र

निजी निवेश आधारित अस्पताल विकास नीति को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने प्रदेश में निजी निवेश के माध्यम से अस्पतालों के विकास को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी दे दी है। नीति तीन मोड ए, बी और सी में लागू होगी। मोड-ए के तहत झांसी को छोड़कर सभी 16 नगर निगम क्षेत्रों और गौतमबुद्धनगर में कम से कम 200 बेड वाले अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। मोड-बी में राज्य के 58 जिला मुख्यालयों में (मोड ए को छोड़कर) 200 बेड वाले अस्पताल लगाए जाएंगे। मोड-सी के तहत गौतमबुद्धनगर को छोड़कर राज्य के अन्य 74 जिलों में जिला मुख्यालय के बाहर 100 बेड वाले अस्पताल स्थापित करने की व्यवस्था है। सरकार मोड-ए में निजी इकाइयों को स्टांप ड्यूटी में छूट, जबकि मोड-बी और सी में स्टांप ड्यूटी के साथ भूमि लागत पर सब्सिडी भी देगी।

पर्यटन संवर्ग में नई सेवा नियमावली लागू की गई

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने पर्यटन विभाग में संरचनात्मक सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप पर्यटन विभाग में व्यापक संरचनात्मक सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली-2025 का प्रख्यापन किया गया है। नई नियमावली के लागू होने से पूर्व के सभी नियम, आदेश व दिशा-निर्देश अवक्रमित हो गए हैं।

नई प्रख्यापित नियमावली के तहत पर्यटन अधीनस्थ सेवा संवर्ग में प्रकाशन अधिकारी, अपर जिला पर्यटन अधिकारी और पर्यटन सूचना अधिकारी के पद अब सीधी भर्ती व पदोन्नति दोनों माध्यमों से भरे जाएंगे। विभाग के अनुसार, प्रकाशन अधिकारी के पदों के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जबकि पर्यटन सूचना अधिकारी के पदों की भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा की जाएगी। नई व्यवस्था से चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी व प्रतिस्पर्धात्मक होने की उम्मीद है।

नई नियमावली में नियुक्ति, सेवा शर्तों, पदोन्नति, अर्हता तथा वरिष्ठता सहित अन्य प्रशासनिक प्रावधानों का भी समावेश किया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन, अमृत अभिजात ने कहा कि यह नियमावली पर्यटन विभाग में एक समन्वित, सक्षम व आधुनिक सेवा संरचना सुनिश्चित करेगी। राज्य सरकार का मानना है कि इन सुधारों से प्रदेश में पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी और प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी।

तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, मराठी और बंगाली सीखने का खर्च उठाएगी सरकार : योगी

मुख्यमंत्री ने नमो घाट पर काशी तमिल संगमम् के उद्घाटन पर की घोषणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : काशी और तमिलनाडु के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण की मंगलवार को वाराणसी स्थित नमो घाट पर रंगारंग शुरुआत हुई। इस अवसपर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलान किया कि तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, मराठी और बंगाली सीखने वालों का खर्च सरकार उठाएगी।

कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलासनाथन, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत तमिलनाडु से आए प्रतिनिधिमंडल, विद्वानों, कलाकारों और स्थानीय युवाओं ने लिया हिस्सा। अतिथियों ने शुभारंभ के दौरान कार्यक्रम से संबंधित पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को सम्मानित किया। कार्यक्रम स्थल पर काशी और तमिलनाडु के पारंपरिक कलाकारों की संयुक्त प्रस्तुति ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

वाराणसी : काशी तमिल संगमम् कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलासनाथन, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

मुख्यमंत्री योगी की तरफ दौड़ा युवक सुरक्षाकर्मियों ने दबोचा

वाराणसी, अमृत विचार : नमो घाट पर मंगलवार को काशी तमिल संगमम कार्यक्रम के दौरान एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे, इसी दौरान अचानक एक युवक सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच तक पहुंच गया। सतर्क कमांडो ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। एसीपी विदूष सक्सेना के अनुसार युवक का नाम जोगिंदर गुप्ता है, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती और वह शराब के नशे में था। परिवार ने भी उसकी मानसिक बीमारी की पुष्टि की है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है कि वह सुरक्षा घेरा कैसे पार कर सका।

दुष्कर्म मामले में आईआईटी-जोधपुर के प्रोफेसर को 10 साल की सजा

नोएडा, एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर जिले के अपर सत्र न्यायाधीश एवं त्वरित न्यायालय द्वितीय की अदालत ने दुष्कर्म के एक मामले में आईआईटी-जोधपुर के सहायक प्रोफेसर को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की सजा सुनाई है।

अदालत ने उसके ऊपर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह मामला जून 2019 का है। पुलिस के मुताबिक आरोपी विवेक विजयवर्गीय राजस्थान के कोटा का रहने वाला है और वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-जोधपुर में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात था। पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि आरोपी विवेक ने उसे नौकरी का झांसा देकर नोएडा के एक गेस्ट हाउस में उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के अनुसार उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

● **नोएडा का मामला, कोटा का रहने वाला है आरोपी विवेक**

विवेक विजयवर्गीय को वह वर्ष 2000 से जानती थी। वर्ष 2011 में पीड़िता ने विजयवर्गीय के साथ आईआईटी-जोधपुर में लगभग तीन महीने तक साथ में काम किया था। पीड़िता के अनुसार पांच जून 2019 की शाम को विवेक ने उसे फोन करके बताया कि वह किसी काम से नोएडा आया हुआ है और उसे नौकरी पर चर्चा करने के लिए एक कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया तथा उसके खिलाफ 25 सितंबर 2019 को पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं त्वरित न्यायालय द्वितीय की अदालत में चल रही थी। अदालत ने दोनों पक्षों के वकीलों की जिरह सुनने के बाद सोमवार की शाम को आरोपी विजय को दोषी करार देते हुए उसे 10 वर्ष के कारावास और 20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

कंटेनर ने बाइक और पिकअप को रौंदा, तीन युवकों की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: जनपद बिजनौर के शेरकोट क्षेत्र में मंगलवार सुबह नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक और पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार और पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई। कंटेनर दोनों वाहनों को करीब 30 मीटर तक घसीटता ले गया।

नेशनल हाईवे पर रामगंगा पुल की मरम्मत की जा रही है, जिसके कारण हाईवे को वनवे किया गया है। सभी वाहन एक ही लेन में आ-जा रहे हैं। ऐसे में तेज रफ्तार कंटेनर ने सामने से आ रही बाइक और पिकअप को चपेट में ले लिया। कंटेनर की टक्कर से पिकअप हाईवे पर पलटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हाईवे किनारे लगी रेलिंग भी टूट गई। हादसे में बाइक सवार रंजीत पुत्र रामशंकर और आदित्य उर्फ लाला पुत्र भैया लाल निवासी बिछवी गांव, लखीमपुर खीरी की मौत हो गई। पिकअप चला रहे फिरोज पुत्र मोहम्मद उमर, निवासी नई बस्ती जसपुर की भी मौके पर ही जान चली गई।

अयोध्या में बनेगा सांस्कृतिक संग्रहालय

लखनऊ, अमृत विचार: यूपी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट ने अयोध्या में 52 एकड़ में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय बनाने की मंजूरी दी है। इससे अयोध्या में सांस्कृतिक आकर्षण और बढ़ेगा।

कैबिनेट ने टाटा संस के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय का दायरा बड़ा कर दिया है। कैबिनेट में हुई चर्चा और उसके आधार पर लिए गए निर्णय के बारे में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जानकारी दी।

हेली सेवा से भी होंगे पूर्णागिरि धाम के दर्शन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : देश के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में तीर्थयात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और तीव्र परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 165/2023 के अंतर्गत चूका क्षेत्र में प्रस्तावित हेलीपैड निर्माण परियोजना को अब आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 187.95 लाख (एक करोड़ सतासी लाख पिच्यानबे हजार रुपए) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मंजूर की गई है।

हेलीपैड निर्माण के लिए इस चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रथम किस्त के रूप में 60% अर्थात 112.77 लाख (एक करोड़ बारह लाख सतहत्तर हजार रुपये) जारी करने की अनुमति दी गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार हेलीपैड निर्माण की स्वीकृति के साथ अब पूर्णागिरि धाम में हेली सेवा शुरू होने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। यह सुविधा पूर्णागिरि यात्रा को सालभर संचालित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम पर निर्भर रहने वाली यात्रा में अब सुरक्षित, तीव्र और आधुनिक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

इस हेलीपैड के निर्माण से चूका एवं पूर्णागिरि घाटी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

बनभूलपुरा रेलवे अतिक्रमण की सुनवाई टली

संवाददाता, हल्द्वानी/ नई दिल्ली

● **सुप्रीम कोर्ट अब 10 दिसंबर को मामले में करेगा सुनवाई**

अमृत विचार: हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के बहुचर्चित प्रकरण में मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई नहीं हो पायी। अब इस प्रकरण में आगामी 10 दिसंबर की तिथि को सुनवाई के लिए अधिसूचित किया गया है। माना जा रहा है कि इस तिथि को निर्णायक फैसला आ सकता है।

गौरतलब है कि, वर्ष 2023 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रेलवे की भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इस आदेश को हल्द्वानी निवासी अब्दुल मतीन सिद्दीकी समेत अन्य लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मंगलवार को इस प्रकरण में अंतिम सुनवाई होनी सुनिश्चित थी लेकिन यह प्रकरण निर्धारित समय तक सुनवाई के लिए नहीं आ पाया। रेलवे की ओर से हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमित भूमि पर 4365 घरों को चिह्नित किया गया है। उसका कहना है कि उसे रेल सेवा के विस्तार के लिए 30 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है और भूमि नहीं मिलने से रेल सेवाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है। उधर, शीर्ष कोर्ट में निर्णायक सुनवाई को देखते हुए हल्द्वानी में पुलिस-प्रशासन द्वारा दो दिन से अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गयी और बनभूलपुरा क्षेत्र को सुरक्षा के लिहाज से छावनी में बदल दिया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरी नजर रही। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के अनुसार, कानून और शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए गए हैं।

दिनभर रही गहमागहमी सुनवाई टलने से असमंजस बरकरार

हल्द्वानी, अमृत विचार : बनभूलपुरा रेलवे जमीन अतिक्रमण प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। शीर्ष अदालत में अब इस प्रकरण में दस दिसंबर को सुनवाई होगी। फिलहाल तब तक के लिए अतिक्रमण की जद में आ रहे लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की खंडपीठ में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण को लेकर सुनवाई होनी थी। इस भूमि पर 4,365 भवन बने हैं जिनमें पांच हजार से अधिक परिवार रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर बनभूलपुरा में दिन भर गहमागहमी का माहौल रहा। आम दिनों की तरह ही मंगलवार को भी बनभूलपुरा में दुकानें, होटल, रेस्टोरेंट वगैरह खुले और आवाजाही रही।

कल्कि महोत्सव | जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने ऐंचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि कथा के दौरान किया उद्घोष

बैसाख शुक्ल द्वादशी को होगा श्री कल्कि का जन्म

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: श्री कल्कि धाम ऐंचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि कथा के दूसरे दिन जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने श्री कल्कि भगवान की जन्म की तिथि का शास्त्रीय उद्घोष करते हुए कहा कि बैसाख शुक्ल द्वादशी को भगवान श्री कल्कि का जन्म होगा। कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इसे मान्यता देते हुए रामभद्राचार्य महाराज द्वारा उद्घोषित तिथि को ही श्री कल्कि धाम में भगवान श्री कल्कि जन्मोत्सव मनाने की घोषणा की।

कल्कि धाम में कल्कि महोत्सव के बीच श्री कल्कि कथा का दूसरा दिवस भक्ति, आध्यात्म और दिव्य अनुष्ठानों से सराबोर रहा। प्रातःकाल श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मुख्य यजमान के रूप में महायज्ञ में आहुति देकर दिवस का शुभारंभ किया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यज्ञ का महत्व बताते हुए हर घर में यज्ञ के आयोजन की बात कही।

विश्व जागृति मिशन के परमाध्यक्ष स्वामी सुधांशु जी महाराज और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान भी श्री कल्कि धाम पहुंचे। अपराह्न 1 बजे श्री कल्कि कथा वाचन करते स्वामी रामभद्राचार्य।

कथा का शुभारंभ स्वामी रामभद्राचार्य के व्यास पीठ पर विराजमान होने के बाद हुआ। मंगलवार को श्री कल्कि जन्म की कथा सुनाते हुए स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि भगवान श्री कल्कि के अवतरित होते ही कलियुग उल्टे पांव भाग जायेगा यानि कलियुग का अंत हो जायेगा। उन्होंने जन्म के की तिथि का शास्त्रीय उद्घोष करते हुए कहा कि भगवान श्री कल्कि का जन्म बैसाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी को होगा, जो कि पूर्णतः शास्त्रसम्मत तिथि है। उन्होंने बताया कि श्री कल्कि अवतार का उल्लेख वेदों, पुराणों और अनेक धर्मग्रंथों में मिलता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि रामभद्राचार्य के कथन के आधार पर अब से श्री कल्कि धाम में भगवान श्री कल्कि जन्मोत्सव बैसाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि को ही मनाया जाएगा।

लोन दिलाने के नाम पर सात लाख की धोखाधड़ी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिसौली क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती निवासी लल्ला बाबू ने साइबर थाने पर तहरीर देकर बताया कि 14 फरवरी 2025 को उनके मोबाइल नंबर पर फोन आया।

सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि वह फ्यूचर कैपिटल फाइनेंस कंपनी दिल्ली से बोल रहा है। लोन लेना चाहते हो क्या, उनका 28 लाख रुपये तक का लोन हो सकता है। लोन के लिए फाइल चार्ज पहले देना होगा। लल्ला बाबू ने हामी भर दी। फिर उसने कहा कि बीमा के रुपये भी देने होंगे। पूछने पर उसने अपना नाम ओमप्रकाश भद्र बताया। उसने बताया कि उसकी कंपनी को गूगल पर भी सर्च किया जा सकता है। लल्ला बाबू ने गूगल पर चेक किया। जिसमें कंपनी का नाम दिख रहा था। कुछ समय के बाद उनके पास फोन आया। सामने वाले ने खुद को कंपनी का हेड बताया। उसने लोन के फाइल चार्ज के नाम पर 14 हजार रुपये ले लिए। उसकी बताई मेल पर डॉक्यूमेंट भेजे। जिसके बाद 20 फरवरी से लेकर 24 जून तक कई बार में 7 लाख 748 रुपये भेज दिए।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

सेनानियों ने बरेली की नींव खून-पसीने से सींची तो जनप्रतिनिधियों ने समृद्ध बनाने को किए कार्य

राममूर्ति ने हमेशा आम जनता को समृद्ध करने को अपना पहला कर्तव्य समझा

बरेली को 'समृद्ध बरेली' बनाने की दिशा में देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने भी बड़ा योगदान दिया है। 15 अगस्त, 1947 की बेला पर तिरंगा लहराने वाले दीवानों ने भारत माता को अंग्रेजी बेड़ियों से आजादी दिलाने के बाद बरेली की नींव को मजबूत करने का काम किया। बरेली के ऐसे 20 से अधिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने लोकसभा, विधानसभा, नगर पालिका परिषद में बतौर सदस्य रहकर बरेली को समृद्ध बनाने के लिए खून पसीना बहाया। इनके साथ कई ऐसे परिवार भी हैं, जिनके घरों के सपूतों ने युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए राजनीति का चोला ओढ़कर रोजगार, उद्योग धंधे की नींव को मजबूत किया। 1952 में बरेली के पहले सांसद सतीश चंद्र बने थे। इनके बाद बरेली को संवारने में राजनेताओं में सबसे बड़ा नाम संतोष गंगवार का आता है। आठ बार सांसद रहने के दौरान उन्होंने बरेली को छोटे से बड़ा आकार लेते देखा और समृद्ध बनाने में अहम योगदान दिया। राजवीर सिंह, कुंवर सर्वराज सिंह, दिनेश जौहरी, धर्मदत्त वैद्य और राममूर्ति कई ऐसे चर्चित चेहरे हैं, जिन्होंने बरेली को आगे बढ़ाया है। राजनीति में साबिर परिवार की तीसरी पीढ़ी काम कर रही है। अमृत विचार के छठें स्थापना दिवस के मौके पर हम आपको उन राजनेताओं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से रूबरू करा रहे हैं, जो बरेली को सशक्त बरेली बनाकर यहां तक लेकर आए हैं। आईए जानें उनके बारे में...

20 वर्ष की उम्र में पहली बार देश के लिए जेल गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राममूर्ति का बरेली को समृद्ध बनाने में काफी योगदान रहा है। 1941 में बरेली के बहरपुरा में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू कर राममूर्ति देश को आजादी दिलाने के आंदोलन में कूदे थे। राममूर्ति ऐसे शख्सियत थे कि अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण के समय 1946 में जनता ने उन्हें भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनाया। इसके बाद 1968 तक लगातार विधानसभा में अपने क्षेत्र की नुमाइंदगी करते रहे और 1974 में फिर विधानसभा सदस्य चुने गए थे। उन्होंने आचार्य बिनोवा भावे के भूमि दान कार्यक्रम का समर्थन करते हुए अपनी 30 एकड़ कृषि भूमि अनुदान में दान कर दी थी। उन्होंने 19 वर्षों तक मंत्री रहकर बरेलीवासियों की सेवा की। स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति का जन्म 8 फरवरी 1910 में बरेली स्थित गांव धौरा में जमींदार साहू ठाकुर दास के यहां हुआ था। घर में सबसे छोटे राम मूर्ति की प्रारंभिक शिक्षा बरेली में ही हुई। जबकि उन्होंने स्नातक की शिक्षा वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। राममूर्ति ने परास्नातक की शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से हासिल की।

स्नातक की शिक्षा के दौरान वाराणसी में राममूर्ति, महामना मदन मोहन मालवीय के संपर्क में आए। मालवीय जी ने उन्हें बालंटियर बनाकर इलाहाबाद कुंभ में सेवा के लिए भेजा। विश्वविद्यालय परिसर के स्वच्छता की जिम्मेदारी भी दी। इन कामों को जिम्मेदारी से करने से राममूर्ति मालवीय जी के काफी करीब आ गए और स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय भागीदारी करने लगे। मालवीय जी के निर्देश पर वह वर्ष 1930 में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन में शामिल होने मुंबई (तत्कालीन बंबई) गए थे। वहां से वापस लौटते समय हमीरपुर में उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। मात्र 20 वर्ष की उम्र में देश की आजादी के लिए राममूर्ति पहली बार गिरफ्तार हुए थे। महात्मा गांधी से प्रभावित राममूर्ति ने उनके सभी आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मार्च 1932 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान उन्हें गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी विचित्र नारायण शर्मा के साथ अंग्रेजों ने फिर गिरफ्तार किया था। राममूर्ति ने 1941 में बरेली के बहरपुरा में व्यक्तिगत सत्याग्रह किया। पिता की इच्छा का पालन करते हुए वे हाथी पर बैठकर सत्याग्रह में शामिल हुए। सात जनवरी 1941 को हाथी पर बैठकर वह जुलूस के साथ थाने पहुंचे और वहां अपनी गिरफ्तारी दी।

गांधी जी के आह्वान पर 1942 में शुरू होने वाले भारत छोड़ो आंदोलन से पहले ही अंग्रेजों ने राममूर्ति को गिरफ्तार लिया था। हर बार की तरह इस बार भी उन्हें दो वर्ष से ज्यादा जेल में बिताने पड़े। मधुर और मिलनसार स्वभाव के राममूर्ति को पं. गोविंद बल्लभ पंत, डॉ. संपूर्णानंद, सीबीगुप्ता और सुचेता कृपलानी ने मंत्री बनाकर अपने मंत्रिमंडल में स्थान दिया। राममूर्ति अपनी ही सरकार के अत्याचार का विरोध करने से पीछे नहीं रहे थे। इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। बरेली में कचहरी पर सत्याग्रह किया, जहां सरकार के निर्देश पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने हमेशा आम जनता को समृद्ध करने को अपना पहला कर्तव्य समझा और उनके हितों को प्राथमिकता दी। राममूर्ति ने स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाने वाली पेंशन लेने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनका मानना था कि मातृभूमि के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, वह देशभक्ति के लिए था, न कि भौतिक लाभ के लिए। राममूर्ति ने 2 अक्टूबर 1988 को बैकुंठ धाम के लिए महाप्रयाण किया था। उनकी विरासत को अब उनके पुत्र देवमूर्ति सींच रहे हैं। देवमूर्ति ने अपने पिता राममूर्ति के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनवाया और चिकित्सा जगत में विशेष पहचान बनाई है।

पांचवें राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद पत्नी आबिदा ने दो बार संसद में बरेली का नेतृत्व किया

भारत के पांचवें पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की पत्नी बेगम आबदा ने संसद में दो बार बरेली का नेतृत्व किया। बरेली संसदीय क्षेत्र से वह दो बार सांसद चुनी गईं। आबिदा बेगम राजनीति में अलग शैली के लिए जानी जाती थीं। वर्ष 1984 के चुनाव से पहले इंदिरा गांधी उनके समर्थन में रैली करने के लिए नवाबगंज आई थीं। रामलीला मैदान में बनाए गए जनसभा स्थल पर दोनों हेलिकॉप्टर से एक साथ पहुंची थीं। अलग-अलग पार्टी होने के बावजूद वह भगवत सरन गंगवार के घर खाना खाने भी गई थीं। इंदिरा गांधी की इतनी करीबी थीं कि संसदीय क्षेत्र से संबंधित जनसमस्याओं को लेकर वह सीधे इंदिरा गांधी को फोन लगवा देती थीं। 1981 में उन्होंने यहां से पहला चुनाव जीता। बाहरी प्रत्याशी होने के बावजूद जनता ने वर्ष 1984 के चुनाव में दूसरी बार भी उन्हें चुनकर संसद पहुंचाया था। वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में आबिदा बेगम को संतोष गंगवार से हार का सामना करना पड़ा था।

बरेली की पृष्ठभूमि सेनानियों राजनेताओं से भरी पड़ी

जिला प्रशासन के सरकारी आंकड़ों की बात करें तो उनके रिकार्ड में जनपदभर के 398 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का इतिहास दर्ज है। रिकार्ड देखने पर इन्हीं में से 20 से अधिक ऐसे सेनानियों की गाथा सामने आई, जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा का सदस्य, जिला परिषद और नगर पालिका बरेली के चेयरमैन और सदस्य के रूप में भी लंबे समय तक कार्य कर बरेली को समृद्धि की ओर से ले जाने का काम किया। गौर करने की वाली बात यह है कि बरेली की पृष्ठभूमि सेनानियों और राजनेताओं से भरी पड़ी है।

आजादी में अहम भूमिका निभाने के साथ पालिका के अंग बन बरेली संवारी

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे आजमनगर निवासी अब्दुल रऊफ ने बरेली नगर पालिका के अध्यक्ष रहकर बरेली शहर को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कुछ दिनों के लिए नजरबंद रहने वाले अब्दुल उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। बताते हैं कि अब्दुल वाजिद आनरेरी मजिस्ट्रेट का पद त्यागकर कांग्रेस में शामिल हुए थे और 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया और एक वर्ष जेल में रहे। सेंट्रल असेंबली के सदस्य रहने के साथ बरेली नगर पालिका के अध्यक्ष भी रहे। वहीं, कूंचा रतनगंज निवासी गोपीनाथ साहू पुत्र कंटी लाल ने आजादी की अलख जगाने को जेल भी काटी। 1930 और 1940 में छह और नौ माह की सजा हुई। वह नगर पालिका बरेली के सदस्य रहे और जिला व कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष भी रहे थे। बमनपुरी निवासी जियाराम सक्सेना अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहने के साथ नगर पालिका बरेली के चेयरमैन भी रहे।

अटल, आडवाणी व कल्याण सिंह के चहेते राजवीर सिंह ने बरेली का डंका देशभर में बजाया

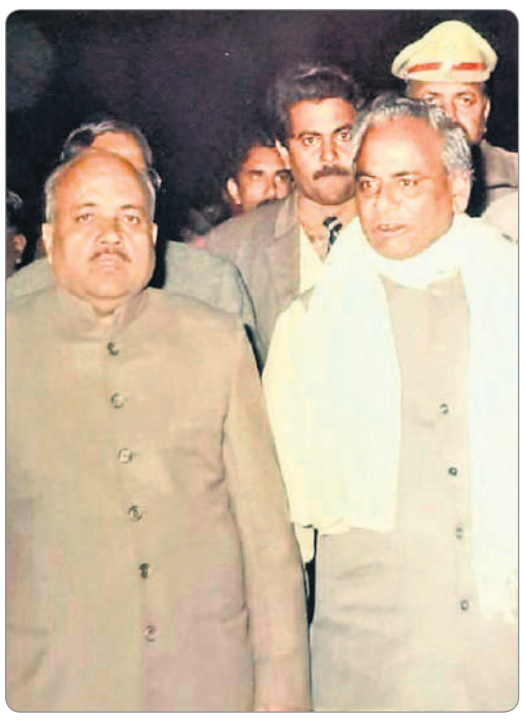

बरेली, अमृत विचार : आंवला के पूर्व सांसद राजवीर सिंह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन भारतीय राजनीति में उनका नाम सदैव ऊंचा रहेगा। वह एक वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वे तीन बार (1989, 1991 और 1998) आंवला लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद रहे। जनसंघ से लेकर भाजपा तक में सांगठनिक भूमिकाएं निभाने वाले राजवीर सिंह भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेहद करीबी सहयोगी थे। उन्होंने वरिष्ठ पदों पर रहकर बरेली को पहचान दिलाई और संसद में प्रमुखता से बरेली के विकास को आवाज उठाई। 1998 में लोकसभा के विघटन के बाद 1999 में एक बार फिर से सांसद बने थे। 2004 में वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। कल्याण सिंह और रामवती देवी के घर जन्मे राजवीर सिंह स्नातक थे। वह जनसंघ के सचिव, जनता पार्टी के महासचिव, उत्तर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष और एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने किसानों की आवाज देशभर में बुलंद की। राजवीर सिंह की गिनती रुहेलखंड के जमीनी पकड़ रखने वाले नेता के रूप होती है। उन्हें हमेशा समाजसेवा और मूल्यों पर आधारित राजनीति के लिए याद किया जाएगा। उनके बेटे धीरेंद्र सिंह अब राजनीतिक विरासत संभाले हुए हैं। 15 मार्च 1959 को अलीगढ़ में पैदा हुए राजवीर सिंह का 29 दिसंबर 2021 को निधन हो गया।

कैंट सीट से एक परिवार की तीन पीढ़ियां विधायक बनीं

साबिर परिवार का बरेली में विकास की रफ्तार बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा है। कैंट विधानसभा, जहां से एक परिवार की तीन पीढ़ियां ना केवल विधायक बनीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में अपना नया मुकाम भी हासिल किया। कैंट विधानसभा की राजनीति से ताल्लुक रखने वाला साबिर परिवार की तीन पीढ़ियों ने विधायकी के रूप में जनता के दिलों पर राज किया। सबसे पहले साबिर परिवार के मुखिया अशफाक अहमद विधायक बने, उसके बाद उनके बेटे इस्लाम साबिर विधायक बने, अब इस्लाम साबिर के बेटे शहजिल इस्लाम वर्तमान में भोजीपुरा सीट से विधायक हैं। साबिर परिवार की राजनीतिक विरासत की बात करें तो कैंट विधानसभा सीट पर साबिर परिवार के मुखिया अशफाक अहमद ने कांग्रेस उम्मीदवार बनकर 1969, 1977, 1980 और 1996 में लगातार चार बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया था। इसके बाद अशफाक के बेटे इस्लाम साबिर ने वर्ष 1991 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और विधायक बने थे। 2002 के विधानसभा चुनाव की बात है, इस्लाम साबिर ने सपा प्रत्याशी के रूप में कैंट सीट पर अपना नामांकन दाखिल किया, तब तक शहजिल को राजनीति में कोई दूर-दूर तक नहीं जानता था। साबिर का पर्चा खारिज हो गया तो उन्होंने अपनी राजनीतिक विरासत बेटे शहजिल को सौंपने का ऐलान कर दिया, तब लोगों को पता लगा कि शहजिल का नामांकन पहले ही हो गया था। सपा ने निर्दलीय होने के बाद भी शहजिल को समर्थन दिया और वह पहला चुनाव जीतकर विधायक बने। हालांकि, उस दौरान उनकी उम्र को लेकर भी सवाल उठे थे। वह उस वक्त सबसे कम उम्र में विधायक बने थे। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में शहजिल इस्लाम को सपा ने टिकट नहीं दिया तो वह बसपा में शामिल हो गए। बसपा ने उन्हें कैंट से नहीं, विधानसभा भोजीपुरा से चुनाव लड़ाया। वह दूसरी बार जीतकर विधायक बने। उस समय मुख्यमंत्री मायावती ने शहजिल को मुस्लिम वक्फ का राज्य मंत्री बनाया था। 2012 के चुनाव में शहजिल को बसपा ने प्रत्याशी नहीं बनाया तो उन्होंने मौलाना तौकीर रजा खां का दामन थाम लिया और उनकी पार्टी- इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल से भोजीपुरा सीट पर चुनाव मैदान में उतर गए। समीकरण ऐसे बने कि वह तीसरी बार जीतकर विधानसभा पहुंच गए, मगर उसके कुछ समय बाद मौलाना तौकीर रजा खां का साथ छोड़ दिया और समावादी पार्टी में शामिल हो गए थे।

पाकिस्तान जाकर शरणार्थियों को लाने वाले धर्मदत्त वैद्य ने कई बार मंत्री बन बरेली के लिए काम किया

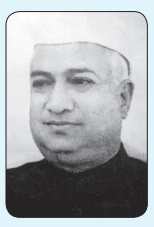

पीलीभीत रोड स्थित ब्रह्मकुटी निवासी धर्मदत्त वैद्य पुत्र पंडित शिव दयाल ने बरेली के लिए काफी कुछ किया। 1929 में कांग्रेस का दामन पकड़ राजनीति में पर्दापण करने वाले धर्मदत्त भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तर प्रदेश और जिला बोर्ड बरेली के पदाधिकारी रहे। नगर कांग्रेस कमेटी में बरेली अध्यक्ष रहे। 1952 से लेकर 1967 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। 1969 में पुन: विधानसभा सदस्य रहे। 1960 से 1962 तक उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री परिषद के सदस्य रहे और 1970 में भी उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री रहे थे। भारत को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। नौजवान भारत सभा पंजाब के कई वर्षों तक सदस्य रहने के साथ 1937 में रियासत पटौदी में प्रज्ञा परिषद का संगठन कर एक आंदोलन आरंभ किया था। 1942 में रुहेलखंड और कुमाऊं में आंदोलन संगठित करने के लिए प्रवेश द्वारा आर्गनाइजर नियुक्त किए गए थे। 1947 में पाकिस्तान जाकर शरणार्थियों का भारत में वापस लाने के सिलसिले में लायलपुर में कुछ समय तक नजरबंद किए गए। वर्तमान में धर्मदत्त की विरासत डॉ अनुपम शर्मा संभाले हुए हैं।

डॉ जौहरी ऐसी शख्सियत थे कि भाजपा को सिंबल बांटने के बाद टिकट बदलना पड़ा

बरेली शहर को विकास की रफ्तार देने में एक नाम डॉ दिनेश जौहरी का भी है। डॉ. जौहरी बरेली शहर विधानसभा सीट से लगातार तीन बार विधायक रहे। कल्याण सिंह सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। शहर विधानसभा सीट से 1985 में डॉ. दिनेश जौहरी जब पहली बार विधायक चुने गए थे, तब प्रदेश में भाजपा के सिर्फ 14 विधायक थे। डॉ. जौहरी भाजपा के पहले शहर अध्यक्ष (अब महानगर) रहे थे। डॉ जौहरी ऐसी शख्सियत थे कि अकेले स्कूटर से जाकर नामांकन कराया और फिर भाजपा को टिकट बदलना पड़ा। बताते हैं कि 1985 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने राजकुमार अग्रवाल का टिकट तय फाइनल किया था। इसी बीच डॉ. दिनेश जौहरी भी नामांकन दाखिल कर आए। जबकि पार्टी का सिंबल राजकुमार अग्रवाल के पास था और वह कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन करने गए थे। बताते हैं कि डॉ. दिनेश जौहरी अकेले स्कूटर से नामांकन कर आए थे। इसके बाद पार्टी संगठन ने बैठक कर तय किया कि शहर विधानसभा से डॉ. दिनेश जौहरी चुनाव लड़ेंगे। खुद राजकुमार अग्रवाल ने भी सहमति दी थी और अपना नामांकन वापस लिया था। इसके बाद राजकुमार अग्रवाल ने डॉ. दिनेश जौहरी को तिलक लगाकर समर्थन दिया था। इस तरह 1985 में चुनाव जीतकर वह पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 1989 में दूसरी बार और 1991 में जीत की हैट्रिक लगाई थी।

सेठ दामोदर स्वरूप बरेली में क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र थे

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दामोदर स्वरूप सेठ पुत्र बहादुर लाल सेठ निवासी बिहारीपुर ने आजादी के बिगुल को बरेली में जमकर फूंका था। 1946 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहने के बाद भारतीय सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। वह कांग्रेस पार्टी के टिकट पर संयुक्त प्रांत से विधानसभा के लिए चुने गए थे। विधानसभा में उनके हस्तक्षेप मौलिक अधिकारों और एक नई संविधान सभा की आवश्यकता पर केंद्रित थे। वह अंतरित संसद के सदस्य रहे। उन्होंने बरेली ही नहीं, बल्कि रोहिलखंड मंडल में 20 वीं सदी की क्रांति का अहम किरदार निभाया। सरदार भगत सिंह के युग तक सक्रिय रहने वाले क्रांतिकारी सेठ दामोदर स्वरूप बरेली में क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र थे।

कोई विधायक तो कोई जिला परिषद का अध्यक्ष बन बरेली के लिए जिया

देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाने के साथ बमनपुरी निवासी नौरंगलाल पुत्र शंकर लाल ने 1962 से लेकर 1967 तक विधायक रहकर विधानसभा में बरेली की आवाज बुलंद की थी। सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने पर उन्हें छह माह कैद हुई थी। भारत छोड़ो आंदोलन में 9 अगस्त 1942 में जेल गए और 1944 से सेंट्रल जेल बरेली से छूटे थे। जिला भ्रष्टाचार निरोधक समिति के अध्यक्ष रहे। वहीं, भुता थाना क्षेत्र के बुधौली निवासी पृथ्वी राज सिंह डिप्टी कलेक्टर का पद त्यागकर आजादी की लड़ाई में कूदे थे। 19 वर्षों तक जिला कांग्रेस कमेटी बरेली के अध्यक्ष रहे। 1937 में विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। रामबाग निवासी प्रताप चंद्र आजाद पुत्र रंगीलाल सिन्हा 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में जेल गए।

1947 में उत्तर प्रदेश छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए और फिर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बने और इसके बाद जिला परिषद बरेली के अध्यक्ष। उन्होंने बरेली के लिए काफी कुछ किया। वहीं, कूचा सीताराम निवासी ब्रज मोहन लाल शास्त्री पुत्र भजन लाल ने आजादी की अलख जगाने के साथ नगर और जिला परिषद के अध्यक्ष रहकर सामाजिक कार्य किए। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहकर बरेली की आवाज उठाई। असहयोग आंदोलन में पढ़ाई छोड़ने वाले ब्रज मोहन को 1930 में आईपीसी की धारा 124 में दो वर्ष की सजा हुई थी। ग्राम चठिया निवासी बाबूराम पुत्र भोलानाथ आजादी मिलने के बाद 1957 में विधानसभा सदस्य चुने गए थे। बुधौली निवासी मोती सिंह वकील बरेली जिला बोर्ड के चेयरमैन रहे थे। नवाबगंज तहसील के बीजामऊ निवासी शिवराज बहादुर पुत्र मुंशी हजारी लाल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य रहकर बरेली को आगे बढ़ाया।

शिक्षामंत्री बन नवल किशोर ने शिक्षा तो दरबारी लाल ने चिकित्सा क्षेत्र में प्रदेश को आगे बढ़ाया

बारादरी थाना क्षेत्र के जगतपुर निवासी दरबारी लाल शर्मा ने बरेली का डंका पूरे भारत में चिकित्सा क्षेत्र में लहराया।1930 के आंदोलन में एक वर्ष कैद काटने वाले दरबारी लाल शर्मा इंडियन मेडिकल बोर्ड के सदस्य रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहने के साथ जिला परिषद के अध्यक्ष भी बने। वहीं उनकी कुसुम कुमारी जिला परिषद बरेली की सदस्या रहीं। वहीं, आंवला निवासी नवल किशोर पुत्र रघुवर दयाल ने 1941-42 के व्यक्तिगत सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। जिला बोर्ड बरेली के सदस्य और बोर्ड की जिला समिति के चेयरमैन रहे। 1948-1949 में रामपुर से विधानसभा के सदस्य रहे थे। 1955 से लेकर 1960 तक विधानसभा की प्रक्कलन समिति के सभापति रहे। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस लेजिसलेचर पार्टी के सचिव और यूनिवर्सिटी एजुकेशन कमेटी के वाइस चेयरमैन रहे। 1959 में भारत के प्रतिनिधि के रूप में कामनवेल्थ एसोसिएशन कान्फ्रेंस कैनवेरा (आस्ट्रेलिया) गए। 1961 में गृह तथा कृषि विभाग के उप मंत्री नियुक्त हुए थे। उत्तर प्रदेश सरकार में शिक्षामंत्री भी रहे।

बरेली के पहले सांसद सतीश चंद्र ने संविधान के निर्माण में निभाई थी अहम भूमिका

देश के संविधान के निर्माण में बरेली की भी भागीदारी रही है। संविधान के निर्माण के लिए देश भर से चुने गए 389 सदस्यों में से बरेली के दो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी रहे। इसमें एक थे सतीश चंद्र। सतीश चंद्र ने आजादी मिलने के बाद कई मंत्रालयों में डिप्टी मिनिस्टर रहकर बरेली का प्रतिनिधित्व किया। शहर के आलमगिरीगंज निवासी सतीश चंद्र देश को आजादी दिलाने के आंदोलन में तीन बार जेल में सलाखों के पीछे गए। दो साल तक भारतीय संविधान सभा के सदस्य रहे।

संविधान की स्वीकृति के बाद वर्ष 1950 से 1952 तक देश की अंतरिम संसद के सदस्य रहे। उसी समय इनकी योग्यता, कार्यक्षमता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1951 में इन्हें अपना संसदीय सचिव नियुक्त किया था। वर्ष 1952 में वह बरेली के पहले सांसद बने थे। इसके बाद अगले ही चुनाव में फिर सांसद चुने गए। तीसरी बार 1971 में सांसद चुने गए। इस दौरान वह कई मंत्रालयों में डिप्टी मिनिस्टर यानी उपमंत्री भी रहे थे। पंडित नेहरू के अलावा वह पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी के करीबियों में गिने जाते थे। जानकार बताते हैं कि बरेली संसदीय क्षेत्र की शुरुआत 1952 में सिर्फ तीन लाख 41 हजार वोटरों के साथ हुई थी, जो अब 18 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। आजादी के बाद 1952 में देश के पहले आम चुनाव में बरेली संसदीय क्षेत्र की पहचान बरेली साउथ सीट के नाम से थी। आंवला और बहेड़ी भी इसी संसदीय क्षेत्र में शामिल होने के बावजूद मतदाताओं की संख्या तीन लाख 41 हजार 976 थी। चुनाव में 1,29,142 लोगों ने ही मतदान किया था। 66,740 वोट पाकर सतीश चंद्र पहले सांसद चुने गए थे।

1957 में चार लाख तीन हजार 446 मतदाता हो गए। इस चुनाव में एक लाख 86 हजार 971 वोट पड़े। सतीश चंद्र 94727 वोट पाकर दूसरी बार संसद पहुंचे। परिसीमन के बाद 1967 में भारी वृद्धि के साथ मतदाता संख्या पांच लाख 13 हजार 149 पर पहुंच गई। चुनाव में दो लाख 82 हजार 35 वोट पड़े, जिनमें से एक लाख 12 हजार 698 वोट पाकर बीबी लाल सांसद बने थे। पांचवीं लोकसभा के लिए 1971 में हुए चुनाव में पांच लाख 49 हजार 804 वोटर थे। इसमें से दो लाख 33 हजार 418 वोट पड़े और एक लाख 15 हजार 495 वोट पाकर सतीश चंद्र तीसरी बार संसद पहुंचे थे। अब उनके बेटे सिविल लाइंस में आवास विकास कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं।

प्रस्तुति : राकेश शर्मा

अमृत विचार

बुधवार, 3 दिसंबर 2025

अपनी मुस्कान से दुनिया बदल दो। दुनिया को अपनी मुस्कान कभी मत बदलने दो।

–श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

सामयिक चेतावनी

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जैविक खतरों से निपटने के लिए आधुनिक, मजबूत और समावेशी वैश्विक फ्रेमवर्क तैयार करने की अपील एक उभरते वैश्विक संकट की सामयिक चेतावनी है। कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखा दिया कि बीमारियां अब भूगोल नहीं पहचानतीं और संक्रमण की रफ्तार और प्रभाव किसी मिसाइल से कम विनाशकारी नहीं होती। कोई भी दुश्मन देश इस तरह के रोगजनक वायरस, बैक्टीरिया से हमला कर कभी भी तबाही मचा सकता है। ऐसे में जैव-सुरक्षा को लेकर वैश्विक तैयारी, सहयोग और नियंत्रण तंत्र को मजबूत करना समय की अनिवार्यता है। जयशंकर का कहना कि जब तक जैव-सुरक्षा असमान रहेगी, वैश्विक सुरक्षा भी असमान और कमजोर रहेगी, इस वास्तविकता की ओर संकेत करता है कि यदि किसी क्षेत्र में महामारी का विस्फोट होता है और वहां की स्वास्थ्य प्रणाली नाकाम रहती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैल सकता है।

समृद्ध देशों की उन्नत चिकित्सा प्रणाली भी तब तक सुरक्षित नहीं रह सकती जब तक बाकी दुनिया सुरक्षित न हो। यही कारण है कि ग्लोबल साउथ की कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं और वैक्सीन तक असमान पहुंच आज विश्व-व्यापी जोखिम है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया के कई देशों में निगरानी, जांच प्रणाली ध्वस्त है। सक्षम लैब, आइसोलेशन और उपचार की क्षमता कम है और दवाओं-वैक्सीन की आपूर्ति राजनीतिक-आर्थिक कारणों से बाधित रहती है। इन स्थितियों में किसी जैविक हथियार का हमला किसी एक देश की सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता को जोखिम में डाल सकता है। अनेक देशों में आपातकालीन प्रतिक्रिया धीमी है, प्रशिक्षण अपर्याप्त है और अनुसंधान तथा जैव-प्रौद्योगिकी में निवेश बेहद कम। साफ है कि स्वास्थ्य ढांचा जितना कमजोर होगा, जैविक हमलों या आकस्मिक जैव-दुर्घटनाओं का खतरा उतना अधिक होगा। पहले तो जैविक बीमारियों का हथियारों के रूप में इस्तेमाल रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर पारदर्शिता, निगरानी और बायो-सेफ्टी प्रोटोकॉल को बाध्यकारी बनाया जाना चाहिए। कम लागत में अत्यधिक विनाशकारी परिणाम पैदा करने वाले जैविक हथियार भारत और दुनिया के लिए बड़ा खतरा इसलिए भी हैं, क्योंकि देश के पड़ोस में कुछ देशों पर जैविक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने या गुप्त अनुसंधान से जुड़े आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। यह स्थिति भारत के लिए सावधानी बरतने, निगरानी बढ़ाने और वैज्ञानिक क्षमता सुदृढ़ करने की मांग करती है।

भारत के पास अनेक स्तरों पर मजबूत जैव-रक्षा क्षमता मौजूद है। परंतु यह भी सच है कि भविष्य की जैव-सुरक्षा चुनौतियां कहीं अधिक जटिल होंगी, जिनसे निपटने के लिए निरंतर निवेश, तकनीकी आधुनिकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी अनिवार्य है। विश्व और भारत दोनों को अब जैव-सुरक्षा निगरानी तंत्र मजबूत करना, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में बायो-एथिक्स लागू करना और महामारी-पूर्व तैयारी को सैन्य-स्तर की प्राथमिकता देना आवश्यक है। दुनिया को इस चेतावनी को गंभीरता से लेना होगा, ताकि जैविक हथियारों और महामारीजनित खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रसंगवश

हॉलमार्किंग के नए अध्याय से रुक सकेगा फ्रॉड

देश में सोने-चांदी के बढ़ते कारोबार और ग्राहकों में शुद्धता को लेकर बढ़ती जागरूकता को देखते हुए केंद्र सरकार अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अभी तक केवल सोने और चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य थी, लेकिन अब सरकार इसे सोने-चांदी की ईंटों (Bars) और छड़ों (Bullion) पर भी लागू करने की तैयारी कर रही है। यह निर्णय न केवल उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्राहकों के लिए भी भरोसे को और मजबूत करने वाला साबित होगा।

भारत में हॉलमार्किंग की शुरुआत भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने वर्ष 2000 में की थी। उस समय इसका उद्देश्य एक ही था, ग्राहकों को शुद्ध सोना और चांदी उपलब्ध कराना और बाजार में मिलावट तथा कम कैरेट वाले आभूषणों की बिक्री पर रोक लगाना। यह पहल काफी हद तक सफल भी रही और आज ज्वेलरी खरीदते समय ग्राहक सबसे पहले हॉलमार्क अवश्य देखते हैं। इस वजह से आभूषण उद्योग में एक पारदर्शी और विश्वसनीय प्रणाली विकसित हुई।

धनीश शर्मा

बरेली

हॉलमार्किंग की अवधारणा दुनिया में बहुत पुरानी है। इसका सबसे पहला औपचारिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के लंदन शहर में मिलता है, जहां वर्ष 1300 में राजा एडवर्ड ने सोने-चांदी के सामान पर सरकारी शुद्धता-मोहर अनिवार्य कर दी थी। इसे दुनिया की पहली मानकीकृत हॉलमार्किंग प्रणाली माना जाता है। इस ऐतिहासिक परंपरा का उद्देश्य था कि उपभोक्ता को वही गुणवत्ता मिले, जिसके लिए वह भुगतान कर रहा है। आज भारत भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने जा रहा है।

सरकार द्वारा अब सोने-चांदी की ईंटों और कच्चे माल पर हॉलमार्किंग लागू किए जाने से बाजार में कई सकारात्मक बदलाव आएंगे। अभी तक हॉलमार्किंग केवल ज्वेलरी तक सीमित थी, जिससे बड़े पैमाने पर सोना खरीदने-बेचने वाले व्यापारी और निवेशक पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते थे। छड़ों पर हॉलमार्किंग लागू होने के बाद व्यापारियों को भी भरोसे के साथ कारोबार करने में सुविधा होगी।

सोने-चांदी के व्यापार में अक्सर मिलावट, कम शुद्धता, नकली बार और गलत कैरेट का जोखिम बना रहता है। खासकर छड़ों के मामले में ग्राहकों को असली-नकली में अंतर समझना मुश्किल हो जाता है। सरकार का यह कदम इन सभी अनियमितताओं पर लगाम लगाने में मदद करेगा। एक समान मानक लागू होने से पूरे देश में सोने-चांदी की खरीद-फरोख्त और अधिक पारदर्शी होगी। साल 2000 में हॉलमार्किंग की शुरुआत का मुख्य मकसद था- शुद्धता की गारंटी, ग्राहकों को सही धातु मिले और व्यापारी गलत शुद्धता बताकर ज्यादा लाभ न कमा सकें। अब जब यह नियम कच्चे माल और ईंटों तक बढ़ाया जा रहा है, तो इससे बाजार में नकली और असली सोने-चांदी को लेकर कोई भ्रम नहीं रहेगा। उपभोक्ता को विश्वास होगा कि वह जो खरीद रहा है, वह प्रमाणित और असली है। इससे व्यापार करने वालों की जवाबदेही भी बढ़ेगी।

हॉलमार्किंग कीमती आभूषणों की शुद्धता का प्रमाण है। इसी प्रमाणिकरण से ग्राहकों को पता चलता है कि सोना कितना शुद्ध है। सोने के आभूषणों के असमान मानकों को देखते हुए ही जून 2021 से सोने के आभूषणों पर हॉलमार्क स्टांप अनिवार्य किया गया। पहली सितंबर 2025 से चांदी और कलाकृतियों के लिए इसे व्यापारियों की इच्छा पर छोड़ा गया था, जिसके बाद शानदार परिणाम देखने को मिले।

मोदी-पुतिन की मुलाकात से बेचैन अमेरिका

दिग्विजय सिंह

कानपुर

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी। इस मुलाकात से अमेरिका की बेचैनी बढ़ गई है।

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट के दौरान चीन में हुई मुलाकात के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी। इस दौरान स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने का विजन तय किया जाएगा। साथ ही आपसी फायदे के रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर विचारों का लेन-देन दोनों नेता करेंगे। इस दौरान कई अहम रक्षा सौदे भी होंगे। पुतिन का भारत दौरा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेगा। साथ ही व्यापारिक, आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी काफी खास होगा। स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की राह भी पुतिन का यह दौरा तय करेगा। यही वजह है कि अमेरिका और यूरोपियन यूनियन की नजर इस दौरे पर है।

राष्ट्रपति पुतिन के दौरे पर सबसे बड़ा रक्षा सौदा एस- 400 वायु रक्षा प्रणाली की खरीद से जुड़ा है। एस-400 भारत के 'सुदर्शन चक्र वाले चक्रव्यूह' का अहम हिस्सा है। एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया था। इससे पाकिस्तान चाहकर भी किसी भी भारतीय भूभाग को क्षति नहीं पहुंचा सका था। इसके साथ ही सुखोई-57 लड़ाकू विमान की खरीद से जुड़ा सौदा भी हो सकता है। रूस का अत्याधुनिक सुविधाओं वाला यह लड़ाकू विमान जो युद्ध का नक्शा बदलने में सक्षम है।

4-5 दिसंबर को भारत आ रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी उनकी मुलाकात होगी। उनके दौरे से पहले रूस की संसद स्टेट डूमा ने भारत के साथ कई अहम और बड़े सैन्य समझौते की पुष्टि की घोषणा कर दी है। संसद का यह फैसला दर्शाता है कि भारत और रूस के मजबूत रिश्तों के बीच कोई देश नहीं आ सकता है। भारत-रूस के रिश्ते पहले से ही मजबूत रहे हैं। हमारी रक्षा प्रणाली को मजबूत करने का मसला रहा हो या कोई अन्य मुद्दा। रूस हमेशा भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य मंचों पर भारत का पक्ष मजबूती से रखता है।

वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता का प्रबल समर्थक रूस से भारत कारोबार न करे, इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, हालांकि भारत अमेरिका के दबाव में नहीं आया और अब भी बड़े पैमाने पर तेल खरीद रहा है। इससे भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि दुनिया के सभी देशों को बता दिया है कि भारत और रूस की दोस्ती सदाबहार है। उसे किसी टैरिफ के माध्यम से तोड़ा नहीं जा सकता है। अब इस रिश्ते को और मजबूती देने पुतिन भारत आ रहे हैं। उनके इस दौरे पर न सिर्फ अमेरिकी थिंक टैंक की निगाहें लगी हुई हैं, बल्कि यूरोपीय देश भी दौरे के दौरान होने वाले समझौतों के बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहे हैं।

अमेरिका भारत को F-35 फाइटर जेट बेचना चाहता है, जबकि रूस सुखोई-57 बेचने और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने के लिए तैयार है। ऐसे में उम्मीद है कि पीएम मोदी से सुखोई-57 लड़ाकू विमान के सौदे पर समझौता हो सकता है। रूस ने भारत के साथ सुखोई-57 लड़ाकू विमान का भारत में ही सह-उत्पादन करने का ऑफर भी दे चुका है। अगर समझौता होता है तो फिर सुखोई-57 के जरिए रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के सपने को नई उड़ान मिल सकती है। साथ ही भारतीय एयरफोर्स की ताकत में कई गुना इजाफा हो जाएगा।

इस वक्त रूस और युक्रेन के बीच जबरदस्त युद्ध हो रहा है। अमेरिका दोनों देशों के बीच शांति समझौता कराने की कोशिश भी कर रहा है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच इस युद्ध को लेकर भी चर्चा हो सकती है, क्योंकि भारत लगातार युद्ध के बजाय बातचीत से मामले को सुलझाने पर जोर देता रहा है। पीएम मोदी पुतिन से पहले ही कह चुके हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है। रूस के साथ होने वाले सैन्य समझौते से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय सेना का दबदबा बढ़ जाएगा। हमारी नौसेना के तलवार- श्रेणी के फ्रिगेट और विमानवाहक पोत कठिन आर्कटिक परिस्थितियों में भी रूसी उत्तरी बेड़े के बंदरगाहों में लॉजिस्टिक सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही रूस की नौसेना भारतीय नौसैनिक अड्डों का उपयोग करके हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी मौजूदगी आसानी से बढ़ा सकेगी।

रूस ने फ्रांस, अमेरिका, सिंगापुर, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ ऐसे लॉजिस्टिक समझौते बहुत पहले ही कर रखा है। रूस को भारत के दक्ष कार्मिकों की जरूरत है। ऐसे में अभी तक भारतीयों के लिए रूस में जो कोटा सीमित था, उसे बढ़ाने की तैयारी भी है। इस संबंध में भी रूस से समझौता हो सकता है, जो भारतीयों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। रूस की मंशा है कि मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भारतीय कुशल कामगार उसके देश में कार्य करें। अभी बड़े पैमाने पर वहां भारतीय लोग निर्माण और कपड़ा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में काम कर रहे हैं।

दोहा में भारत के श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वहां के श्रम मंत्री से मुलाकात के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की थी। इस वार्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आने की उम्मीद पुतिन के दौरे पर दिख रही है। पुतिन के दौरे को अमेरिका और यूरोपीय देश अलग चश्मे से देख रहे हैं। वे प्रचारित कर रहे हैं कि पुतिन का दौरा अमेरिका के विरुद्ध मोर्चेबंदी के लिए हो रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। पीएम मोदी जो विश्व में शांति के पक्षधर हैं, उनका मकसद रूस से संबंध को और मजबूत करने के साथ ही भारतीय सीमाओं की सुरक्षा और कारोबार को और मजबूती देना है।

आमने

यह बलिया है। यहां के लोग अंग्रेजों के दलाल थे। दलाली का सिस्टम चल रहा है अभी भी, इसीलिए बलिया अभी भी बर्बाद है। नहीं तो बलिया बागी बलिया था। अंग्रेजों को मारकर भगाया था। देश को आजाद कराया था।

–संजय कुमार निषाद

काबीना मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

सामने

जो व्यक्ति निषाद समाज को गुमराह करता है, वह बलिया जैसे ऐतिहासिक जनपद को 'दलाल' कह रहा है। बलिया की धरती 'बागी बलिया' के नाम से जानी जाती है, जहां 1942 में चित्तू पांडे की अगुवाई में आजादी का पहला बिगुल बजा था।

–कमलेश सिंह

जिलाध्यक्ष

करणी सेना-बलिया

शीतकालीन सत्रः टकराव व संवाद की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

पहली दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का शीतकालीन सत्र, पहले ही दिन उस सौहार्द और गंभीरता से दूर दिखाई दिया, जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है।

शीतकालीन सत्र हमेशा से राजनीतिक तापमान का आईना माना जाता रहा है। वर्ष के अंतिम महीने में जब केंद्र सरकार अपनी उपलब्धियों और नीतिगत प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करती है, तब विपक्ष इसे जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को उठाने के अवसर के रूप में देखता है। इसी उम्मीद और उत्सुकता के बीच पहली दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का यह शीतकालीन सत्र, अपने पहले ही दिन उस सौहार्द और गंभीरता से दूर दिखाई दिया, जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है। पहले दिन राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। कारण वही पुराना-हंगामा, नारेबाजी और तीखी राजनीतिक तल्खी।

सत्र शुरू होते ही प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों को एक स्पष्ट संदेश दिया कि संसद का मंच राजनीति की लड़ाई का एरिना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों पर काम करने का स्थान है। उनकी टिप्पणी, सदन में ड्रामा नहीं, डिलेवरी चाहिए, में सिर्फ राजनीतिक व्यंग्य नहीं था, बल्कि कार्य संस्कृति पर गंभीर चिंता का संकेत भी झलक रहा था। पीएम मोदी ने विपक्ष से यह भी कहा कि चुनाव परिणामों में पराजय मिलना राजनीतिक जीवन का अंग है, लेकिन पराजय की निराशा में डूबकर सदन को ठप कर देना लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार ट्रिप्स जैसी बहसों और विधायी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, लेकिन यह तभी संभव है जब विपक्ष मजबूत मुद्दे उठाए व सहयोग की भावना दिखाए।

सत्र की शुरुआत से पहले ही एक बड़ा राजनीतिक तूफ़ान उस वक्त खड़ा हो गया, जब राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपराष्ट्रपति जैसे पदों को संभाल चुके धनखड़ के इस निर्णय ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे असामान्य कदम बताते हुए सवाल किया कि इतनी बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ने के पीछे कौन-सा दबाव या परिस्थिति रही होगी! खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अगर खड़गे जी को इस विषय में बहुत तकलीफ हो रही है, तो उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

यह बयान दर्शाता है कि आने वाले दिनों में सत्ता और विपक्ष के बीच वाद-विवाद कैसे मोड़ ले सकता है। सत्र का एजेंडा बड़ा, लेकिन माहौल गर्म है। शीतकालीन सत्र पहली दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित होना है। कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं और सरकार लगभग 10 विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें तंबाकू और पान मसाला पर सेस लगाने वाला बिल, दिवाला कानून में सुधार और जनविश्वास संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधायी प्रस्ताव शामिल हैं।

संसदीय समितियों को भी कई रिपोर्टें प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है, लेकिन पहले ही दिन विपक्ष ने एसआईआर मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया। इससे सरकार के विधायी कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल मंडराते नजर आए। सरकार का आरोप है कि विपक्ष बिना पर्याप्त चर्चा के सिर्फ बाधा उत्पन्न करने की रणनीति अपना रहा है। वहीं विपक्ष का कहना है कि उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा रहा और सरकार संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में हो रहे व्यवधानों पर स्पष्ट अपील की। मेरी चिंता यह है कि सदन चले। जनता हम सब से काम की उम्मीद करती है।

सत्र की शुरुआत में सीपी राधाकृष्णन को राज्यसभा के नए सभापति के रूप में स्वागत किया गया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने खड़गे पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के लिए अनुचित शब्द बोले। यह आरोप भी सत्र के शुरुआत में तनाव का एक और सूत्र बन गया। विपक्ष के भीतर भी समानता नहीं, लेकिन भिन्न आवाजें सुनाई दी। हंगामे के इस माहौल में विपक्ष के भीतर भी अलग-अलग स्वर सुनाई दिए। गोगोई ने कहा कि अगर विपक्ष के मुद्दों को सत्र में उचित स्थान और चर्चा मिले, तो वे सरकार के सभी विधेयकों पर सहयोग करने को तैयार हैं। यह बयान संकेत देता है कि विपक्ष की मंशा केवल हंगामा करना नहीं है, बल्कि बहस और संवाद भी चाहता है। यदि उसे सम्मानजनक अवसर मिले।

हालांकि, इस बीच राहुल गांधी सदन से उस समय बाहर निकल गए, जब कार्यवाही हंगामे के कारण रुकावट का सामना कर रही थी। यह घटना भी राजनीतिक व्याख्याओं का विषय बनी। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने विपक्ष के विरोध को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। हंगामा करने वाला अपनी छवि चमकाता है, लेकिन काम नहीं करता। पासवान के इस वक्तव्य ने सत्ता पक्ष की उस भावना को मजबूत किया, जिसमें वे कहते हैं कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक राजनीति कर रहा है और संसद के संचालन में बाधा डाल रहा है।

पहले दिन जिस प्रकार कार्यवाही बाधित हुई, उसने इस विवाद को फिर जन्म दिया कि क्या लगातार हंगामे के माध्यम से विपक्ष अपनी भूमिका को कमजोर कर रहा है, या यह उनके लिए मजबूरी है, क्योंकि सरकार उन्हें बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं देती? सत्ता पक्ष का तर्क है कि हंगामा लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

सोशल फोरम

सर्दियों के दौरान बर्फ में बदल जाता है वुड फ्रॉग

अमित कुमार

ब्लॉगर

सोचिए अगर इंसान ऐसा कर पाता, तो डॉक्टर की ज़रूरत ही नहीं रहती। एक पल में बर्फ बन जाओ और सीधी धूप लगते ही वापस 'ज़िंदा'! साइंस फिक्शन जैसा लगता है, लेकिन प्रकृति ने ये कमाल पहले से ही बना रखा है। उत्तरी अमेरिका और कनाडा के सर्द जंगलों में एक छोटा सा मेंढक रहता है वुड फ्रॉग (Wood Frog)। इसकी सुपरपावर पागल कर देने वाली है। इससे वैज्ञानिक भी हैरान हैं। जैसे ही तापमान शून्य से नीचे गिरता है। यह मेंढक जानबूझकर खुद को फ्रीज़ कर देता है।

शरीर का 70% पानी बर्फ बन जाता है। दिल की धड़कन बंद हो जाती है। सांस बंद। दिमाग की गतिविधि शून्य हो जाती है। स्पर्श करने पर पूरा शरीर लकड़ी जैसा कठोर लगता है। देखने में यह मरा हुआ लगता है, लेकिन सच में जिंदा रहता है! इसे वैज्ञानिक 'Living Dead' भी कहते हैं।

इसके खून में ग्लूकोज अचानक 100 गुना बढ़ जाता है, जो नेचुरल एंटीफ्रीज़ की तरह काम करता है। कोशिकाएं जमती नहीं, सिर्फ बाहर की बर्फ जमती है शरीर सुरक्षित रहता है। जैसे ही बसंत की पहली धूप आती है, ये मेंढक मिनटों में पिघलकर फिर से कूदने लगता है, मानो कुछ हुआ ही न हो! उसके बाद यह मेंढक सामान्य जीवन जीने लगता है।

सरीसृप वर्ग के कई और जीव शीत निद्रा में चले जाते हैं। छिपकली, सांप और दूसरे सामान्य मेंढकों में यह आम बात है। सर्दी आने से पहले वह खूब खा पीकर मोटे हो जाते हैं। सर्दी आते ही वह गहरी नींद में चले जाते हैं, लेकिन इनके उलट यह मेंढक 'फ्रीज' हो जाता है, जो अपने आप में काफी अद्भुत है।

प्रकृति का ये चमत्कार हर बार दंग कर देता है। जिंदगी कितनी जिद्दी हो सकती है? ये वुड फ्रॉग से बेहतर कोई नहीं सीखा सकता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

मानव घुसपैठ से आक्रामक हो रहे हैं वन्य जीव

उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल मंडल में जंगल से लगे गांवों में बाघ, गुलदार, भालू और जंगली सुअरों के हमले बढ़ते जा रहे है। पिछले दो हफ्तों मे पिथौरागढ़ और पौड़ी के गांवों में भालू के हमले से कई लोग घायल हो गए हैं। वहीं कुछ गांवों में जंगली सुअरों के झुंड भी हिंसक होते देखे गए हैं। पिछले हफ्ते नैनीताल जनपद के रानीबाग गांव में शाम के समय दूध लेने जा महिला को सुअरों ने हमला कर घायल कर दिया। सुअरों द्वारा हमला करने की यह घटना नई है। अभी तक तो लोग बाघ और तेंदुओं के हमले से ही परेशान और भयभीत थे। अब भालू भी जंगल छोड़कर गांव में आकर लोगों पर हमला करने लगे हैं। बीते दिनों चमोली जनपद के पाब गांव में जंगल में घास लेने गई महिला को भालू ने बुरी तरह से घायल कर दिया। चमोली सहित रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, नैनीताल आदि जिलों में भालू सक्रीय हैं और उनके द्वारा मानव पर हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

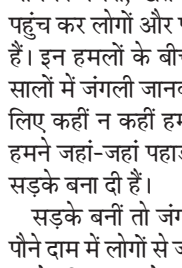

दीपक नौगांई

लेखक

उत्तराखंड में हर साल वन्य जीव और मानव संघर्ष की घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं।

उत्तराखंड का अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र वन हैं। यहां तकरीबन कुल भौगोलिक क्षेत्र के 71 फ़ीसदी क्षेत्र में वन हैं। हरिद्वार में राजाजी नेशनल पार्क और रामनगर में कॉर्बेट रिजर्व पार्क बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है और इन वन क्षेत्र के आसपास बड़ी संख्या में लोग निवास भी करते हैं, लेकिन देखा गया है कि जंगली जानवरों और मानव संघर्ष की घटनाएं इन्हीं क्षेत्रों में नहीं हो रहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड में फैल चुकी हैं। प्रदेश के 13 जिलों में से एक भी ऐसा नहीं है, जहां जंगली जानवरों के हमले से लोगों की मौत नहीं हुई हो।

पिछले 25 सालों में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत जंगली जानवरों के हमले से हुई है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 में अब तक 40 लोग बाघ, तेंदुए आदि हिंसक जंगली जानवरों द्वारा मारे गए हैं। वन्य जीव विशेषज्ञ बताते हैं कि जंगलों में छोटे जानवरों की संख्या बेहद कम हो गई है। पहले आसानी से जानवरों को शिकार मिल जाता था। जंगल में हिरन, कांकड़, घुरड़, खरगोश, जंगली मुर्गी आदि की संख्या कम हो गई है। नतीजन भोजन की तलाश में बाघ और तेंदुए गांव की ओर रुख कर रहे हैं।

चमोली, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, रामनगर, हरिद्वार, बागेश्वर, हल्द्वानी आदि स्थानों पर जंगलों से लगे गांवों में जंगली जानवर गधेरों, खेत-खलियानों को पार कर घरों की चौखट तक पहुंच कर लोगों और पालतू जानवरों पर हमला कर आतंक मचा रहे हैं। इन हमलों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बीते सालों में जंगली जानवरों के हमले क्यों बढ़ रहे हैं? दरअसल इसके लिए कहीं न कहीं हम मानव ही जिम्मेदार हैं। विकास के नाम पर हमने जहां-जहां पहाड़ खोद डाले हैं। जंगलों के पेड़ काटकर लंबी सड़के बना दी हैं।

सड़के बनीं तो जंगलों के किनारे गांव में पूंजीपति लोगों ने औने पौने दाम में लोगों से जमीन खरीद कर भवन, होटल और रिसॉर्ट बना डाले। फिर इन होटलों और रिसॉर्ट में कभी आतिशबाजी तो कभी डीजे बजने लगे। यानी वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास पर हमारा हस्तक्षेप बढ़ता गया। वन्य जीवों पर इसका असर तो होना ही था। नकारात्मक असर हुआ। जंगल का मूल जीवन और उसकी इकोलॉजी डिस्टर्ब हुई। जानवर परेशान होने लगे और चिड़चिड़े हो गए। ऐसे में उन्हें जंगल छोड़कर गांव की ओर पलायन करना ही था। हमने उनके प्राकृतिक जीवन से छेड़छाड़ की तो उन्हें हम पर हमला करना ही था।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कृष्ण भक्त मुस्लिम कवयित्री ताज

सगुण भक्ति के आराध्य देवताओं में कृष्ण का स्थान सर्वोपरि है। आधुनिक काल में भी कृष्ण भक्ति काव्य का सृजन हुआ है। कृष्ण के रूप सौंदर्य और लोक कल्याणकारी रूप का प्रभाव हिंदू कवियों पर ही नहीं वरन् मुस्लिम कवियों पर भी पड़ा। रसखान इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। कृष्ण की भक्ति में मुस्लिम महिलाएं भी सम्मिलित हैं। श्री गंगा प्रसाद 'अखौरी' विशारद द्वारा लिखित पुस्तक 'हिंदी के मुसलमान कवि' में अनेक मुस्लिम कवियों की कविताओं का उल्लेख मिलता है, परंतु कृष्ण भक्ति के संदर्भ में केवल 'ताज' कवयित्री का ही उल्लेख मिलता है।

अग्निज उपमन्यु
छात्र,हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली

जब मनुष्य रूप में कृष्ण खुद प्रसाद देने आए

हिंदी साहित्य की कवत्रियों में मीरा, जहां भक्ति साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं ताज मुस्लिम साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। ताज कवयित्री का उल्लेख सर्वप्रथम शिव सिंह सेंगर द्वार संपादित 'शिव सिंह सरोज' में मिलता है। 'शिव सिंह सरोज' के मतानुसार इनका जन्म 1652 सन्त है, पर इनका उल्लेख पुल्लिंग रूप में मिलता है तथा मुंशी देवी प्रसाद ने 'महिला मधुवाणी' में इनका जन्म सन्त 1700 माना है। ताज नहा धोकर मंदिर में भगवान का नित्य प्रति दर्शन करती थीं और बाद में भोजन ग्रहण करती थीं। ऐसी जनश्रुति है कि एक दिन वैष्णवों ने उसे विधर्मी समझकर मंदिर में जाने से रोक दिया। ताज उस दिन उपवास करके मंदिर के आंगन में बैठी, कृष्ण नाम जपती रहीं। कहते हैं कि रात होने पर ठाकुर जी स्वयं मनुष्य का रूप धारण कर भोजन का थाल लेकर ताज के पास आए और उन्हें भोजन कराया। प्रातः काल जब वैष्णव आए, तो ठाकुर जी ने कहा कि उनसे कहना कि तुम लोगों ने मुझे कल ठाकुर जी का प्रसाद और दर्शन का सौख्य नहीं दिया, इससे आज रात ठाकुर जी स्वयं प्रसाद दे गए हैं और तुम लोगों को संदेश दे गए हैं कि ताज को परम वैष्णव समझो। इसके दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने में रुकावट कभी मत डालो। नहीं तो ठाकुर जी तुम लोगों से नाराज हो जाएंगे। प्रातः काल सब वैष्णव को ताज ने रात की सारी बात बताई और भोजन का थाल भी दिखाया। वे सभी वैष्णव ताज के पैर पर गिरकर क्षमा प्रार्थना करने लगे। तबसे सबसे पहले ताज मंदिर में देव दर्शन करती थीं और फिर अन्य वैष्णव दर्शन करने जाते थे।

माधुर्य भाव की भक्ति

मथुरा निवासी श्री कविराज के मातानुसार ताज एक मुसलमान कवयित्री थीं और पंजाब की रहने वाली थीं। कृष्ण से प्रेम हो जाने पर कविता की ओर उसका ध्यान आकर्षित हुआ। ताज की रचनाएं मुक्तक रूप में प्राप्त होती हैं। पुस्तक रूप में इनका केवल एक ग्रंथ मिलता है, जिसमें 'बारह मासा' विषयक छप्पय कवित्त एवं कुंडलियां पाई जाती हैं। इन्होंने रसखान आदि मुसलमान भक्त कवियों की भांति कवित्त तथा सवैया शैली को अपनाया तथा उसमें उन्हें यथेष्ट सफलता भी मिली। ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। वैष्णव संप्रदायों में माधुर्य भाव की भक्ति को अन्य प्रकार की भक्ति पद्धतियों से अधिक श्रेष्ठ माना जाता है। ताज ने कृष्ण को प्रियतम के रूप में मानकर रचनाएं लिखी हैं।

कृष्ण के सौंदर्य का तो कहना ही क्या? गले में माल, नाक में मोती, कान में कुंडल और मस्तक पर लाल मुकुट शोभायमान है। यह अपने कृष्ण को अन्य देवताओं से न्यारा कहती हैं। अतः श्रीकृष्ण की भावना को उन्होंने परात्पर ब्रह्म के रूप में धारण किया है, जिसकी ज्योति में सभी नर-नारी और देवता प्रतिभाषित हैं। इसका हम एक उदाहरण देख सकते हैं- छैल जो छबीला सब रंग में रंगीला बड़ा/चित्त का अडीला कहूं देवतों से न्यारा है।

ताज ने कृष्ण के मात्रा छैल-छबीले रूप का स्मरण नहीं किया है, अपितु कृष्ण के लोकरंजनकारी रूप को भी चित्रित किया है। उसने सिद्धिदाता के रूप में गणेश की स्तुति भी की है। कृष्ण की मधुर रूप की अपेक्षा उनका ऐश्वर्य रूप अधिक प्रभावशाली बन पड़ा है। पतित उद्धारक गरिमामय अवतार रूप श्रीकृष्ण उसकी आस्था एवं विश्वास के विशेष पात्र हैं। हिंदू धर्म में प्रचलित रूढ़ियों का उन्होंने खंडन किया है, उनका भरोसा मात्र नंद के कुमार पर है। वे इतना कृष्णमय हो गई कि उन पर अन्य देवों का प्रभाव नहीं पड़ता। यह बात एक उदाहरण स्पष्ट होती है- काहू को भरोसो ताज, सब देवन के दूजे ताज। /मोको है भरोसो बस, एक नंद के कुमार को। इस प्रकार ताज की भक्ति भावना का आधार श्री कृष्ण का माधुर्य रूप है। प्रेम के अनेक उपमानों में उनकी भावनाओं का यह अवगुंठन अत्यंत अनुपम है। उन्होंने अगाध अनन्य सात्विक प्रेम का सुंदर और सटीक वर्णन प्रस्तुत किया है, जो अन्यत्र दुर्लभ है। इतना ही नहीं कृष्ण के प्रति उनकी भावना में विश्वासजन्य समर्पण है। कालिंदी के तट पर स्थित निकुंज के बीच पंकज शय्या, प्रस्तुत कर राधा की प्रतीक्षा करते हुए कृष्ण तथा राधा की चंचलता पर अटकी हुई आंखें कल्पना जगत की सुंदर सृष्टि हैं। परंतु भावनाओं तथा वातावरण की लौकिकता में यहां काम की प्रधानता मिलती है। इनका उदाहरण निम्न है- कालिंदी के तीर नीर निकट कदंब कुंज/ मन कहुं इच्छा कीनों सेज सरोजन की। प्रेम साम्राज्य का अवर्ध रत्न है विरह। विरह तपाया हुआ प्रेम है। ताज के विरहणी रूप का मार्मिक चित्र मर्मस्पर्शी ही नहीं अप्रतिम भी है। ताज लिखती हैं- चैन नहीं मन में, मलीन सुनैन भरे जल में न तई है।/ताज कहे पर्थक यों बाल, ज्यों चंप की माल बिलाई गई है। अतः प्रतीक्षा की लंबी अवधि के बीच यह देखकर कि अभी रात्रि बहुत शेष है। परिणाम स्वरूप शून्य भवन में प्रज्ज्वलित प्रदीप का आलोक उसके अंगों प्रखर सूर्य की तरह तप्त करता है। उपर्युक्त तथ्यों से यह निष्कर्ष निकलता है कि ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। मीराबाई की भांति यह भी कृष्ण को अपना प्रियतम या पति मानती थीं।

कविताओं में अलंकारों का प्रयोग

ताज ने श्रीकृष्ण के रूपांकन की ओर विशेष ध्यान दिया है। श्रीकृष्ण के रूपांकन में कवयित्री ने आभूषणों का भी उल्लेख किया है। कहीं-कहीं कवयित्री ने उनके अंग एवं आभूषणों के समन्वित सौंदर्य का चित्रण किया है। ताज के प्रस्तुत विधान में अप्रस्तुत का सौंदर्य दबने नहीं पता। उपमान सदैव उपमेय की श्रीवृद्धि में सहायक है। प्रेम संबंधी अनेक प्रसिद्ध उपमानों से उनकी भावनाओं का संबंध देखने योग्य है। ताज के काव्य में श्रृंगार और शांत रस की प्रधानता है। शांत रस के अंतर्गत अनेक संचारी भाव का स्वतंत्र अंकन कवयित्री की रचनाओं में प्राप्त होता है। यह संचारी भाव के सहायक होते हैं, जो भाव को सजीव बनाते हैं। ताज के काव्य की मुख्य भाषा ब्रजभाषा है, पर पंजाब की निवासी होने के कारण उनकी भाषा में पंजाबी शब्दों भी मिलते हैं। ताज की कविताओं में अलंकारों का अधिक प्रयोग हुआ है। वह एक ऐसी संवेदनशील कवयित्री है, जो चमत्कार के चक्कर में न पड़कर भाव में डूब जाया करती हैं। माधुर्य गुण सुयुक्त होने के कारण उनकी कविताओं में अनुप्रास अलंकार का बाहुल्य मिलता है। मीरा की भांति ताज के काव्य का आधार है, इनका सर्वथा निजी अनुभव। दोनों ही की प्रेम साधना लोक-बाह्य थी, उसमें लोक और शास्त्र का विचार न था, प्रेम के प्रखर प्रभाव में लोक और वेद बह गए। लोक-लाज और कुलकानि बिसर गई, पथ -अपथ का डर छूट गया। रसखान सदृश मुसलमानों के विषय में जो बात भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने कही थी, वही ताज के संबंध में भी समझनी चाहिए-'इन' मुसलमान हरि जनन पर कोटिन्ह हिन्दू वारिए। अपनी माधुर्य भक्ति के लिए ताज हिंदी साहित्य में सदैव चिरस्मरणीय रहेंगी।

रंग-तरंग

हॉर्नबिल महोत्सव

पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न

बीते सोमवार को नागालैंड की 63 वीं वर्षगांठ पर किसामा के नागा हेरिटेज विलेज में हॉर्नबिल फेस्टिवल के 26 वें संस्करण की शानदार शुरुआत हुई। दस दिवसीय आयोजित महोत्सव में नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, विरासत और कलात्मक परंपराओं के मनाया जाता है। यह फेस्टिवल अब तक के सबसे बड़े इंटरनेशनल पार्टिसिपेशन के साथ शुरू हुआ, जिसमें छह पार्टनर देश- ऑस्ट्रिया, माल्टा, स्विट्जरलैंड, आयरलैंड, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम शामिल थे, साथ ही अरुणाचल प्रदेश स्टेट पार्टनर था।

'त्योहारों का त्योहार' (Festival of Festivals) के रूप में प्रसिद्ध, हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड का सबसे बड़ा वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। यह प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह नागालैंड की समृद्ध जनजातीय विरासत को पुनर्जीवित करने, संरक्षित करने और बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली मंच है। यह विविधता में एकता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस वर्ष महोत्सव में स्थिरता और 'ईको-फ्रेंडली' पर्यटन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा जी-20 की सफलता के बाद, भारत सरकार इसे अपनी 'सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी' और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में प्रदर्शित कर रही है, जिसमें कई अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक और पर्यटक भाग ले रहे हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में नागालैंड सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने और जनजातियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने के लिए की गई थी। 1 दिसंबर 1963 को नागालैंड भारत का 16 वां राज्य बना था, इसलिए हर वर्ष 1-10 दिसंबर तक इसका आयोजन होता है।

नामकरण और प्रतीक

इसका नाम 'ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल' (Great Indian Hornbill) पक्षी के नाम पर रखा गया है। यद्यपि यह पक्षी अब नागालैंड में कम दिखाई देता है, लेकिन नागा लोककथाओं और गीतों में इसका गहरा महत्व है। इसके पंखों का उपयोग पारंपरिक नागा हेडगियर (टोपी) में प्रतिष्ठा और वीरता के प्रतीक के रूप में किया जाता रहा है।

आर्ट गैलरी

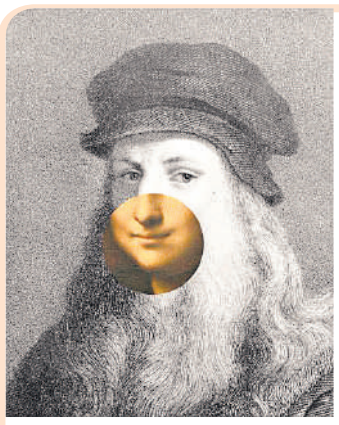

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो द विंची की पेंटिंग मोनालिसा दुनिया की सबसे चर्चित और रहस्यमयी पेंटिंग है। पेंटिंग की सबसे खास बात इसकी रहस्यमयी मुस्कान है। अलग-अलग कोणों से देखने पर यह बदलती हुई सी महसूस होती है। कुछ लोग मानते हैं कि इस पेंटिंग में विंची ने कुछ कोड छिपाकर रखे हैं। यही नहीं बहुत दिनों तक एक चर्चा यह भी रही कि इसका आधा हिस्सा महिला का है और बाकी आधा हिस्सा खुद विंची का है। इन रहस्यों ने इसे कला इतिहास में निरंतर शोध और आकर्षण का विषय बना दिया। मोनालिसा को 'ला जियोकोंडा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे 1503 में शुरू किया गया और 1517 तक इस पर काम चला। हालांकि यह 1519 में विंची की मृत्यु के समय तक अधूरा रह गया था। यह चिनार की लकड़ी के एक पैनल पर ऑयल पेंट से बनाई गई है। विंची ने 'स्फुमाटो' (Sfumato) नाम की एक अभिनव तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें रंगों को सूक्ष्मता से मिश्रित किया जाता है, जिससे धुंधले किनारे और छाया के प्रभाव पैदा होते हैं। यह तकनीक पेंटिंग को जीवंत बनाती है। खासकर मोनालिसा की प्रसिद्ध रहस्यमयी मुस्कान और आंखों में, जो देखने वाले को हर कोण से खुद को देखे जाने का अहसास कराती है। रिसर्चर का मानना है कि यह पेंटिंग फ्लोरेंटाइन रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी लिजा घेरार्डिनी का चित्र है, इसलिए इसे 'मोनालिसा' (जिसका अर्थ श्रीमती लिसा है) कहा जाता है। यह पेंटिंग फ्रांस के पेरिस शहर में स्थित लूव्र संग्रहालय (Louvre Museum) में रखी गई है। इसे वहां बुलेटप्रूफ कांच के पीछे बहुत सेफ्टी के साथ रखा गया है। पेंटिंग की प्रसिद्धि में 1911 की चोरी का भी बड़ा हाथ है। लूव्र संग्रहालय से विंसेंजो पेरुगिया नाम के एक कर्मचारी ने इसे चुरा लिया था। इस चोरी ने दुनियाभर में सनसनी मचा दी और दो साल बाद पेंटिंग की बरामदगी ने इसे वैश्विक सुर्खियों में ला दिया। इस घटना ने मोनालिसा को कला जगत से निकालकर आम जनमानस तक पहुंचा दिया।

विंची के बारे में

लियोनार्डो द विंची 15 अप्रैल 1452 को पैदा हुए और दो मई 1519 को उनका निधन हो गया। इतालवी पुनर्जागरण के एक अद्वितीय 'पॉलीमैथ' (बहु-प्रतिभाशाली व्यक्ति) थे। उन्होंने चित्रकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक, मूर्तिकार और वास्तुकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उन्हें अक्सर 'पुनर्जागरण पुरुष' (Renaissance Man) का आदर्श उदाहरण माना जाता है, जिनकी असीमित जिज्ञासा की बराबरी केवल उनकी आविष्कारक शक्ति ही कर सकती थी। विंची की प्रसिद्धि मुख्य रूप से उनकी दो विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग्स की वजह से ज्यादा है। 'मोनालिसा' और 'द लास्ट सपर'। इन उत्कृष्ट कलाकृतियों के अलावा, उनका 'विट्रुवियन मैन' (Vitruvian Man) का चित्र भी एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया। एक वैज्ञानिक और आविष्कारक के रूप में, विंची अपने समय से सदियों आगे थे। उनकी नोटबुक्स, जिन्हें वह उल्टे हाथ से लिखते थे, ताकि कोई आसानी से न पढ़ सके, शरीर रचना विज्ञान, यांत्रिकी, खगोल विज्ञान और वनस्पति विज्ञान पर विस्तृत नोट्स और रेखाचित्रों से भरी हुई है। उन्होंने उड़ने वाली मशीनों (हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज के शुरुआती कॉन्सेप्ट), बख्तरबंद वाहनों (टैंक) और पैराशूट जैसे कई उपकरणों की अवधारणा दी। उनके कई डिजाइन उनके जीवनकाल में कभी निर्मित या व्यावहारिक नहीं हुए, लेकिन उनके विचारों और वैज्ञानिक अवलोकन ने बाद की पीढ़ियों के कलाकारों और वैज्ञानिकों को गहराई से प्रभावित किया।

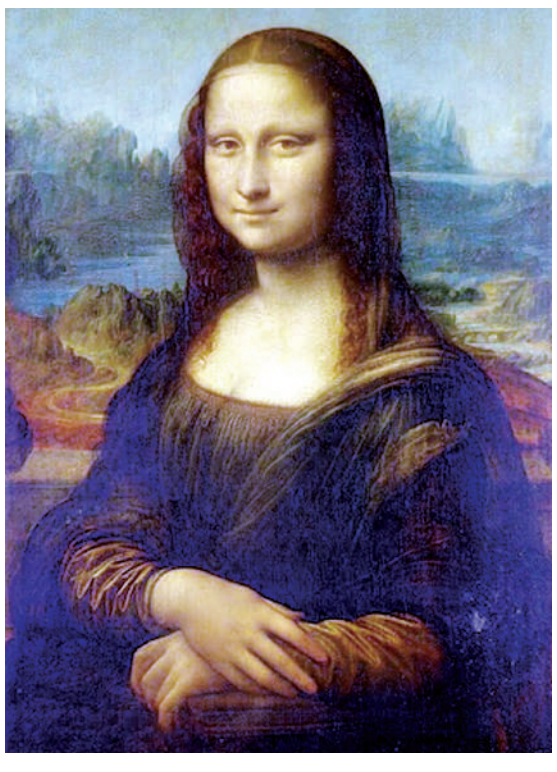

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,138.27	26,032.20
गिरावट	503.63	143.55
प्रतिशत में	0.59	0.55

सोना 1,31,530 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,81,360 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार ,3 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.) डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरीपत्ती (1 किग्रा, 5किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7550-8900, मलका छांटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

इंडिगो पर 117 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडिगो पर इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित मामले में 117.52 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और एयरलाइन इस आदेश को चुनौती देगी। यह जुर्माना केरल के सीजीएसटी कोच्चि के संयुक्त आयुक्त (केंद्रीय कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क) ने लगाया है।

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार

क्रेमलिन के प्रवक्ता कहा- मॉस्को समस्या को दूर करने को नई दिल्ली के साथ कर रहा काम

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि रूस को भारी व्यापार घाटे को लेकर भारत की चिंताओं की पूरी जानकारी है और मॉस्को इस 'समस्या' को दूर करने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम कर रहा है। पेसकोव ने भारतीय पत्रकारों के लिए आयोजित एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कई मुद्दों पर बात की, जिनमें यूक्रेन में अमेरिकी शांति योजना, रूसी कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध और भारत को रूसी रक्षा प्लेटफॉर्म एवं प्रौद्योगिकी की आपूर्ति शामिल है।

पेसकोव ने वैश्विक व्यापार की एक नई व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां भुगतान प्रणाली (डॉलर-आधारित व्यापार) का उपयोग एक 'राजनीतिक उपकरण' के रूप में ना किया जाए। हालांकि यह बयान परोक्ष तौर पर अमेरिका पर लक्षित था, लेकिन पेसकोव ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के

लिए अमेरिका की ओर से किए गए नवीनतम मध्यस्थता प्रयासों को बहुत प्रभावी बताते हुए उनकी प्रशंसा भी की। अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ की पुतिन से मुलाकात से कुछ घंटे पहले उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह सफल होगा। हम इसमें योगदान देने के लिए तैयार हैं।

पेसकोव ने यह संवाददाता सम्मेलन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चार और पांच दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली यात्रा से पहले एक पूर्वावलोकन के तौर पर आयोजित की।

पेस्कोव ने कहा कि भारत के साथ व्यापार असंतुलन के बारे में रूस अवगत है और उससे आयात बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने रूसी तेल की बिक्री पर अमेरिकी प्रतिबंध को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि इस समय दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 63 अरब डॉलर का है जिसे साल 2030 तक बढ़ाकर 100 अरब डॉलर का करने का लक्ष्य है। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच वास्तव में व्यापार असंतुलन है और कहा रूस भारत से आयात बढ़ाने के उपायों पर विचार कर रहा है, सिर्फ वस्तु व्यापार नहीं सेवा व्यापार भी। पुतिन की भारत यात्रा से एक दिन पहले बुधवार को आयातकों के एक फोरम का आयोजन किया जायेगा जिसमें इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा, हम भारत में अपने समकक्षों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापार बढ़ाया जा सके।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी तेल आयात एक तिहाई घटा, दिसंबर में और कमी होने का अनुमान

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी तेल आयात लगभग एक तिहाई घट गया है। विश्लेषकों का अनुमान है कि दिसंबर में आयात और कम होगा, क्योंकि रिफाइनरी कंपनियां प्रतिबंधों से बचने के लिए वैकल्पिक स्रोतों का रुख कर रही हैं। डेटा विश्लेषण कंपनी केप्लर के अनुसार नवंबर में रूस से भारत का कच्चा तेल आयात औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा और कुल कच्चे तेल आयात में इसकी हिस्सेदारी 35 प्रतिशत से अधिक थी। इससे पहले अक्टूबर में यह आंकड़ा 15-16 लाख बैरल प्रतिदिन था। माना जा रहा है कि नवंबर का आयात पांच महीनों में सबसे अधिक था, क्योंकि प्रतिबंध लागू होने की समयसीमा 21 नवंबर से पहले आयात बढ़ाया गया। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, '21 नवंबर से पहले आयात 19-20 लाख बैरल प्रतिदिन के करीब था, क्योंकि खरीदार समयसीमा से पहले माल ला रहे थे। इसके बाद मात्रा कम हो गई। ऐसा लगता है कि रिफाइनरियों ने प्रतिबंध लागू होने से पहले कच्चे तेल का स्टॉक कर लिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आयात घटकर लगभग 12.7 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो मासिक आधार पर 5.7 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी दर्शाता है।

तीसरे दिन भी गिरावट, 504 अंक फिसला सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख बैंकों और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के बीच विदेशी निवेशकों ने की निकासी

प्रमुख बैंकों और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी से स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार तीसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स में करीब 504 अंक जबकि निफ्टी में 144 अंक की गिरावट रही।

विश्लेषकों ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन के खराब आंकड़ों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर जाने से भी निवेशक धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 503.63 अंक यानी 0.59 प्रतिशत टूटकर 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 588.9 अंक गिरकर 85,053 के स्तर तक आ गया था। सोमवार को यह कारोबार के दौरान 86,159.02 अंक के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद गिरकर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 143.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत फिसलकर 26,032.20 अंक पर बंद हुआ।

रुपया लुढ़ककर पहली बार 90 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपये पर मंगलवार को भारी दबाव देखा गया और यह पहली बार 90 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया। भारतीय मुद्रा लगातार चौथे दिन टूटी है। मंगलवार को यह 17 पैसे टूटकर 89.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और एक समय 90 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। अंत में यह 43.50 पैसे नीचे 89.9650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया सोमवार को आठ पैसे गिरकर 89.53 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने बताया कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही तेजी से रुपये पर दबाव पड़ा। साथ ही घरेलू शेयर बाजार की तेजी ने भी इसकी गिरावट में योगदान दिया।

सोना 1,670 रुपये टूटा, चांदी 4,360 रुपये तेज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर कारोबार के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,670 रुपये टूटकर 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी में लगातार छठे दिन तेजी बनी रही और यह 4,360 रुपये बढ़कर 1,81,360 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स) हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज), सौमिल गांधी ने कहा, पिछले सत्र में कीमतें कई सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद कारोबारियों की मुनाफावसूली से मंगलवार को सोने में गिरावट आई।

स्टार टेलीविजन का जियोस्टार में विलय पूरा

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई स्टार टेलीविजन प्रोडक्शंस का स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में विलय पूरा करने की घोषणा की। विलय के बाद नई कंपनी जियोस्टार इंडिया के नाम से जानी जाएगी।

दिल्ली में शुरू हुआ भारत टैक्सी का पायलट ऑपरेशन

अब तक 51,000 ड्राइवर जुड़े, ओला-उबर और रैपिडो जैसी स्थापित कैब सेवाओं को देगी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की शीर्ष आठ सहकारी संस्थाओं के समर्थन वाली ऑनलाइन सवारी सेवा 'भारत टैक्सी' का मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में पायलट परिचालन शुरू हो गया। ओला, उबर और रैपिडो जैसे स्थापित कैब सेवा मंचों को चुनौती देने के इरादे से शुरू की गई 'भारत टैक्सी' सेवा के तहत ग्राहक कार, ऑटो और बाइक श्रेणियों के लिए बुकिंग कर सकेंगे।

'सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड' के माध्यम से संचालित 'भारत टैक्सी' डिजिटल एप पर अब तक 51,000 से अधिक ड्राइवर

● अमूल, इफको, कृभको, नैफेड, नाबार्ड समेत आठ संस्थाएं प्रवर्तकों में शामिल

पंजीकृत हो चुके हैं। यह सहकारी संस्था छह जून, 2025 को बहु-राज्य सहकारी संस्था (एमएससीएस) अधिनियम 2002 के तहत गठित की गई थी। इसके प्रवर्तकों में अमूल, इफको, कृभको, नैफेड, एनडीडीबी, एनसीईएल, एनसीडीसी और नाबार्ड शामिल हैं। खास बात यह है कि 'सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड' के निदेशक मंडल में कैब ड्राइवरों के दो प्रतिनिधि भी शामिल किए गए हैं। सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के चेयरमैन जयेन मेहता ने कहा कि दिल्ली में सॉफ्ट लॉन्च के साथ टैक्सी सेवा शुरू कर दी गई है जबकि गुजरात में ड्राइवरों के पंजीकरण का काम जारी है।

अमूल ब्रांड का संचालन करने वाली अग्रणी सहकारी संस्था जीसीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक मेहता ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने देशभर के लाखों ड्राइवरों के हित में इस संगठन का गठन किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मार्च 2025 में संसद में इस पहल की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा कि टैक्सी सेवा के एप में पारदर्शी किराया निर्धारण, जीपीएस-आधारित वाहन ट्रैकिंग, बहुभाषी इंटरफेस, 24 घंटे की ग्राहक सेवा और सुरक्षित ऑनबोर्डिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस सेवा को 'शून्य कमीशन मॉडल' के तहत संचालित किया जा रहा है जिसमें ड्राइवर प्रत्येक यात्रा की पूरी कमाई रख सकेंगे और सहकारी संस्था का लाभ सीधे उनके बीच वितरित किया जाएगा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग को दिए जाएं वैधानिक अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

● संसदीय समिति ने की सिफारिश कहा- इससे विश्वसनीयता बढ़ेगी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को वैधानिक अधिकार के साथ एक मजबूत, स्वतंत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) की जरूरत पर जोर दिया। वित्त पर संसद की स्थाई समिति ने कहा कि ऐसा करने से सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

समिति ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय से संबंधित 'एनएससी के कार्य-निष्पादन की समीक्षा' पर अपनी 27वीं रिपोर्ट मंगलवार को संसद में पेश की। रिपोर्ट में कहा गया है कि आधिकारिक और निजी आंकड़ों में विसंगतियों के कारण एकसमान मानकों के अभाव में जनता का भरोसा कम हो रहा है। समिति ने सिफारिश की है कि एनएससी को नोडल एजेंसी के रूप में सशक्त बनाया जाए ताकि वह पद्धतियां निर्धारित कर सके, डेटा प्रक्रियाओं में समन्वय स्थापित कर सके और एक स्थायी तकनीकी समिति के जरिये निजी एजेंसियों तथा विशेषज्ञों को शामिल कर सके। समिति ने कहा, एनएससी को वैधानिक अधिकारों के साथ एक मजबूत, स्वतंत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग बनाने और उसे सांख्यिकी का नोडल राष्ट्रीय निकाय बनाने की जरूरत है ताकि सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता बनी रहे।

समिति ने राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली में एआई को एकीकृत करने, डेटा की दक्षता, सटीकता और समयबद्धता बढ़ाने तथा कार्यबल की क्षमता निर्माण पर जोर दिया। रिपोर्ट में साथ ही एआई के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक ढांचा और दिशानिर्देश बनाने की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रीय

आपराधिक मामले में जमानत देने के लिए समानता एकमात्र आधार नहीं

शीर्ष कोर्ट ने कहा- अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बगैर नहीं दी जा सकती जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि भले ही कैदियों को राहत देने के लिए अदालतें 'जमानत नियम है, और जेल अपवाद' के सिद्धांत को मानती हैं, लेकिन समानता ही एकमात्र आधार नहीं है जिस पर आपराधिक मामलों में आरोपी को जमानत दी जा सकती है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जमानत की राहत उस अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना नहीं दी जा सकती, जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पीठ ने इस टिप्पणी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हत्या के एक मामले में आरोपी को दी गई जमानत को रद्द कर दिया। उसे सिर्फ इस आधार पर जमानत दी गई थी कि सहआरोपी को भी राहत दी गई है। शीर्ष अदालत ने 28 नवंबर के फैसले में कहा, जमानत को अक्सर नियम और जेल को अपवाद कहा जाता है। इस बात पर बहुत ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता। साथ ही, इसका मतलब यह नहीं है कि जमानत की राहत उस अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना दी जानी चाहिए जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने कहा, इस संबंध में यह ध्यान रखना होगा कि जमानत देते समय अदालत को कई पहलुओं पर विचार करना होता है। इस न्यायालय ने इतने सारे फैसले दिए हैं, जिनमें ध्यान में रखने लायक जरूरी बातें बताई गई हैं।

पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देने में सभी जरूरी प्रासंगिक बातों पर विचार नहीं किया। उसने कहा कि ऐसा लगता है कि हाईकोर्ट ने त्रुटिपूर्ण तरीके से सिर्फ समानता के आधार पर जमानत दे दी, जिसे उसने सीधे तौर पर इस्तेमाल का एक तरीका समझ लिया, जबकि समानता का मकसद आरोपी की भूमिका पर ध्यान देना होता है, न कि एक ही अपराध का होना ही आरोपियों के बीच एकमात्र समानता थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कैम्ब्रिज शब्दकोश में 'पैरिटी' शब्द को 'समानता' के तौर पर, खासकर वेतन या पद की बराबरी' के तौर पर परिभाषित किया गया है। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश के एक गांव में हत्या के एक मामले में यह आदेश दिया, जो गांव वालों के बीच कहासुनी के कारण हुई थी। इस मामले में भड़काने वाले एक आरोपी

सुप्रीम निर्देश : केरल में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाने पर विचार करे निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह केरल में जारी एसआईआर के तहत गणना-प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर को एक सप्ताह और बढ़ाने पर विचार करे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस दलील पर ध्यान दिया कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को होंगे तथा मतगणना 13 दिसंबर को समाप्त होगी। पीठ ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि राज्य में स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया में लगभग 1.76 लाख राज्य सरकार के कर्मचारी लगे हुए हैं और इसलिए, उन्हें चुनाव निकाय द्वारा निर्धारित समय सीमा 11 दिसंबर तक गणना-प्रपत्र जमा करने में कठिनाई हो सकती है।

बर्खास्त सफाईकर्मियों को एक घंटे में बहाल करे यूपी सरकार

नई दिल्ली। शीर्ष न्यायालय ने मंगलवार को अदालत के समक्ष बाल तस्करी का मुद्दा उठाने पर वाराणसी नगर निगम में संविदा सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत पति-पत्नी को बर्खास्त किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और उत्तर प्रदेश सरकार को एक घंटे के भीतर दोनों सफाई कर्मचारियों को बहाल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट ने बताया कि पिंकी ने यह आरोप लगाते हुए मामला दायर किया है कि उसे और उसके पति को संविदा नियोक्ता ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। पीठ ने उत्तर प्रदेश के वकील से कहा, हम चाहते हैं कि उन्हें एक घंटे के भीतर बहाल कर दिया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी को निलंबित कर दिया जाएगा। हम अद्यतन स्थिति जानना चाहते हैं। सिर्फ इसलिए अधिकारी नाराज हो गए क्योंकि उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। पीठ ने वकील से कहा कि वह संबंधित अधिकारियों को फोन करें और अदालत को उनकी बहाली के बारे में सूचित करें। पिंकी के एक वर्षीय बच्चे को वाराणसी के नदेसर कैंट से उस समय अगवा कर लिया गया, जब वह उसके बगल में सो रहा था। यह अपहरण एक संगठित अंतरराज्यीय बाल-तस्करी गिरोह के सदस्यों ने किया था।

बाल तस्करी का मुद्दा उठाने पर कर दिया गया था बर्खास्त

दिल्ली दंगा — सत्ता परिवर्तन अभियान का पुलिस का दावा आरोपपत्र में नहीं: गुलफिशा

फरवरी 2020 के दंगों के मामले में जमानत का अनुरोध कर रही कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि उसे अनंतकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। उसने यह भी कहा कि समन्वित सत्ता परिवर्तन अभियान के दिल्ली पुलिस के दावे का उसके आरोपपत्र में कोई उल्लेख नहीं है। फातिमा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि गुलफिशा ने छह साल का वक्त जेल में बिताया है और उन्होंने मुकदमे में देरी को आश्चर्यजनक और अभूतपूर्व बताया।

बिना सुनवाई मुझे बता दिया आतंकवादी: शरजील

कार्यकर्ता शरजील इमाम ने उच्चतम न्यायालय में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान उन्हें किसी पूर्ण सुनवाई या दोषसिद्धि के बिना ही खतरनाक बौद्धिक आतंकवादी करार दिए जाने पर नाराजगी जताई। इमाम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि मैं आतंकवादी नहीं हूं, जैसा कि पुलिस ने मुझे कहा है। मैं राष्ट्रविरोधी नहीं हूं, जैसा कि राज्य ने कहा है। मैं इस देश का नागरिक हूं, जन्म से नागरिक हूं और मुझे अब तक किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है।

पीलिया फैलने की बात छिपाने के कारण वीआईटी में हुई थी हिंसा

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के परिसर में 25 नवंबर को हुई हिंसा, प्रबंधन की पीलिया फैलने की बात छिपाने की कोशिश, खाने की खराब गुणवत्ता की शिकायतों को नजरअंदाज करने और विद्यार्थियों के साथ बदसलूकी का नतीजा थी। तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट पर मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने संस्थान के कुलगुरु को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है।

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि नोटिस का जवाब न देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वीआईटी के भोपाल परिसर के रजिस्ट्रार ने कहा कि नोटिस मिल गया है और सरकार को जवाब दिया जाएगा। कोठरी में वीआईटी परिसर में करीब 4,000 विधार्थियों ने खाने-पीने की खराब गुणवत्ता और दूसरे मुद्दों को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया था। उन्होंने इमारत और गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

● सरकार ने कुलगुरु को नोटिस देकर सात दिन में मांगा जवाब

किले की तरह परिसर: नोटिस में कहा गया है, परिसर को एक किले की तरह रखा गया है जहां प्रबंधन के अपने कानून हैं और किसी को भी उनके बारे में बात करने की इजाजत नहीं है। परिसर में तानाशाही रवैया हावी है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि सीहोर जिले के सीएचएमओ को भी संस्थान के गेट पर दो से चार घंटे तक रोका गया।विद्यार्थियों ने जांच समिति को बताया कि उन्हें शिकायत करने पर अनुशासन के नाम पर उनके पहचान पत्र जब्त करने, प्रायोगिक परीक्षा में कम नंबर देने और परीक्षा में न बैठने देने जैसी धमकी दी गई।

चुनाव के दौरान कार में मिला कैश शिंदे गुट का भाजपा पर निशाना

मुंबई, एजेंसी

● पार्टी विधायक ने पुलिस पर लगाया केस दर्ज करने में हीलाहवाली करने का आरोप

महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक नीलेश राणे ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की पूर्व संध्या पर उनके गृह जिले सिंधुदुर्ग में एक कार के अंदर भारी मात्रा में नकदी पाई गई। राणे ने इस घटनाक्रम को लेकर गठबंधन सहयोगी भाजपा पर निशाना भी साधा।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि इस तरह से बड़े पैमाने पर नकदी के वितरण के पीछे कौन था। राणे ने सोमवार रात नकदी लेकर जा रही कार का वीडियो साझा किया। कहा, इस घटना से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बारे में गंभीर चिंता पैदा होती है। राणे की ओर से साझा किए गए वीडियो में कार के अंदर भाजपा के स्कार्फ दिखाई दे रहे हैं। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में 264 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। सिंधुदुर्ग में संवाददाताओं से मुखातिब राणे ने आरोप लगाया, पुलिस ने कार में सवार दो लोगों को हिरासत में ले लिया, इसके बावजूद लगभग एक घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कार में भारी मात्रा में नकदी मिली है। पुलिस हिरासत में लिये गए व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में हिचकिचा रही है, लेकिन शिकायत दर्ज की जा रही है केवल इसलिए क्योंकि मैं और मेरे समर्थक यहां आए थे।

सीबीआई को झटका, रुबैया के अपहरण के आरोपी को जमानत

जम्मू। सीबीआई को मंगलवार को एक बड़ा झटका देते हुए एक विशेष अदालत ने 1989 में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के सिलसिले में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए शफात अहमद शांगलू को रिहा कर दिया। अदालत ने 8 दिसंबर 1989 को हुए अपहरण के सिलसिले में पूछताछ के लिए शांगलू को सीबीआई को हिरासत में देने से इन्कार कर दिया। हिरासत में देने के अनुरोध संबंधी सीबीआई की याचिका को खारिज करते हुए विशेष अदालत ने कहा कि एजेंसी द्वारा दाखिल आरोपपत्र में उसका कोई जिक्र नहीं था। एजेंसी ने 35 साल पुराने मामले में गिरफ्तार शांगलू को हिरासत में देने का अनुरोध जम्मू की टाडा अदालत में यह दावा करते हुए किया था कि वह इतने सालों से फरार था।

एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के सांसदों ने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करने के साथ एसआईआर का विरोध करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं ने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए।

विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव

संसद परिसर में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन करते विपक्ष के नेता।

प्रियंका गांधी वाद्रा, द्रमुक नेता टीआर बालू और कई अन्य विपक्षी सांसद शामिल हुए। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्ष एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है, और हम इस मामले पर बहुत गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन राज्यसभा के सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी और सरकार इस पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। हम इसके लिए लड़ रहे हैं। हम आज भी लड़ेंगे और कल भी लड़ेंगे।

● विपक्ष के नेताओं ने नारेबाजी कर की वापस लेने की मांग

खरगे ने कहा, सभापति यह भी उल्लेख नहीं करते कि किन सदस्यों ने नोटिस दिया है या उनके विषय क्या हैं। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, संसद भवन के बाहर आज 'इंडिया' गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन किया। मोदी जी कह तो जाते हैं कि संसद भारत के लोगों की है, मगर जनता के जरूरी मुद्दों पर चर्चा से भागते रहते हैं। लोकतंत्र में मताधिकार से बड़ा जनता का मुद्दा क्या हो सकता है।

परंपरा का उत्सव

कर्नाटक के चिक्कमगलुरु में अनुसूया जयंती के हिस्से के रूप में आयोजित संकीर्तन यात्रा में भाग लेते हुए कलाकार वीरागसे नृत्य कर रहे हैं। वीरगासे एक पारंपरिक, ऊर्जावान और वीर नृत्य है जो हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है।

विमानन क्षेत्र : हादसे दर हादसे फिर भी लापरवाही

देश में आए दिन विमानों को हादसों से दो चार होना पड़ रहा है। कभी उड़ान भरने में तो कभी लैंडिंग में दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। अहमदाबाद में विमान हादसे की बड़ी घटना हो चुकी है। जिसमें कई जानें गई थीं उसके बावजूद लापरवाही रुकने का नाम नहीं ले रही है। नवंबर माह में एयर इंडिया के विमान ने एक्सपायर सर्टिफिकेट के साथ उड़ान भरी थी। यह घटना 24 और 25 नवंबर को हुई थी। एयर इंडिया ने 26 नवंबर को डीजीसीए को सूचित किया था कि एआरसी के बगैर ही यह विमान आठ वाणिज्यिक उड़ानों पर गया था। नियमों के तहत एयर इंडिया को किसी विमान को एआरसी जारी करने की अनुमति है। घटना में शामिल विमान पूर्ववर्ती एयरलाइन विस्तारा के बेड़े का हिस्सा था। इस एयरलाइन का नवंबर 2024 में एयर इंडिया में विलय हो गया था। अब विमानन नियामक (डीजीसीए) ने उक्त घटना की जांच शुरू की है।

एआरसी बिना विमान ने भरी उड़ान

आम तौर पर टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया हर साल अपने विमानों की जांच के बाद उनके लिए एआरसी जारी करती है। लेकिन, एयर इंडिया द्वारा साल 2024 में विस्तारा के अधिग्रहण के समय यह तय हुआ था कि विस्तारा से आने वाले सभी 70 विमानों को पहले साल में एआरसी डीजीसीए द्वारा जारी किया जाएगा। डीजीसीए ने 69 विमानों को जांच के बाद एआरसी जारी कर दिया जबकि एक विमान के बारे में एयर इंडिया ने आवेदन दिया कि उसे इंजन बदलने के लिए ग्राउंड किया गया है। इंजन बदलने के बाद एयर इंडिया ने बिना डीजीसीए से एआरसी लिए उस विमान को सेवा में शामिल कर लिया। एयर इंडिया ने गत 26 नवंबर को डीजीसीए को बताया कि विमान ने एक्सपायर हो चुके एआरसी पर आठ सेक्टरों पर उड़ान भरी।

क्या है एआरसी

एआरसी यानी एयरवर्धीनेस रिव्यू सर्टिफिकेटवह वार्षिक प्रमाणपत्र है, जो किसी विमान के रखरखाव की स्थिति, रिकॉर्ड और सभी सुरक्षा मानकों की समीक्षा के बाद जारी किया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो यह सुनिश्चित करता है कि विमान तकनीकी रूप से सही है और उड़ान भरने के लिए सुरक्षित है। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया के एक ए320 नियो विमान को उड़ान भरने के वैध प्रमाणपत्र (एआरसी) के बैगर ही आठ उड़ानों पर संचालित किए जाने की घटना की जांच शुरू कर दी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस घटना में शामिल रहे सभी कर्मचारियों को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया है और संबंधित विमान को तुरंत खड़ा करने के भी निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा के लिए जरूरी मानक

- **वार्षिक निरीक्षण :** विमानों का वार्षिक निरीक्षण होता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं।
- **मासिक निरीक्षण :** विमानों का मासिक निरीक्षण यह सुनिश्चित करने को किया जाता है कि वह उड़ान के लिए समक्ष है ।
- **आयु और हालत :** विमानों की आयु और उसकी हालत को ध्यान में रखते हुए उनकी फिटनेस की जांच होती है।
- **मानकों की जांच :** विमानों को सुरक्षा मानकों की जांच की जाती है ताकि उड़ान के दौरान यात्री सुरक्षित रहे।
- **मेंटेनेंस रिकॉर्ड :** विमानों के मेंटेनेंस रिकॉर्ड की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं।
- **पायलटों की योग्यता :** पायलटों की योग्यता की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे विमान उड़ाने में सक्षम हैं।
- **विमान के उपकरण :** विमान के उपकरणों की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे काम कर रहे हैं या नहीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

क्वात्रा ने की अमेरिकी सांसदों से बातचीत

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने ऊर्जा, रक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों के एक समूह के साथ उपयोगी बातचीत की। क्वात्रा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, रिचर्ड ब्लूमेंथल, शेल्डन व्हाइटहाउस, पीटर वेल्च, डैन सुलिवन और मार्कवेन मलिन की मेजबानी करने का मौका मिला। ये सभी सांसद वाशिंगटन स्थित इंडिया हाउस में पहुंचे थे। क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के लिए उनके समर्थन पर आभार व्यक्त किया।

यूएई में प्रस्तुति देंगे अरिजीत और रहमान

दुबई। बॉलीवुड गायक अरिजीत सिंह 19 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद अरीना में एक प्रदर्शन के साथ संयुक्त अरब अमीरात में एक नई संगीत श्रृंखला की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम के आयोजकों ने यह घोषणा की है। ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान भी अपने वंडरमेंट टूर के तहत 23 जनवरी, 2026 को इसी स्थान पर प्रस्तुति देंगे। उनकी प्रस्तुति के बाद 31 जनवरी को सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा दुबई के कोका-कोला एरिना में प्रस्तुति देंगे। इस श्रृंखला का आयोजन दुबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी पैंथियन डेवलपमेंट द्वारा किया जा रहा है।

काला सागर में रूस के तीसरे टैंकर पर हमला

अंकारा। सूरजमुखी का तेल लेकर रूस से जॉर्जिया जा रहे एक टैंकर पर काला सागर में हमला किया गया। तुर्किये के समुद्री प्राधिकरण ने मंगलवार को बताया कि कुछ दिन पहले ही रूस के छद्म बेड़े में शामिल दो तेल टैंकर पर यूक्रेन की नौसेना ने ड्रोन से निशाना बनाया था। तुर्किये के समुद्री मामलों के महानिदेशालय ने बताया कि मिडवोल्गा-2 पर तुर्किये के तट से लगभग 80 मील दूर हमला हुआ। चालक दल के 13 सदस्यों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पोत से आपात मदद का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बल केंद्र पर हमला

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की एक महिला आत्मघाती हमलावर ने विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया और इसके बाद काफी देर तक हुई मुठभेड़ में छह उग्रवादी मारे गए।

पुतिन के भारत दौरे पर एस-400, सुखोई 57 सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

रूस के राष्ट्रपति दो दिन की भारत यात्रा पर गुरुवार को पहुंचेंगे नई दिल्ली

- राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चार दिसंबर से शुरू हो रहे भारत दौरे पर दोनों पक्षों के बीच एस-400 मिसाइल और सुखोई-57 लड़ाकू विमानों की खरीद सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। पुतिन दो दिन की भारत यात्रा पर गुरुवार को नई दिल्ली आ रहे हैं। उनकी यात्रा से पहले राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, आपसी निवेश सहित कई मुद्दों पर बात होगी।

पेस्कोव ने प्रश्नों के जवाब देते हुए कहा कि एस-400 मिसाइल प्रणाली और सुखोई-57 पर भी बात होनी तय है। उन्होंने कहा एस-400 निश्चित रूप से एजेंडा का हिस्सा है। यह निश्चित रूप से हमारे एजेंडा में है। और मुझे कोई संदेह नहीं है कि इस पर चर्चा होगी। उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल आ रहा है जिसमें कई ऐसे सदस्य हैं जो इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ...उच्चतम

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्रि पेस्कोव

स्तर पर इसकी चर्चा होगी। सुखोई-57 और अमेरिका द्वारा एफ-35 भारत को बेचने के प्रयास के बारे में पूछे जाने पर पेस्कोव ने कहा, सुखोई-57 दुनिया के सर्वश्रेष्ठ (सैन्य) विमान हैं। यह आगामी यात्रा के दौरान निश्चित रूप से एजेंडा का हिस्सा होगा। हम विवरण के बारे में बात नहीं करेंगे। दुनिया में कुछ प्रतिस्पर्धी भी हैं और कुछ प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। कभी-कभी अनुचित प्रतिस्पर्धा के लिए वे गलत रास्ता भी अपना सकते हैं। लेकिन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शायद ही कोई सुखोई-57 का मुकाबला कर सके। उन्होंने कहा कि रूस का सैन्य उद्योग काफी अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा, पिछले चार साल में हमने अपना उत्पादन इस तरह से प्रबंधित किया है कि हम न सिर्फ अपनी सेना को यूक्रेन में उनके सैन्य अभियान के लिए हथियार देने में कामयाब रहे हैं, बल्कि हम निर्यात भी जारी रखने की स्थिति में हैं, और यह भारत के मामले में भी सच है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के मौजूदा हथियारों और उपकरणों में 36 प्रतिशत रूसी हैं जो काफी बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि न सिर्फ यह स्थिति जारी रहेगी बल्कि ये आंकड़े और बढ़ेंगे। छोटे परमाणु रिएक्टरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पर भी चर्चा हो सकती है और रूस भारत को ये रिएक्टर देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दुनिया के देश रूस से ये रिएक्टर खरीदना चाहते हैं। रूसी अधिकारी ने कहा कि इनके अलावा मानवीय और वैज्ञानिक सहयोग, सांस्कृतिक सहयोग, उच्च तकनीक, फार्मास्यूटिकल, उत्तर-दक्षिण संपर्क मार्ग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर भी हस्ताक्षर किये जायेंगे। भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति पुतिन का यह दौरा उतना ही सफल रहेगा जितना एक साल पहले प्रधानमंत्री मोदी का मॉस्को का दौरा रहा था। रक्षा क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रूस की विशेषज्ञता बढ़ी है और वह इसे भारत के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध सिर्फ खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं हैं, इसमें प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान भी शामिल है। पेस्कोव ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में मैत्रीपूर्ण रुख के लिए भारत का धन्यवाद किया। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने यूक्रेन-रूस युद्ध पर भारत के रुख और युद्ध रोकने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत रूस का पक्ष सुनने के लिए हमेशा तैयार रहा है, जबकि यूरोपी देश बात ही नहीं करते। उन्होंने भारत के साथ चीन को भी रूस का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया और कहा कि वह भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं तथा रूस दोनों देशों से साथ संबंध मजबूत करेगा।

भारत से सैन्य समझौते को ड्यूमा की मंज़ूरी

मॉस्को। रूस की संसद के निचले सदन 'ड्यूमा' ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली की राजकीय यात्रा से पहले भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंगलवार को मंजूरी दे दी। दोनों सरकारों के बीच 18 फरवरी को हस्ताक्षरित सैन्य साजो सामान संबंधी सहयोग के पारस्परिक आदान-प्रदान को प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन द्वारा अनुमोदन के लिए पिछले सप्ताह 'ड्यूमा' को भेजा गया था। 'ड्यूमा' के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने सदन के पूर्ण अधिवेशन में कहा कि भारत के साथ हमारे संबंध रणनीतिक और व्यापक हैं तथा हम उन्हें महत्व देते हैं। हम समझते हैं कि आज समझौते को मंजूरी निश्चित रूप से हमारे संबंधों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौता यह तय करता है कि रूस और भारत एक-दूसरे के यहां सैन्य टुकड़ियां, युद्धपोत और सैन्य विमान कैसे भेजेंगे और उनके बीच सैन्य साजो सामान सहायता किस तरह प्रदान की जाएगी। यह समझौता सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करेगा और साजो सामान संबंधी व्यवस्थाओं को भी तय करेगा।

चक्रवात के बाद भारत ने अग्रणी भूमिका निभाई

कोलंबो, एजेंसी

- श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय ने भारत की भूमिका को सराहा

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि चक्रवात दितवा के बाद भारत ने तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस चक्रवात में 400 से अधिक लोग मारे गए और व्यापक तबाही हुई। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बात कर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दिसानायके से बात की और उन्हें चक्रवात दितवा से प्रभावित सभी क्षेत्रों में पुनर्वास प्रयासों में निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। टेलीफोन पर बातचीत में मोदी ने श्रीलंका में हुई जान-माल की हानि और तबाही पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में द्वीपीय राष्ट्र के लोगों के साथ पूरी एकजुटता और समर्थन के संग खड़ा है। श्रीलंका चक्रवात दित्वा के कारण व्यापक बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे को नुकसान से जूझ रहा है, जिससे कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा-प्रतिक्रिया क्षमता पर भारी दबाव पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने 16 नवंबर से चरम मौसम की स्थिति के कारण आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन में मंगलवार सुबह तक कम से कम 465 लोगों की मौत और 366 लोगों के लापता होने की पुष्टि की है। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया और एनडीआरएफ के 80 कर्मियों वाली दो शहरी खोज और बचाव टीम को द्वीपीय राष्ट्र में भेजा, जिससे पड़ोसी पहले की भावना की पुष्टि हुई। मंगलवार को यह घोषणा की गई कि श्रीलंका बाढ़ राहत सामग्री को सीमा शुल्क और लेवी से मुक्त करने की अनुमति देगा, जो आपदा प्रबंधन डीजी या रक्षा मंत्रालय के सचिव के नाम पर भेजी जाएं।

विमान से कोलंबो पहुंचाया अस्पताल

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के सी-17 परिवहन विमान ने एक पैरा फील्ड अस्पताल इकाई को मंगलवार को आगरा से कोलंबो पहुंचाया। वहीं, थलसेना ने श्रीलंका के लिए महत्वपूर्ण राहत पहुंचाने, आवश्यक सेवाओं को बहाल करने और प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत एक एकीकृत कार्यबल तैनात किया। इसके अलावा, एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने आठ टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई है और 65 लोगों को बाहर निकाला है।

खालिदा के इलाज के लिए ब्रिटेन से आएंगे चिकित्सक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के मद्देनजर ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम बांग्लादेश आएगी, ताकि उनके इलाज का मूल्यांकन किया जा सके।

खालिदा जिया की तबीयत ज्यादा खराब होने से उनके बेटे तारिक रहमान जल्द ही देश लौट सकते हैं। तारिक रहमान लंदन में एक दशक से अधिक समय से स्व-निर्वासन में रह रहे हैं। एवरकेयर अस्पताल के बाहर एजेडएम जाहिद हुसैन ने कहा कि जिया के इलाज की निगरानी कर रहे अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल बोर्ड में ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

भारत ने हेरॉन एमके-2 ड्रोन खरीदने को किया करार

तेल अवीव, एजेंसी

- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निभाई थी अहम भूमिका

ऑपरेशन सिंदूर में 'हेरॉन एमके-2' के सफल इस्तेमाल के बाद भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए उपग्रह से जुड़े इन ड्रोन विमानों की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए इजराइल के साथ आपातकालीन प्रावधानों के तहत एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इजराइली रक्षा उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) के अधिकारी ने बताया कि हेरॉन एमके-2 मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) भारतीय सेना और वायुसेना के पास पहले से ही उपलब्ध हैं तथा अब इन्हें नौसेना में भी शामिल किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने 87 एमएएलई ड्रोन की खरीद के वास्ते आरएफपी जारी किया था, जिसमें 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जो विदेशी साझेदारी की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए भारत एक प्रमुख ग्राहक है। हमारी साझेदारी तीन दशकों और कई पीढ़ियों से चली आ रही है।

बहन बोली इमरान खान को दी जा रही मानसिक प्रताड़ना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन डॉ. उज्मा खान ने मंगलवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने भाई से मुलाकात करने के बाद कहा कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक है लेकिन उन्हें पृथक रूप से कारावास में रखकर मानसिक यातना दी जा रही है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दिए जाने के कारण इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर कई अटकलें लगाई जा रही थीं।

बेहतर हुई अमेरिका की शांति योजना

पेरिस, एजेंसी

- रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति योजना पर बोले राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की शांति योजना में किए जा रहे संशोधनों में प्रगति हो रही है और यह अब बेहतर लग रही है। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद पेरिस में यह टिप्पणी की, जहां रूस के करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई।

इसी बीच, रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने पुष्टि की कि व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ की भूमिका पर तब सवाल उठे थे जब एक खबर आई कि उन्होंने पुतिन

के सलाहकार को यह सुझाव दिया था कि शांति योजना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे मनाया जाए।

जेलेंस्की की पेरिस यात्रा उस बैठक के बाद हुई जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं को लाभप्रद बताया।

मूल कारणों के हल के बिना नहीं रुकेगा युद्ध

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए अमेरिका की अगुवाई में जारी शांति वार्ता के बीच रूस ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि जिन कारणों से इस युद्ध की शुरुआत हुई थी उनके समाधान के बिना सैन्य अभियान नहीं रुकेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से दो दिन पहले उनके प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता काफी प्रभावी है, और उम्मीद जतायी की शांति वार्ता सफल रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यूक्रेन की नाटो सदस्यता जैसे कुछ मुद्दों को लेकर रूस बिल्कुल समझौता नहीं करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 12.25 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

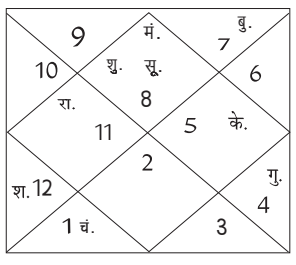

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 17.59 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष — आज जीवन में आ रहे परिवर्तनों को स्वीकारें। पति-पत्नी के बीच सहयोगात्मक और प्रेम व्यवहार बढ़ेगा। आपकी सफलताओं की लोग चर्चा करेंगे। लंबे समय से चला आ रहा तनाव दूर होगा। अस्थमा के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए।

वृष — आज व्यवसाय में नया प्रयोग लाभकारी सिद्ध होगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। अच्छी संगत के कारण आपके कार्य सरलता से बन जाएंगे। साहित्य का अध्ययन कर सकते हैं।

मिथुन — आज आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। पुराने मित्रों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। यात्राओं की योजना बना सकते हैं। नई स्किल्स सीखने के लिए बहुत अच्छा समय है।

कर्क — आज थकान और आलस्य आपके ऊपर हावी हो सकते हैं। दिल की अपेक्षा दिमाग से निर्णय लें। आपको कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। अभिमान से आपको दूर रहना चाहिए। गलतफहमी के कारण संबंधों में कटुता आ सकती है।

सिंह — आज बौद्धिक क्षमता का कुशल प्रयोग करेंगे। अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी। कर्मचारियों के साथ विवाद की स्थिति दूर होगी। घरेलू समस्याओं का समाधान होगा। मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय में उच्च लाभ होने की संभावना है।

कन्या — आज रिसर्च संबंधी कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। ट्रैफिक नियमों का सावधानी से पालन करें वरना आर्थिक दंड भुगतना पड़ सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षडयंत्र रच सकते हैं। मामा पक्ष के साथ अपने संबंध मधुर रखें।

तुला — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। आपके मन में नए-नए आइडियाज आ सकते हैं। मित्रों का उत्तम सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में उच्च पद मिल सकता है। धर्म-कर्म के प्रति आपका मन लगेगा। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

वृश्चिक — आज भौतिक विलासिता का आनंद उठाएंगे। संतान की नौकरी से संबंधित समस्या का समाधान होगा। अविवाहितों का विवाह तय हो सकता है। योजनाओं को अच्छी तरह से कार्यान्वित कर पाएंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु — आज व्यवसाय में बड़े सरकारी ऑर्डर मिलने की संभावना है। विवादित मुद्दों का कूटनीतिक समाधान मिलेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण थोड़ा अच्छा रहेगा। अधिकारी आपके विचारों से प्रभावित रहेंगे। पेट में वायु विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

मकर — आज धन समृद्धि में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। दुष्ट लोगों की संगत से बचें। कार्यक्षेत्र में अपनी योग्यता का परिचय देंगे। नया कार्य आरंभ करने में कठिनाई होगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बच्चों की पढ़ाई में परेशानियां होंगी।

कुंभ — आज व्यापार में बिक्री बढ़ने की संभावना है। आर्थिक समस्या दूर होगी। नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। धैर्यपूर्वक आपको कार्य करना चाहिए। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मीन — आज आपको अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका अपमान हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो, तो मेडिकल चेकअप अवश्य कराएं। अपनी उपलब्धियों को लोगों से साझा न करें। मौसम की वजह से एलर्जी व बुखार की परेशानी होगी।

सुडोकू-179

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1							2	
						6		
	5							
6						9		
					6			
		7						
2								6

सुडोकू - 178 का हल

5	7	4	1	8	9	2	3	6
9	3	8	4	2	6	5	1	7
2	6	1	7	3	5	8	4	9
8	1	9	6	5	4	7	2	3
7	5	6	3	1	2	9	8	4
4	2	3	8	9	7	6	5	1
6	8	7	2	4	1	3	9	5
1	9	2	5	7	3	4	6	8
3	4	5	9	6	8	1	7	2

वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित और विराट एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर एकदम अलग होता है।
-तिलक वर्मा, भारतीय बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

3 मैचों के लिए श्रीलंका जाएगी पाक टीम

लाहौर। पाकिस्तानी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की शृंखला के लिए श्रीलंका जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी ने कहा कि पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 7, 9 और 11 जनवरी को दम्बुला में तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान की टीम 30 जनवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 शृंखला खेलेगी।

खेलो इंडिया से किशोरों को मिला उद्देश्य : टॉड

जयपुर। भारतीय टेनिस सर्किट में एक जाना-पहचाना नाम बन चुके ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉड क्लार्क ने खेलो इंडिया की सराहना करते हुए कहा कि इससे किशोरों को उद्देश्य मिलता है। 2008 में भारत आने के बाद से क्लार्क ने देश की संस्कृति को अपनाया है। वर्तमान में वे ओडिशा स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में टेनिस निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। क्लार्क ने कहा कि उबाऊ किशोरावस्था से ज्यादा परेशान करने वाली कोई चीज नहीं होती। इन खेलों ने देशभर में युवाओं को खेल अपनाने, उसमें आगे बढ़ने और करियर बनाने का मौका दिया है।

आईटीटीएफ में भारत का अभियान समाप्त

चेंगदू (चीन)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और उनकी टीम मंगलवार को स्टेज 1 के तीनों ग्रुप मैच हारकर आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप 2025 टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। जापान, ऑस्ट्रेलिया और क्रोएशिया के साथ ग्रुप 2 में शामिल, आठ सदस्यों वाली भारतीय टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई। भारत अब आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप टूर्नामेंट के तीनों एडिशन से पहले स्टेज में ही बाहर हो गया है।

आईपीएल नीलामी से मैक्सवेल हटे

सिडनी। आईपीएल में एक दशक के करियर में कुछ खास नहीं कर सके ग्लेन मैक्सवेल ने अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से नाम वापस ले लिया। बिग शो के नाम से मशहूर 37 वर्ष के मैक्सवेल ने 2012 से हर आईपीएल (2019 को छोड़कर) खेला है। मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि आईपीएल में कई यादगार सत्रों के बाद मैंने इस साल नीलामी से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। यह फैसला है और लीग से जो कुछ भी मिला है, उसके प्रति कृतज्ञता जताते हुए लिया है।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का निधन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। स्मिथ को 80 और 90 के दशक में कर्टली एम्ब्रोस, कर्टनी वॉल्श, मैल्कम मार्शल और पैट्रिक पैटरसन जैसे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों का सामना करने के लिए जाना जाता है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 1988 से 1996 के बीच 62 टेस्ट मैचों में 43.67 के औसत से 4236 रन बनाए थे।

सूर्यवंशी के नाबाद शतक के बावजूद महाराष्ट्र से हारा बिहार

कोलकाता, एजेंसी

प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और सात छक्के मारे। इसके साथ ही वह 14 वर्ष की उम्र में तीसरा टी-20 शतक जड़ने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी बने।

इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी (30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते 7 विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार और सकीबुल गनी ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा, लेकिन महाराष्ट्र ने अंततः जीत दर्ज की।

जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

- 14 वर्ष की उम्र में तीसरा टी-20 शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज बने वैभव

हार्दिक पंड्या के 77 रन से बड़ौदा ने पंजाब को सात विकेट से हराया

हैदराबाद। हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने दो महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए नाबाद 77 रन बनाए, जिसकी मदद से बड़ौदा ने ग्रुप सी मैच में पंजाब को 7 विकेट से हराया। पंड्या ने 42 गेंद में 7 चौके और 4 छक्के जड़े। पंजाब ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाए, जिसमें अभिषेक शर्मा के 19 गेंद में 50 रन शामिल है। पंड्या की पारी के दम पर बड़ौदा ने 19 .1 ओवर में तीन विकेट पर 224 रन बनाए। सितंबर में दुबई में एशिया कप सुपर फोर्स में श्रीलंका के खिलाफ खेलने के बाद पंड्या का यह पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी करके 52 रन दिए और एक विकेट भी लिया। बड़ौदा इस समय आठ अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि गुजरात शीर्ष पर और पंजाब दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात ने पुडुच्चेरी को नौ विकेट से हराया। पुडुच्चेरी की टीम 13 .1 ओवर में 83 रन पर आउट हो गई, जबकि गुजरात ने जवाब में नौ ओवर में एक विकेट खोकर 84 रन बना लिए।

पहली बार त्रिपुरा से हारा दिल्ली, पडिक्कल के शतक से कर्नाटक की जीत

अहमदाबाद। दिल्ली का घरेलू सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जब मंगलवार को ग्रुप डी मैच में आईपीएल खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद उसे त्रिपुरा की कमजोर टीम के खिलाफ पहली बार 12 रन से हार मिली। रणजी ट्रॉफी में भी दिल्ली को जम्मू-कश्मीर से पहली बार शिकस्त मिली थी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली और सचिव अशोक शर्मा को टीम चयन, सहयोगी स्टाफ के चुनाव और सरनदीप सिंह की नियुक्ति को लेकर सवालों का सामना करना पड़ सकता है। रणजी में दिल्ली को अपने आखिरी दोनों मैच जीतने के बावजूद नॉकआउट में पहुंचने के लिए किसी चमत्कार की जरूरत होगी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी टीम चार में से दो मैच गंवाकर मुश्किल में है। त्रिपुरा के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली के बल्लेबाजों ने निराश किया और मणिशंकर मूरासिंह (19 रन पर दो विकेट) तथा विक्की साहा (29 रन पर दो विकेट) की गेंदबाजी के सामने 8 विकेट पर 145 रन ही बना सके। मूरासिंह ने इससे पहले नाबाद 25 रन की पारी भी खेली, जिससे त्रिपुरा ने पांच विकेट पर 157 रन बनाए।

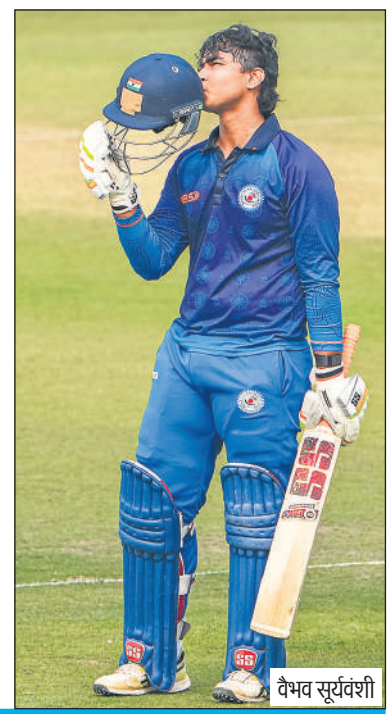

वैभव सूर्यवंशी

जीत के लिए कोहली-रोहित पर देश की नजरें

वनडे विश्व कप 2027 से पहले दोनों खिलाड़ियों के लिए हर मैच फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया

- राची वनडे में जीत के सूत्रधार रहे दोनों खिलाड़ियों ने विश्व कप के लिए अपना दावा किया पुख्ता

रायपुर, एजेंसी

अफवाहों के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को दूसरा वनडे और शृंखला जीतने के लिए भारत की उम्मीदें विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर लगी होंगी। कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित की 57 रन की पारी के दम पर भारत ने रांची में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया। वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल है और ऐसे में कोहली और रोहित के लिए हर मैच अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर से बढ़ते मतभेदों का मसला भी अहम है। इसे लेकर लग रही अटकलों के बीच लगता है कि बीसीसीआई को कहीं न कहीं दखल देना होगा। भारत की जीत के सूत्रधार रहे रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा पुख्ता कर दिया है। रोहित के प्रदर्शन से भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया को सिडनी वनडे में नौ विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ नहीं कहा है जो तनाव की वजह हो सकता है। पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है।

लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। गेंदबाजी में उन्होंने तीन ही ओवर डाले और 18 रन दिए। हर्षित राणा ने नई गेंद से दो विकेट लिए, लेकिन बाद में काफी रन दिए। उन्हें इस पर नियंत्रण करना होगा खासकर जब 34वें ओवर के बाद सिर्फ एक ही गेंद से खेलना होता है। बल्ले और गेंद के बीच संतुलन के लिए आईसीसी के नए नियम के तहत उपलब्ध दो में से एक ही गेंद 34वें से 50वें ओवर के बीच इस्तेमाल की जा सकती है।

कुलदीप यादव ने 68 रन देकर 4 विकेट लिए। वह महंगे भले ही साबित हुए, लेकिन उनकी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका वापसी के प्रयास के बावजूद नाकाम रहा। दक्षिण अफ्रीका ने एक समय 3 विकेट 11 रन पर गंवा दिये थे लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मार्को यान्सेन ने 26 गेंद में अर्धशतक और 39 गेंद में 70 रन बनाए। मैथ्यू ब्रीज्के ने भारत के खिलाफ पहला वनडे खेलते हुए 72 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा और स्पिनर केशव महाराज के बिना खेला जिन्हें आराम दिया गया था। अब दोनों की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। शहीर वीर नारायण सिंह स्टेडियम पर एकमात्र वनडे जनवरी 2023 में हुआ था जब पिच से मिलने वाली मदद से मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड टीम को 108 रन पर आउट कर दिया था। भारत ने 30 ओवर बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। यहां दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मैच में भी भारत ने 20 रन से जीत दर्ज की थी।

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।
दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यान्सेन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।
मैच दोपहर 1:30 बजे

कोहली-रोहित की मौजूदगी में भारत का सामना करना कोई नई बात नहीं : बावुमा

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी वाली भारतीय टीम का सामना करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इससे मेजबान टीम को मजबूती मिलती है। बावुमा की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की शृंखला में भारत को 2-0 से करारी शिकस्त दी थी। बावुमा तीन मैचों की वनडे शृंखला के शुरुआती मुकाबले में एकादश का हिस्सा नहीं थे, लेकिन वह बुधवार को खेले जाने वाले दूसरे वनडे में वापसी के लिए तैयार हैं।

रांची में खेले गए पहले मैच में कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित के 57 रनों की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की थी। बावुमा ने शहीद वीर नारायण स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के अभ्यास सत्र से पहले कहा कि इन दो खिलाड़ियों के आने से टीम को मजबूती मिलती है। जैसा कि हमने शृंखला की शुरुआत में कहा था। ये दोनों खिलाड़ी काफी अनुभवी और कुशल हैं। इससे टीम को फायदा ही होगा। यह ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में हमें जानकारी न हो।

बावुमा ने कहा कि रोहित की मौजूदगी वाली भारतीय टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जब टी-20 विश्व कप जीता था तक वह स्कूली छात्र थे। हमने रोहित के खिलाफ खेला है। मुझे लगता है कि 2007 के टी-20 विश्व कप के समय मैं स्कूल में था। मेरा मतलब है, ये खिलाड़ी काफी समय से भारतीय टीम में है, इसलिए इसमें कोई नई बात नहीं है। ये विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ खेलना कोई नई बात नहीं है, हम उनका सामना कर चुके हैं। यह भी सही है कि उनकी मौजूदगी में हमें ज्यादातर मैचों में निराशा मिली है, लेकिन हमने उनके खिलाफ अच्छा समय भी बिताया है। यह सब इस शृंखला को और भी रोमांचक बनाता है। बावुमा ने इस बीच कहा कि दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के दौरान दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड द्वारा इस्तेमाल किए गए 'ग्रोवेल (घुटना टेकने पर मजबूर करना)' शब्द पर उन्हें स्पष्टीकरण देने की कोई जरूरत नहीं है।

थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ दोनों दिग्गजों ने किया अभ्यास

रायपुर। द. अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वन से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अभ्यास सत्र में थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। कोहली ने थ्रो-डाउन विशेषज्ञ रघु (दाएं हाथ) और नुवान सेनेविरत्ने (बाएं हाथ) के खिलाफ कुछ करारे प्रहार किए। मुख्य कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के दोनों नेट पर नजर रखे थे। कोहली सत्र पूरा करने के बाद गंभीर से कुछ भी बोले बिना आगे बढ़ गए। कोहली के ड्रेसिंग रूम जाने के बाद रोहित भी ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े लेकिन उन्होंने थोड़ी देर रुक कर गंभीर से बात की। यशस्वी जायसवाल ने बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही ऋषभ पंत ने आखिर में अभ्यास करने वालों में शामिल थे।

आलोचना पर ध्यान दूंगा तो खेल नहीं पाऊंगा : राणा

मुख्य कोच गौतम गंभीर द्वारा पक्ष लेने के लिए निशाने पर रहने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा का कहना है कि वह किसी भी शोर पर ध्यान नहीं देते क्योंकि ऐसा करने से वह खुलकर नहीं खेल पाएंगे। गंभीर के कार्यकाल में 23 साल के इस तेज गेंदबाज ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पर्थ टेस्ट में पदार्पण के बाद भारत के लिए सभी प्रारूपों में पदार्पण किया है। हालांकि हर्षित ने अपने प्रदर्शन से सभी प्रारूपों में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन उन्हें टीम के मुख्य कोच का पूरा समर्थन मिला है।

यान्सेन ने बल्ले से सुधार किया, वह अब बेहतरीन ऑलराउंडर : कालिस

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जाक कालिस ने कहा कि मार्को यान्सेन ने हाल के महीनों में अपनी बल्लेबाजी में जो सुधार किया है, वह उन्हें आधुनिक क्रिकेट के शीर्ष हरफनमौला खिलाड़ियों में जगह बनाने में मददगार होगा। यान्सेन ने भारत दौरे पर आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर अपनी साख को मजबूत करते हुए गुवाहाटी में टेस्ट और फिर रविवार को रांची में पहले वनडे में तेजी से अर्धशतक बनाए। कालिस ने मंगलवार को एसए20 द्वारा आयोजित विशेष बातचीत के दौरान कहा कि उसका साल शानदार रहा है, है ना? उसमें हमेशा से क्षमता थी। बस उसे अपने खेल को समझने की जरूरत थी। जाहिर है अब वह इसे समझ गया है और अच्छा संतुलन बना रहा है, अपने समय के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल रहे कालिस ने कहा कि यान्सेन की गेंदबाजी शानदार रही है। कुछ वर्षों में उन्होंने बल्ले से अपनी प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन अब उन्होंने इसमें सुधार किया है। वह अब बेहतरीन हरफनमौला हैं। मुझे लगता है कि वह एसए20 में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। बल्ले से योगदान देने के अलावा यान्सेन ने भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट भी लिए थे। दक्षिण अफ्रीका ने इस शृंखला को 2-0 से जीत था। कालिस को एसए20 यान्सेन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

जाक कालिस

मार्को यान्सेन

विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे कोहली

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा है कि विराट कोहली ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह 24 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। भारत के लिए अब सिर्फ एक प्रारूप में खेलने वाले कोहली अभी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे शृंखला में खेल रहे हैं। कोहली फरवरी 2010 में सेना के खिलाफ खेलने के बाद पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करेंगे। 37 वर्षीय कोहली ने रांची में शृंखला के पहले मैच में 52वां शतक जड़ा, जिससे पता चलता है कि वह टेस्ट से संन्यास के बाद सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बावजूद लय में हैं। कोहली ने बारबडोस में 2024 विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। जेटली ने कहा कि वह कितने मैच खेलेंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। बेशक उनके होने से दिल्ली ड्रेसिंग रूम को बहुत बढ़ावा मिलेगा।

एफआईएच जू. पुरुष विश्व कप — लगातार तीसरी जीत से 9 अंकों के साथ पूल बी में शीर्ष पर भारत, मनमीत और शारदा ने किए दो-दो गोल

भारत क्वार्टर फाइनल में, स्विट्जरलैंड को 5-0 से दी मात

मदुरै, एजेंसी

मनमीत सिंह ने दो गोल करके अपने जन्मदिन का जश्न मनाया जबकि शारदा नंद तिवारी ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत ने मंगलवार को एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप में स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराकर अपना अजेय क्रम जारी रखा और क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत तीन मैच में तीन जीत से नौ अंक के साथ पूल बी में शीर्ष पर रहा।

भारत के लिए मनमीत (दूसरे और 11वें मिनट) और शारदा नंद तिवारी (13वें और 54वें मिनट) ने दो-दो गोल किए जबकि अर्शदीप सिंह (28वें मिनट) ने भी एक गोल दागा। इस बीच पहले मैच में स्पेन ने नामीबिया को 13-0 से हराकर तीन मैच में सभी जीत के रिकॉर्ड के साथ पूल डी में शीर्ष पर रहते हुए सीधे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। पूल डी के दूसरे मैच में बेल्जियम ने मिस्र को 10-0 से हराकर दूसरी सबसे अच्छी टीम के तौर पर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। बेल्जियम तीन मैच में छह अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई किया।

सात बार के चैंपियन और गत चैंपियन जर्मनी, भारत, अर्जेंटीना, स्पेन, नीदरलैंड और फ्रांस ने पूल में शीर्ष पर रहते हुए सीधे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 24 टीम में से छह पूल में शीर्ष पर रहने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे जहां उनके साथ दूसरे स्थान पर रहने वाली दो टीम भी होंगी। कैस्पर वैन डेर वीन की हैट्रिक की मदद से नीदरलैंड ने ऑस्ट्रिया को 11-0 से हराकर पूल ई से क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को 3-1 से हराकर पूल ई में दूसरा स्थान हासिल किया लेकिन यह उनके लिए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए काफी नहीं था।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : भारत की शानदार शुरुआत, नामीबिया को 13-0 से रौंदा

सैंटियागो (चिली)। भारतीय टीम ने पूल सी के पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अभियान की शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नेशनल में हुए मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच और हिना बानो हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने दो गोल किए। बिनिमा धन, सोनम, साक्षी शुक्ला, इशिका और मनीषा ने एक-एक गोल किए। भारत को 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने फिनिश के साथ दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में राणा ने दूसरा गोल और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल कर बढ़त 7-0 किया। तीसरे क्वार्टर में हिना बानो ने दो गोल किए। इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया। बानो और सिवाच ने हैट्रिक लगाकर आखिरी क्वार्टर में स्कोर 12-0 किया। मनीषा के आखिरी गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी से भिड़ेगी।

हाईकोर्ट ने बजरंग और विनेश की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के दिसंबर 2023 में हुए चुनाव को चुनौती देने वाली बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यव्रत कादियान की याचिका खारिज कर दी क्योंकि अलग अलग तारीखों पर भी वे पेश नहीं हुए। तीनों की उम्मीदवार अनिता श्योराण को हराकर संजय सिंह उस समय अध्यक्ष बने थे।

न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने 27 नवंबर को सुनवाई करते हुए कहा कि इस दौरान एक भी याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था और दो सुनवाई में भी वे नहीं आए। लगता है कि मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की रुचि नहीं है। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। याचिकाकर्ताओं के सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने पर अदालत ने याचिका रद्द कर दी।

एशियाई पैरा खेलों के लिए दल को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने दुबई में 7-14 दिसंबर तक होने वाले एशियाई युवा पैरा खेलों के लिए 161 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दी, लेकिन अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं को देखते हुए सभी की पृष्ठभूमि की जांच भी अनिवार्य कर दी है।

सूची में 99 खिलाड़ियों (61 पुरुष और 38 महिलाएं), 62 कोचों, सहयोगी स्टाफ और अधिकारियों के नाम है। मंत्रालय ने दल के लौटने के 30 दिन में प्रदर्शन पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को भेजे पत्र में कहा गया, अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं से मंत्रालय का मानना है कि दल के सदस्यों और अधिकारियों की पृष्ठभूमि की भारतीय खेल प्राधिकरण या राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा जांच की जाए।

- दुबई में 7-14 दिसंबर तक होने वाले आयोजन में 161 सदस्यीय भारतीय दल होगा शामिल

पीसीआई महासचिव जयवंत गुंडू हम्मानावर ऐसे अधिकारी है जिनकी यात्रा सरकार के खर्चे पर नहीं होने के आधार पर मंजूरी मिली है। वह दल प्रमुख भी होंगे। मंत्रालय ने कहा कि पीसीआई यह तय करेगी कि कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय खेल महासंघ या अन्य खेल ईकाई में पदधारी, जिसका नाम सूची में है, उसकी लागत सरकार वहन नहीं करेगी।